हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 जनवरी, 1998

(द्वितीय बैठक)

खण्ड–1 अंक–5

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 21 जनवरी, 1998

पृश्ठ संख्या

सदन के कार्यक्रम मे परिवर्तन	(5)1
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)1
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
परिवहन मंत्री द्वारा	(5)10
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)10
वाक आउट	(5)13
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)13
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
खेल राज्य मंत्री	(5)29
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)30
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
कृशि मंत्री द्वारा	(5)49

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)49
बैठक का समय बढाना	(5)57
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)57
बैठक का समय बढाना	(5)65
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)65
बैठक का समय बढाना	(5)71
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)71
बैठक का समय बढाना	(5)75
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5)75

हरियाणा विधान सभा

21 जनवरी, 1998

(द्वितीय बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रोफैसर छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

सदन के कार्यक्रम मे परिवर्तन

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am to announce, with the sense of the House, that there will be no sitting of this auugust House on 23rd January, 1998 and there will be two sittings on 22nd January, 1998. The business which was to be transacted on 23rd January, 1998 will be taken up in the second sitting of the House tomorrow, the 22nd January, 1998.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the discussion on Governor's Address will be resumed. Capt. Ajay Singh was on his legs when the House adjourned today at 1.00 p.m and he may resume his speech. कैप्टन साहब, जहां तक पार्टी वाइज बोलने के समय की बात है, वह समय तो आपका पूरा हो गया। (ाोर) चाहे रात के दस बजे तक सै ान चलाना पड जाए लेकिन सभी को दस दस मिनट बोलने के लिए जरूर दिए जाएगे।

(थपिंग) कैप्टन साहब, आपसे प्रार्थना है कि आप अपनी बात 5 मिनट मे पूरी करे।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाडी): अध्यक्ष महोदय, जिस इलाके मे नहरे है, वहां पर किसानो से 6 महीने मे 25 रूपय और साल मे 50 रूपय प्रति एकड के हिसाब से आबियान के रूप मे लिया जाता है। मै जिस इलाके के संबध रखता हू, उसी इलाके से भाई जगदी ा और श्री जंसवन्त सिंह जी भी है। उस इलाके मे किसान टयूबवैल्ज पर निर्भर करते है और हमारे किसानो के लिए बिजली को स्लैब सिस्टम रियासत के रूप मे बनाया गया था, वह बन्द कर दिया गया है। (विघ्न) आखिर उन किसानो का क्यो दोश था? श्री राम बिलास जी भी जब विपक्ष मे बैठा करत थे, तो स्लैब सिस्टम के बारे मे लबी लंबी बाते किया करते थे। भाायद वह इस समय हाउस मे उपस्थित नही है। पुलिस ने उन निर्दोश किसानो पर बगैर वार्निग दिए ही गोलिया चलाई। भाायद इतिहास मे ऐसी घटना पहले कभी नही घटी हो।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायट आफ आर्डर। इन्होने अपने समय मे किसानो के लिए कितनी परवाह की थी ये ऐसी बाते कर कर सदन को गुमराह करने की कोि ा ा कर रहे है। यह ठीक बात नही है कि ये आवे ा सदन मे आकर के कुछ भी कह जांए। अध्यक्ष महोदय, इन्होने स्वय और सामने वाले भाईयो ने मिलकर किसानो के नाम पर आंदोलन चलवाया था। आज सुबह खुद भजन लाल जी भी

बोल रहे थे। इनसे कोई पूछे कि इनके राज मे क्या कुछ नही हुआ है? इनके राज मे तो किसानो को मौत के घाट उतार दिया गया था। कम से कम आज की सरकार किसान विरोध सरकार तो नही है। हम तो कानून व्यवस्था कायम रखना चाहते है। लेकिन अगर आप जैसे लोग कानून व्यवस्था कायम होने मे बाधर बनेगे तो हमे इलाज भी करना आता है। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस है कि पुलिस मे मंडियाली गांव के किसानो के आदोलन के समय मे एक व्यक्ति के घर मे घुसकर बडी बेहहमी से महिलाओ को पीटा। वह व्यक्ति उस समय प ुिओ को पानी पिला रहा था। वहा पर महिलाओ के साथ अभ्रद व्यवहार किया गया, उनका सामान उठाकर के कुए मे फैक दिया गया। एक महिला की दो बेटियां जिनमे एक गर्भवती भी थी, की भी बडी बेरहमी से पीटा गया। (ोम भोम की आवाजे) अगर यह बात सच नही हो तो मै हाउस की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा अन्यथा दलाल साहब इस्तीफा दे दे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप कंहा की बात कर रहे है? क्या आपने कभी मंडियाली देखा भी है अथवा नही?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै रिवाडी हल्के मे तीन बार चुनकर आया हू। ऐसी बात नही है कि मै वहा पर नही गया हूं और क्या मै आपको ऐसे ही बता रहा हू। अध्यक्ष

महोदय, मै आपकी इज्जत करता हू। लेकिन आप यह कहे कि मै मंडियाली के बारे मे जानता नही तो यह गलत बात है। मै यह कहना चाहता हू कि जिस तरीके से किसानो के साथ ज्यादती हुई है वह पहले कभी नही हुई। सबसे बडी बात तो यह हुई कि भोर सिंह जो हमारी पार्टी के कार्यकर्ता है महेन्द्रगढ मे उनको पकडकर बेरहमी से पीटा गया। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः आज भाई अजय सिंह ने अपने भाशण मे यह बात स्वीकार की है कि इनकी पार्टी के लोगो ने वहां गडबड करवाई। जिनका नाम से ले रहे है आप जानते है कि कौन लोग थे? इनकी पार्टी के लोगो ने और सामने बैठे हुए पार्टी के लोगो ने प्रदे ा के ि ाक्षा मंत्री श्री राम बिलास भार्मा के घर मे घुसकर उनके बूढे माता पिता को अगवा करने की कोि ा ा की और रेलवे लाइने उखडावने का काम किया। उन्होने स्वय माना है कि उनकी पार्टी के ही कार्यकर्ता थे जो महेन्द्रगढ मे गडबड करवा रहे थे। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः इन्होने जो आरोप लगाया है वह निराधार है।

श्री अध्यक्षः श्री धीरपाल 51 मिनट तक बोल रहे है उनको बोलते हुए किसी ने नही टोका आप कोई कट्रोवि र्यल बात न करे और अपनी बात करे।

श्री धीरपाल सिंहः भार्मा जी के माता पिता के साथ ऐसा व्यवहार जिसने भी किया उसको मै व्यक्तिगत रूप से निन्दा करता हू और हाउस मे फिर कहता हू कि हमारी पार्टी का कोई भी साथी माननीय ि ाक्षा मंत्री के घर मे नही गया। आज भी उनकी माता का सम्मान करते है। यह काम विकास पार्टी के लोगो ने किया होगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै भी कहना हू कि राम बिलास के साथ जो बात हुई है उसको हमने निन्दा की है चाहे वह बात किसी के साथ भी हो। बहुत गलत बात है लेनिक यह कहना कि ये हमारी पार्टी के लोग थे। वह गलत है। हो सकता है कि ऐसा काम दलाल साहब ने करवा दिया हो।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, अभी कैप्टन अजय सिह ने उनका नाम लिया था और कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओ की वहां पर पुलिस ने पिटाई की। इनको खुद को उस इलाके के किसानो के रास्ते मे वापिस भगा दिया और कहा कि हमे आपकी जरूरत नही है। आप हम लोगो को काफी भडका चुके हो। आप वापिस अपने घर जाओ। ये रास्ते मे वापिस आए थे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ये तो ऐसे ही गलत बाते करते रहते है मेरा तो यह कहना है कि अगर ये सही मायने मे टिके हुए हो तो क्यों नही ये जुडि ायल इन्कवायरी

करवाते। उससे दूध और पानी का पानी हो जाएगा और सही बात का पता चल जाएगा। जो किसान मारे गए उनको इन्होने कोई कम्पनसै ान नही दिया और उन किसानो से कोई वार्तालाप भी नही की। प्रदे ा के इतिहास मे बहुत सारी सरकार आई, लोगो मे हमे ाा कोि ा ा की कि किसानो की भलाई की बात हो सके लेकिन मुझे इस बात का बडा आ र्चय है कि इस सरकार के मुख्यमंत्री या किसी मंत्री ने उन किसानो को बुला कर उनके साथ बात तक नही की। मै कहता हूं कि ये किसानो को बुला कर उनके साथ बात करते और उनकी जायज मांगो को मानते। मै सरकार से अनुरोध करूंगा कि किसानो के साथ जो ज्यादती हुई है उसके बारे मे जुडि ायल इन्क्वायरी करवाई जाए। किसानो द्वारा किए गए एजीटे ान के समय जिन लोगो ने महिलाओ के साथ दुर्व्यवहार किया है और छोटी छोटी बच्चियो की पिटाई की है उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जांए और जिन लोगो ने उस समय किसानो पर गोलिया चलाई उनके खिलाफ मुकदर्म दर्ज किए जांए ओर जिन लोगो ने उस समय किसानो पर गोलियां चलाई उनके खिलाफ भी मुकदमे दर्ज किए जाए। बिजली के निजीकरण या सुधारीकरण के नाम पर केवल हमारे चार जिलो के अन्दर किसानो ने ऐजीटे ान करने का कदम उठाया था। क्या यह सरकार किसानो के हको को काट कर बिजली का निजीकरण करवा लेगीत्र अगले महीने 7 तारीख को चुनाव होगा उसके बात इनको पता लग जाएगा कि ये कितनी पानी मे है इनको उस बात का खामयाजा भुगतना पडेगा। इसी चुनाव मे लोग इनको बता देगे

कि बिजली का निजीकरण कैसे किया जाता है? बिजली के निजीकरण के लिए इस सरकार ने चार कम्पनियां बनाई है। बिजली का ट्रांसमि ान अलग दूसरा डिस्ट्रीब्यू ान अलग, मेरा कहना यह है कि पावर रैगुलेटरी कमि ान जब बनेगा तो एच0एस0ई0बी0 का नाम रहेगा या नही रहगा उसका नाम कहां जाएगा? जब ज्वायट वचर मे आ जाएगी तो फारेन कम्पनीज भी बीच मे आ जाएगी। आप लगभग 13 परसैंट के रेट आफ इट्रस्ट पर 6900 करोड रूपय लोन लेगे।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आप बिजल मंत्री जी की बात सुने।

जन सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह): स्पीकर साहब, माननीय सदस्य चार कम्पनीज की बात कर कर सदन को गुमराह कर रहे है। जिनको, ट्रास्को और डिस्काम तीन कम्पनीज बनेगी और रैगुलेटरी कमि ान इनडिपैडैट होगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः जो पावर रैगुलेटरी कमि ान बनेगा, गवर्नमैंट उसके सामने पार्टी बन कर खडी होगी क्योकि गवर्नमैंट का उस पर कोई अधिकार नही होगा। जो आप उनसे पैसो लेगे वह डालर्ज मे लेगे और रूपए की वैल्यू हमे ाा डाउन होगी। आप 6900 करोड रूपए लोन लेगे, उसका आप कम से कम एक हजार करेाड रूपया ब्याज देगे तो मेरा यह कहना है कि बिजली बोर्ड के अपने असैट्स चाहे वह ट्रांसफारमर्ज हो चाहे वह

बिजली की लाइने हो उनका क्या होगा? इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूगा कि आपने हरियाणा के लोगो को खुन पसीने की कमाई को टैक्स के रूपये मे वसूल किया है क्या वह पैसा उनको वापिस सौप देगे। ऐसा करके आप बिजली बोर्ड को एक तरह से बेच रहे है।

श्री अतर सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य बिजली बोर्ड को बेचने की बात कर रहे है यह निराधार और बेबुनियाद बात है और ऐसी बात कह कर ये हाउस को गुमराह कर रहे है। बिजली बोर्ड के सारे असैटस कम्पनीज को ट्रासफर हो जाएगे और वे कम्पनीज औड कम्पनीज होगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जहा तक एजुके ान की बात है। दक्षिणी हरियाणा के चार जिलो महेन्द्रगढ, रिवाडी, गुडगांव और फरीदाबाद इनके अन्दर कोई यूनिवर्सिटी नही है। एकरजीनल सैंटर मीरपुर गांव के अन्दर है उसका 100 एकड भूमि के अन्दर काम चालू हो गया है। हमारे ि ाक्षा मंत्री राम बिलसा भार्मा जी इस समय हाउस मे नही बैठे है मै यह कहना चाहता हू कि 1995–96 मे उसे रीजनल सैटर पर 50 लाख रूपए खर्च किए गए थे उस समय हमारी पार्टी का राज था। इस सरकार ने आने के बाद वहां पर 2 लाख 50 हजार रूपए खर्च किए है। अध्यक्ष महोदय, हमारे इलाके के मंत्री महोदय हाउस मे बैठे है आप इनसे पूछ ले और वे अपनी छाती पर हाथ रख कर बतांए कि क्या हमारे उन जिलो के बच्चे जयपुर, कुरूक्षेत्र और रोहतक तक

पढने नही जाते है। उस रीजनल सैटर मे सडके बन गई है और उसकी चारदीवारी का काम भाुरू हो गया है। मै कहना चाहता हू कि वहां पर यूनिवर्सिटी बननी चाहिए।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, 1986 से पहले वहा के बच्चे पढने के लिए कहा पर जाते थे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः मैने वहा पर इसकी आधारि ाल रखवा दी थी। उसकी चार दीवारी बनवा दी गई थी और सडके बनने लग गई थी लेकिन अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि उसे बीच मे ही बन्द कर दिया गया है। इसी प्रकार से भाई जसंवन्त सिंह जो मंत्री है इनके हल्के मे भी पौलीटैक्निल कालेज की आधारि ाला रखवा दी थी। पता नही बात मे किन कारणो से वह काम बन्द कर दिया गया जबकि वहा पर काम के लिए पैसा भी ईयर मार्क करवा दिया गया था। अब इस सरकार ने भी वहां पर इसकी कोई व्यवस्था नही की है।

श्री जसवन्तं सिहः अध्यक्ष महोदय, मुझे बडे दुख के साथ कहना पडता है कि इन्होने वहा पत्थर तो रखवा दिया था लेकिन वहां पर एक पैसा भी खर्च नही किया गया। इन्होने वहां पर झूठी आधारि ाला रखवा दी थी। लेनिक हमारी सरकार के ि ाक्षा मंत्री श्री राम बिलास भार्मा जी ने आ वासन दिया है कि वहा पर पोलीटैक्निल कालेज अव य खोल देगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी जानकारी के लिए सदन को बताना चाहूगा कि आज हरियाणा मे कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नही रह गई हैं। आज दिन दहाड डकैतिया डाली जा रही है। अभी दो दिन पहले ही रिवाडी भाहर मे भाटर तोडकर डाका डाला गया, लेकिन वे चार आज तक पकडे नही गए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठिए, आपका समय हो गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः वहा पर कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है इसलिये वहा पर पुलिस की स्ट्रेन्थ बढाई जाए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। जो ये कह रहे है वह रिकार्ड न करे।

श्री रामजी लाल (सढौरा, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, इस समय गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर बहस चल रही है। इस मे खासकर बिजली के मुददे को उठाया गया है। बिजली के निजीकरण के मुददे को लेकर सकरार ने यह कहा है कि हम इसका निजीकरण नही बल्कि सुधार करण करने जा रहे है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से जानना चाहूगा कि सरकार इसमे क्या सुधारीकरण करने जा रही है। बिजली के

मामले मे आज सारे हरियाणा मे त्राहि त्राहि मची हुई है। बारि ा के कारण किसान को तो अबकी बार ज्यादा बिजली की आव यकता महसूस नही हुई लेनिक खासा पकाने के लिए यहा दूसरे कामो के लिए सरकार को बिजली सप्लाई करनी चाहिए। सरकार रूरल और अर्बन एरियाज को बीच मे रखकर किसानो को बिजली दे रही है। सरकार गांवो मे बिजली भााम छः बजे से रात नौ बजे तक देती है लेकिन उसमे भी 10 मिनट के लिए टिमटिम करने आती है और चली जाती है, वह भी पूरे समय के लिए नही आती।

अध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौधरी धीरपाल जी ने कहा कि रोहतक जिले मे ज्यादातर खेतो मे आज भी पानी खडा है। मै बताना चाहूगा कि मेरे यहां अम्बाला और यमुनानगर मे भी काफी एरिया मे पानी खडा है आज यमुना नदी के साथ साथ जो खेत है उनमे काफी मात्रा मे पानी खडा है। वहा पर कई किसानो ने कनक बीजी ही नही और जिन्होने बोर्ड उनकी जमी नही। फिर बारि ा होने से वे दुबारा उस जमीन की बिजाई भी नही कर पाये। ज्यादा बरसात की वजह से वहा पर ज्यादा नुकसान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूगा कि यमुना नगर अम्बाला के एरिया मे सर्वेक्षण करवाया जाए और जो किसान गेहू की फसल से वचित रह गया है, जैसे कि पिछली बार द ार्या गया है, उस किसान को मुआवजा दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि वहा पर सन फलावर की बिजाई के

लिए बीज उपलब्ध करवाया जाएगा इसलिये मेरा अनुरोध है कि हमारे ऐरिया मे इस बारे मे सरकार प्रभावी पग उठाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै एक और अहम मुददे की और सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हू। जैसे कि चौधरी धीपाल सिंह जी ने अपनी स्पीच मे यह कहा था कि एक जानवर जिस नील गाय कहा जाता है वहा वास्तव मे नील गाए नही है बल्कि यह प ा रोझ है लेकिन इसको नील गाय की सज्ञां दी जाती है। इस रोझ ने तकरीबन अम्बाला के पूरे हिल्ली ऐरिया मे ताजेवाला तक किसान की फसल नही छोडी है मांह, ज्वार, बाजरा, मकई, मसरी आदि फसलो का यह पक्का दु ामन है और इन फसलो को छोडता नही है। यह जानवर अम्बाला डिस्ट्रिक्ट का दु ामन है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूगा कि इस जानवर का कोई न कोई प्रबन्ध किया जाए तथा इसके द्वारा फसलो को तबाह करने के एवज मे जिन किसानो की फसले इसने खराब की है उनको मुआवजा दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, तीसरी बात मै यहा पर ओल्ड अम्बाला के बारे मे कहना चाहूगा। मै मुख्यमंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहूगा कि ओल्ड अम्बाला जिला मे कण्डी प्रोजैक्ट और ि ावालिक बोर्ड के नाम पर दो संस्थाओ द्वारा वर्ल्ड बैक से वहा के लोगो के उथान के लिए पैसा लिया जाता है। कण्डी प्रोजैक्ट और ि ावालिक बोर्ड केवल कागजो तक ही है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैक का पैसा उन लोगो के उत्थान के लिए, उनकी ि ाक्षा के लिए के अच्छे स्वास्थय के लिए और सिचाई के साधनो के लिए तथा पीने के पानी की ठीक व्यवस्था करने के

लिए और सडको तथा पुलियो के लिए मिलता है। पूरे ओल्ड डिस्ट्रिक्ट अम्बाला मे ि ावालिंक बोर्ड द्वारा कोइ काम नही किया जा रहा है लगभग 200 गावो मे टूटी फूटी सडके है और पुलियों के नाम पर कुछ नही है न ही पीने के पानी की ठीक व्यवस्था है। ऐसे ट्यूबवैल्ज है जो कि बहुत नीचे ठिकानो पर लगाए गए है जब कि करीब 200 गांव ऐसे है जो कि काफी ऊचाई पर है और इन टयूबवैल्ज को पानी वही तक नही पहुंचता है।वहा पर पानी पाईप के द्वारा भी नही ले जा सकता है क्योकि पाईप लगाते है तो पाईप रास्ते मे टूट जाते है। इस ऐरिया मे ताजेवाला तक का ऐरिया आता है जहां पर लोग अपनी रेहडियोक मे ड्रामा रख कर पानी नीचे से ऊपर ले कर जाते है और उनको काफी दिक्कत का समना करना पडता है इसलिये मै सरकार से निवेदन करना चाहूगा कि इन एरियाज मे ट्यूबवैंल्ज ऊंचे लगाए जाए ताकि पीने का पानी उन लोगो को मुहैया करवाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, जंहा तक वन विभाग का सम्बन्ध है, मै आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहूगा कि जहा किसानो की अपनी जमीने है, जो उन्होने वन विभाग को लीज पर दे रखी है, 10 साल या 15 साल तक के लिए पट्टे पर दी हुई है वहां पर सरकार की पालिसी थी कि पपलर और सफैदा लगाकर कर उसे काम मे लाया जाए। आज तक किसान उसका यूज करता रहा है। सरकार की और से महकमे की और से 1983 मे ऐसा फेसला किया गया है जो कि जम्मु क मीर मे लागू है कि उसका आधा हिस्सा किसान रखेगा और आधा हिस्सा सरकार के पास रहेगा। 1990 मे हिमाचल के एक के

केस मे सुप्रीम कोर्ट ने फेसला किया है कि जिस जमीन पर पेड लगाया गया है उस पेड का मालिक भी किसान होगा और जमीन का मालिक भी वही किसान होगा जिसकी वही जमीन है। यह फेसला सुप्रीम कोर्ट मे दायर हुए एक केस मे सुप्रीम कोर्ट ने दिया है इसलिए इनका सारा पैसा खर्च सरकार किसान को दे। मै आपको यह कहना चाहूगा कि हरियाणा मे भी इस तरह के बहुत से केसिज है। आज भी कोर्ट मे केसिज चल रहे है। उनकी जमीन फोरैस्ट डिपार्टमैट ने पटटे पर ली थी। अब फारैस्ट डिपार्टमैट वाले जिनकी जमीन थी उनको पेड काटने नही देते है वे कहते है कि आधे पेड तुम्हारे है और आधे फोरैस्ट डिपार्टमैट के है मेरी आपस प्रार्थना है कि वे पेड तो किसानो के है और उनको ही काटने दिए जांए। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मै थोडी सी और बाते कहना चाहता हू। आज इस सरकार ने द ार्या है कि 95 प्रति ात भाराब बंदी हो गई है। लेकिन मै आपको यह बताना चाहता हू कि आज ऐसी स्थिति हो गई है कि अगर कोई आदमी भाराब बेचने वाले के बारे मे पुलिस को बताता है तो उस आदमी की पिटाई की जाती है क्योकि भाराब बेचने वाला और भाराब पीने वाले पुलिस पर हावी हो गए है। मै आपके माध्यम से बताना चाहता हू कि एक आदमी जिसका नाम अ ाोक है, वह गांव मसरौली, थाना बिलासपुर डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर का रहने वाला है। उसने भाराब बेचने वालो के बारे मे पुलिस को बताया लेकिन उसकी बहुत ही बुरी तरह से पीटाई की गई जिसके परिणामस्वरूप उसको चण्डीगढ मे पी0जी0आई मे ऐडमिट करवाना पडा। उसका

वहा पर कोई हाल पूछने नही गया। ऐसे तो हालात आज हरियाणा प्रदे ा मे हो रहे है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मै आपके माध्यम से ि ाक्षा मंत्री जी को बताना चाहता हू कि आज तक डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर मे कोई गवर्नमैट कालेज नही खोला गया है। इसके साथ ही सढौरा कांस्टीचूएंसी मे कोई हाई स्कूल नही है। जहा तक स्कूलो को अपग्रेड करने का सवाल है तो मंत्री जी अपने अपग्रेडे ान के लिये अपने क्षेत्र को ही महत्व देते है। आज तक डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर मे सिर्फ पांच स्कूल ही अपग्रेड किए गए है।

श्री राज कुमार सैनीः अध्यक्ष महोदय, मसरौली मे एक स्कूल अपग्रेड यिका गया है।

श्री अध्यक्षः आपका समय खत्म हो गया है आप बैठ जांए।

श्री रामजी लालः अध्यक्ष महोदय, मै थोडी सी बात सडको के बारे मे कहना चाहूगां। आज डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर की सडको का भी बुरा हाल है। सभी सडके टूटी पडी है। साढौर से कोटला, सढौर से बिलासपुर, बिलासपुर से छदरौली और छदरौली से जगाधरी तक की सडको का बहुत ही बुरा हाल है। ये जगह जगह से टूटी पडी है इनको भी ठीक करवाने के लिए मंत्री जी कुछ करे। (घंटी)

श्री अध्यक्षः रामजीलाल जी आप बैठ जांए। अब श्री जय सिंह बोलेगे।

15.00 बजे।

श्री जय सिंह राणा (नीलोखेडी): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। सर, कल से राज्यपाल महोदय मे अभिभाशण पर चर्चा हो रही है और इस सदन मे बहुत से सदस्यो ने इस चर्चा मे भाग लिया है और भाग लेते हुए उन्होने अपने अपने विचार व्यक्त किए है। जहां विपक्ष के सदस्यो ने सरकार की कमिंया, कमजोर और असफलताओ का यहां पर जिकर किया वही दूसरी और सत्ता पक्ष के हमारे भाईयो ने उससे तकलीफ महहूस की लेकिन इनकी यह कोई अच्छी बात नही है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, जब हमारे विपक्ष के भाई ठीक बात कहते है तो हम उनका आदर करते है और उनकी बातो को नोट भी करते है लेकिन अगर कोई सदस्य यहां पर गलत ब्यान करता है और सदन को गुमराह करता है तो हम उसकी इस बात का विरोध करते है इसलिये इसमे इनको बुरा नही मानना चाहिए।

श्री जय ंसिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, बडे हौसले और धैर्य के साथ सता पक्ष के मंत्रियो और एम0एल0एज0 को विपक्षी सदस्यो की बाते सुननी चाहिए और सीखना चाहिए तथा देखना

चाहिए कि हमारी कमियो क्या है और उन कमियो को कैसे दूर किया जा सकता है? अगर ऐसा होगा तो समस्या का असल समाधान हो जाएगा। इनको बीच मे टोका टोकी नही करनी चाहिए। स्पीकर साहब, आज से लगभग डेढ साल पहले हरियाणा विकास पार्टी और बी0जे0पी0 की यह सरकार सत्ता मे आई। चुनाव से पहले इन्होने जनता के साथ बहुत से वायदे किए थे और लोगो ने इनको बहुमत देर इनमे वि ावास भी व्यक्त किया था। उसके बाद ही यह सरकार बनी थी। परन्तु इस डेढ साल के समय मे लोगो को इस सरकार ने नाउम्मीद ही हाथ लगी क्यो कि यह सरकार उनसे किया हुआ कोई भी वायदा पूरा नही कर सकी और न ही करने की आ ाा है। अध्यक्ष महोदय,, जैसे चौधरी बंसी लाल जी ने भाराब बन्दी का लोगो से वायदा किया था। भाराब तो इन्हेाने बंद की परन्तु वहा पूरी तरह से कामयाब नही हो सकी। इसी प्रकार से बी0जे0पी0 ने अलग से उस समय लोगो से चुंगी खत्म करने का वायदा किया था। कल जब यहा पर चर्चा हो रही थी बस परमिटो के रूट के बारे मे तो पता चला कि बस परमिटो के रूटस का बटवारा तो बी0जे0पी0 ने कर लिया परन्तु इन्होने हरियाणा मे चुगी खत्म करने का जो वायदा किया था उसको ये पूरा नही करवा पाए।

परिवरहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुर्जर): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, मेरे साथी ने रूट परमिटो के बारे मे कहा। कल भी मैने इसी सदन मे चौटाला साहब को इस बारे मे

बताया था और चौटाला साहब को मानना पडा था कि इनमे कोई अनियमितता, कोई भी गैर कानूनी काम नही किया गया। इन्होने कहा कि हमने बस परमिटो का बटवारा कर लिया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने कोई भी परमिट नही दिया है बल्कि सारे बस परमिट राजस्थान सरकार ने दिए है और उनके बदले मे हरियाणा रोडवेज की बसिज उनके इलाके मे चलेगी। चौधरी भजन लाल ने काग्रेस के लोगो को कितने बस परमिट या दूसरे फायदे दिए है उनका भी रिकार्ड मेरे पास है अगर आप कहेगे तो मै इस बारे मे सारे काग्रेस कार्यकर्ताओ की लिस्ट सदन मे बटवा सकता हू। साथ ही चौटाला की पार्टी के सम्बन्धियो का भी इस बारे मे रिकार्ड मेरे पास है उसको भी अगर आप कहे तो मै माननीय सदस्यो को बटवा सकता हू। मेरे पास इस बारे मे लिस्ट है। ये जो बेनामो से परमिट लेते है जबकि हमने कोई गुनाह नही किया। हमारे भाई और रि तेदार पहले से ही ट्रांसपोर्टर का काम करते है और उन्होने हरियाणा सरकार से कोई बस परमिट नही लिए है। अगर हरियाणा सरकार ने उनको परमिट दिए होते तो बात थी। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि इस सरकार ने भ्रश्टाचार को समाप्त किया है। ये भजनलाल की सरकार की बात कर रहे है जिसने हरियाणा की भूमि पर भ्रश्टाचार को पनपाया है। अध्यक्ष महोदय, हमने राजस्थान सरकार से परमिट लिए है और कानून के दायरे मे लिए है। भजन लाल जी ने तो कोडियो के भाव हुडा के प्लाटस अपने लोगो को दिए है जो कि हरियाणा की जनता की

खूनपसीने की कमाई के थे। हम आपको बताएगे कि कितने प्लाटस उन्होने दिए है।

श्री रण्दीप सिंह सूरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवदेन है कि .....

श्री अध्यक्षः मेरी परमि ान के बगैर जो कुछ सुरजेवाला जी कह रहे है उस रिकार्ड न किया जाए।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा था कि यह जो रूट परमिटो का बंटवारा हुआ है उसमे अगर चौधरी बसी लाल जी के भाई, रामबिलास के भाई, भाभी और परिवहन मंत्री जी रूपट परमिट ले सकते है तो बी0जे0पी.0 के भाईयो को दबाव डालकर चुगी माफी का काम भी करवाना चाहिए। क्योकि यह वायदा इन्होने अपने चुनाव घोशणा पत्र मे किया था। (विघ्न) जहां तक मंत्री जी ने प्लाट की बात कही है इस बारे मे हाउस मे मै बडे खुले तौर से कहता हू कि यदि जय सिंह राणा के नाम चौधरी भजन लाल जी ने कोई प्लाट दे रखा है तो इक्वायरी करवा ले और अगर मुझे कोई प्लाट दिया गया होगा तो मै कृश्ण पाल गुर्जर जी को दे दूंगा।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदार): कैप्टन अजंय सिंह ने मुझे कहा था कि भजन लाल ने उनको दो प्लाट दिए है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैने कभी यह बात नही कही (ाोर एवम विघ्न) प्लाट लिए थे लेकिन हाई कोर्ट के आर्डर से कैसिल हो गए।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाइए। मेरी सत्तापक्ष के माननीय सदस्यो से प्रार्थना है कि वे यहा प्लाट और माइंज का कोई नाम न ले और जय सिंह राणा को बोलने दे।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने कहा है कि राजस्थान सरकार ने परमिट दिए है तो जब ये मंत्री नही थे तब क्यो नही दिए, आज क्यो इन्हे राजस्थान सरकार परमिट दे रही है। यह मत्री पद का लाभ है। (ोम भोम)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

परिवहन मंत्री द्वारा

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः आन ए प्वायट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान सर, अभी जय सिंह राणा ने कहा है कि जब ये मंत्री नही थे तब परमिट क्यों नही मिला था तो मै बताना चाहता हू कि हरियाणा राज्य का समझौता 1968,1971,1975 और 1981 मे हुआ। 1968 के बाद जितने समझौते हुए सभी गैर कानूनी हुए, कोई समझौता नोटीफाई नही हुआ। 1996 मे जो समझौता हुआ है उस समझौता के तहत राजस्थान सरकार ने परमिट दिए है और एक नही सैकडो परमिट राजस्थान सरकार ने दिए है जिसने भी एप्लाई किया उसे मिला है। अभय चौटाला ने भी लिया है। सबने

राजस्थान से लिए है। (विघ्न) जो भी परमिट लिए है वे रिकार्ड मे है। जैसे राणा साहब ने बेईमानी से लिये है और अभय चौटाला ने लिये है। वैसे नही लिए।

श्री अध्यक्षः मेरा ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और दूसरे सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यो से बार बार निवेदन है कि वे माईन्स और बस परमिट का नाम लेकर जयं सिंह राणा जी को बोलने से रोकने की कोि ा ा न करे। (विघ्न)

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मेरा इस बात से कोई मतलब नही है कि इन्होने परमिट लिये है। मेरे कहने का मतलब तो यह है कि इन्होने जो परमिट लिए है वे मुख्यमंत्री जी पर दबाव डालकर लिए है तो फिर ये मुख्यमंत्री जी पर दबाव डालकर चुंगी को भी समाप्त करवाये। मेरा प्वायट वाली बात से कोई लेना देना नही है।(विघ्न)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अभी तक फेसला नही हुआ है, दबाव डालकर भी हो सकता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः गडबड दोनो मे है, राणा जी परमिट की बात छोडकर आगे चलें।

श्री जय सिह राणाः स्पीकर साहब, किसानो के हित की बात से इस सदन मे सत्ता पक्ष के सदस्यो ने और विपक्ष के

सदस्यो ने दोनो ने की है। जब कोई भी सदस्य किसानो के हित की बात कहने के लिये खडा होता है तो सत्ता पक्ष के लोग उसे किसानो का ठेकेदार बताते है। इसमे ठेकेदारी की क्या बात है। लोगो ने हमे चुनकर भेजा है, किसान की बात, मजदूर की बात, व्यापारियो की बात, दुकानदार की बात और दलितो की बात को कोई भी सदस्य कह सकता है। जैसे आज कृशि की बात की जाती है। कृशि के क्षेत्र मे दवाई और खाद के बिना फसल नही हो सकती है। कृशि मंत्री जी यहा बैठे हुए है, दवाई और खाद मे बहुत डुप्लीकेसी है। जो नकली दवाई और खाद आज बिक रही है उससे किसानो का बडा भारी नुकसान हो रहा है। इस बात की तरफ सरकार का कोई ध्यान नही है इस बारे मे कोई दुकानदार ही किसी दूसरे दुकानदार की ि ाकायत कर देता है परन्तु एग्रीक्लचर अधिकारी इस बात को देखने के लिये नही जाते, न ही कोई जांच करने के लिए जाता है क्यो कि आज डी0डी0ए0 कृशि इस्पैक्टर, एस0डी0ओ0 की बोलिया लगती है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। जय सिंह राणा जी तीसरी बात विधायक बन कर आये है। उन्हे हर बात को जिम्मेवारी से कहना चाहिए। कृशि के बारे मे इन्होने दवाई और खाद के बारे मे जिकर किया है। आज कृशि विभाग के हमारे अधिकारी सारे हरियाणा मे जिला ब्लाक व गांव स्तर पर जा जाकर चैकिग करते है कि नकली दवाईयो या नकली खात तो नही बिक रहा है और इस क्षेत्र मे समय पर कारवाई भी

करते है? फिर इन्होने कहा कि कमि ानर के पदो को डायरैक्टर के पदो की, व अधिकारियो के पदो की बोलिया लगाई जाती है ये यह कितनी गैर जिम्मेदाराना बात कह रहे है। आज चौधरी बंसी लाल जी के राज मे चाहे कृशि विभाग हो या कोई और विभाग हो, अगर नियुक्तियो मे या किसी और कार्य मे बोलिया लगती है तो आप हमे बताए? ये काग्रेस के भाासन काल की ऐसी बाते हमारे ऊपर थोप रहे है। हमारे भाासन काल मे ऐसे कामो नही हुआ करते है।

श्री अध्यक्षः मै सदन को बताना चाहता हू कि चौधरी धीरपाल जी मुझे मेरे चैम्बर मे मिले और इन्होने एक बहुत ही अच्छा सुझाव दिया कि हम विधायक को कम से कम दस मिनट बोलने का समय मिल जाना चाहिये ताकि वह अपने हल्के की बात कह सके। उनका यह सुझाव बहुत अच्छा है। मैने भी उनको कहा कि बिल्कुल ठीक बात आपने कही है। जहां तक समय की बात है 12 घंटे का समय नि ि चत किया गया था और कहा गया था कि हर एम0एल0ए0 को 8 मिनट बोलने के लिये मिलेगे। इस हिसाब से काग्रेस पार्टी 130 मिनट से भी ज्यादा समय के लिये बोल चुके है। अगर सयम को देखा जाए तो काग्रेस पार्टी का समय तो पूरा हो गया। फिर भी चाहे काग्रेस पार्टी हो या कोई दूसरी पार्टी हो या आजाद विधायक हो, मेरी इच्छा यह है कि सभी को बोलने के लिए दस दस मिनट अव य मिले जाने चाहिए। इस प्रकार से चौधरी भजन लाल जी सरकार की नीतियो पर पूरी तरह से

खुलकर 71 मिनट बोले और श्री औमप्रका ा चोटाला जी 115 मिनट बोले है। अगर आप इस कट्रोवर्सी मे पडेगे तो I will have to withdraw my words फिर तो आपका समय पूरा हो गया है। अगर आपको अपनी कास्टीच्यूएंसी की बात कहनी है तो आपका स्वागत है। Otherwise time proposed and agreed to has come to an end.

श्री जय नारायणः अध्यक्ष महोदय, मै अपने हल्के की ही बात करूंगा। हम तो आपके आदे ाो से इधर या उधर भी नही होते है। आपको आदे ाो की पूरे तौर पर पालना की जाएगी। मै अपने भाई कृशि मंत्री श्री दलाल जी की कोई बुराई करने नही जा रहा हू। इन्होने अधिकारियो को डिफैड करने की कोि ा ा की है। मेरा अनुरोध तो इनसे यह है कि जो बात मैने कही है उस तरफ भी ध्यान दिया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, जंहा तक कानून व्यवस्था और भ्रश्टाचार की बात है, वह भाायद आपको कडवी भी लगेगी। लेकिन यह बात ध्यान से सुनने की है। अगर इनके पास कोई उसका समाधान हो तो कर दे अन्यथा उस बात को सुन तो ले। मै बताना चाहता हू कि अमीन गांव जिला कुरूक्षेत्र मे पडता है और इसका थाना पिपली लगता है। यह दलितो पर हो रहे अत्याचार की बात है। माननीय गृहमंत्री महोदय भी इस समय सदन मे उपस्थित है मै इनको बताना चाहता हू कि एक दलित महिला के साथ खेत के अन्दर एक व्यक्ति ने बलात्कार किया। (घंटी)

वाक आउट

Shri Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir---------

--

Mr. Speaker: Surjewala Sahib, this is not Higr Cour. Please take your seat.

Shri Randeep Singh Surjewala: ----------

Mr. Speaker: You should not plead the case of other. What cver Mr. Surjewala has said, that should not be recorded.

श्री जय सिंह राणाः अगर आप दलितो पर हो रहे अत्याचार की बात भी नही सुनना चाहते है तो हम एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय इडियन ने ानल काग्रेस पार्टी के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य सदन मे वाक आउट कर गए।)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री रिसाल सिंह (मुलान, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिये मै आपका धन्यवाद करता हू। हाउस मे गवर्नर एड्रैस पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई है और उसमे बहुत से मुददे आए है। चाहे वह बिजली का मुददा है या एग्रीकल्चर का मुददा है उन पर चर्चा हुई और आरोप प्रत्यारोप एक दूसरे पर लगते रहे है। अब हाउस मे दो प्रकार की

पोजी ान है कि जैसे एक गिलास आधा पानी से भरा हुआ है और आधा खाली है रूंलिग पार्टी वाले कहेगे कि गिलास पूरा भरा हुआ नही है और अपोजी ान वाले कहेगे कि गिलास आधी खाली है। बात दोनो की सच है लेकिन कोई मानने के लिए तैयार नही है कि गिलास आधा खाली है या आधा भरा हुआ है इस तरह की पोजी ान हाउस मे है। मै ज्यादा डिटेल मे न जाते हुए अपने हल्के मुलाना के बारे मै 1–2 बाते करूगा। गवर्नर एड्रैस मे बताया गया है कि बिजली का उदारीकरण या सुधारीकरण जो हो रहा है इसका बहुत लाभ होगा लेकिन मेरे हल्के मे भी जैसा राम जी लाल ने बताया है, डिम लाईट रहती है। कल परसो मुझे किसी ने बताया था कि 33 के0वी0 के या 66 के0वी0 के सब स्टे ान लगाने जा रह है। मेरे हल्के मै एक सब स्टे ान स्थापित करने के लिये उस की बुनियाद 4 साल पहले रखी गई थी लेकिन उसके बार मे गवर्नर एड्रैस मे कही भी मैन ाल नही किया गया। आज प्रदे ा मे बिजली की मांगे बढ रही है और सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि आने वाल समय मे बहुत ज्यादा बिजली पैदा होगी। मेरे हल्के मुलाना, कुरूक्षेत्र अम्बाला और यमुनानगर का कही भी गवर्नर एड्रैस मे मैन ान नही है कि इन जिलो मे अतिरिक्त बिजली दी जाएगी। इसके साथ ही एक अहम मुददा मेरे हल्के मे यह है कि वहा सरकार की तरफ से डोप टयूबवैल लगाये हुए है वे सालो साल से चल रहे है। माईनर्ज के जरिए उनका पानी नहरो मे डाला जाता है। मेरे हल्के मे जो वाटर लैवल है वह 20 फुट से कम होते हुए 80 फुट तक पहुच गया है। अध्यक्ष

महोदय, आपने एक रिपोर्ट अखबारो मे पढी होगी वह बहुत सनसनीखेज रिपोर्ट है उस रिपोर्ट मे वि ोशज्ञो ने यह कहा है कि 20 साल के बाद हरियाणा प्रदेश की सारी जमीन बंजर हो जाएगी और यहां की सारी पैदावार खत्म हो जाएगी। उसका कारण यह बताया है कि एक तरफ तो हरियाणा मे डीप टयूबवैल्ज लगा कर पानी निकाल जा रहा है जिसके कारण वाटर लैवल नीचे जा रहा है और दूसरी तरफ हरियाणा को नहरो का 73 परसैट पानी दक्षिणी हरियाणा को दिया जा रहा है। जिसके कारण वहा की जमीन दलदल हो जाएगी और सारी जमीन बैरानी हो जाएगी। एक बात मै यह कहना चाहूगा कि इलैक ान होने के बाद जिस पार्टी की सरकार बनती है वह यही कहती है कि दादुपुरे नलवी नहर बनवा दी जाएगी। उस नहर को बनाने के बारे मे मौजूदा सरकार के मैनेाफैस्टो मे भी कहा हुआ है। जब 1967 मे भगवतदयाल भार्मा हरियाणा प्रदे ा मे चीफ मिनिस्टर थे उस समय उन्होने कहा था कि दादूपूर नलवी नहर को बनाएगे हर इलैक ान मे यह वायदा किया जाता है कि वह नहर बनाई जाएगी लेकिन उसका आज तक कही नामोनि ाान नही है। मै यह प्रार्थना करना चाहूगा कि मौजूदा सरकार उस नहर को बनाने की तरफ ध्यान दे ताकि उस एरिया के किसानो की परे ाानी दूर हो सके। हमारे एरिया का वाटर लैबल बहुत नीचे चला गया है यदि उस नहर को बनवा दिया जाता है तो वहा का वाटल लैबल ऊपर आ जाएगां मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार उसको टेकअप कर। इसके अलावा मै कहना चाहूगा कि मेरे हल्के मे सडको की बहुत खस्ता

हालत है। अध्यक्ष महोदय, मै एक दिन नरवाना गया था तो मैने देखा कि वहा की सडको की हालत मेरे क्षेत्र की सडको की हालत मे बुरी है। अध्यक्ष महोदय, मै एस0डी0एस0टी0 कमेटी का मैम्बर रहा हू। उस कमेटी का मैम्बर होने के नाते मुझे देखने मे आया है कि हरियाणा के सभी विभागो मे फोर्थ क्लास की पोस्ट से ले कर बडी पोस्टो मे एस0सीज0 की रिजर्वे ान का कोटा पूरा नही है। रिजर्व कैटगरी की जितनी पोस्टो खाली होती है उनको भरने की बजाय अगले साल के लिये कैरीफारवर्ड कर दिया जाता है जबकि उन पोस्टो को मियार के कंडीडेटस अवेलेबल होते है। चपरासी की पोस्ट के लिए क्या क्वालिफिके ान की मियार होती है फिर भी रिजर्व कैटेगरी की चपरासी की पोस्टे खाली पडी है। यह मै मानता हू कि कुछ पोस्टे ऐसी है जिनके लिये स्पै ाल क्वालिफिके ान की जरूरत है जैसे एम0बी0बी0एस0 के लिये हाई क्वालिफिके ान चाहिए लेकिन क्लर्क स्टोनोटाईपिस्ट असिन्टैन्ट और चपरासी की पोस्टो के लिये स्पै ाल क्वालिफिके ान की जरूरत नही है। फिर भी उनकी पोस्टो को नही भरा जाता है हर साल वे पोस्टे कैरीफारवर्ड होती रहती है। मै निवेदन करूंगा कि मौजूदा सरकार इस और ध्यान दे। इसके अलावा मेरे हल्के मे वाटर पोल्यू ान की खास समस्या है। हमारे इलाके काला अम्ब के अन्दर हिमाचल सरकार ने फैक्ट्रीज लगा रखी है उनका पानी बहुत ही प्रदुशित है। उन फैक्ट्रीज के प्रदुशित पानी के कारण मारकण्डा नदी से ले कर काला अम्ब से भााहबाद तक सारे आस पास के गावो का पानी प्रदुशित हो गया है मै भाई राजकुमार सैनी जी के

गांव छोटी रसोल गया था, मैने वहां पर देखा कि उस गांव के नलको का पानी काला था और वहां के टयूबवैल्ज मे भी काला पानी निकलता है। उस पानी को यदि प ा पीते है तो व बीमार हो जाते है। मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे और सरकार उसका कोई इलाज करे। वहां पर हिमाचाल सरकार की फैक्ट्रीज है । उनका हिमाचल प्रदे ा की बैनिफिट है तो उनके प्रदुशित पानी की बिमारी हमारे ऊपर क्यो डाली जाती है? इसके अलावा रामजी लाल जी ने एक बात नील गायो के बारे मे कही और चौधरी धीरपाल जी ने भी कही। मै भी कहता हू कि नील गायो की बहुत भारी समस्या है। राजस्थान सरकार ने नील गायो को मारने की इजाजत दे रखी है या उनको पकडने की इजाजत दे रखी है। वे नील गायो हमारी खेती को दिन रात तबाह करती है अगर उनको खेतो से निकाल जाता है तो वे मारने को आती है। नील गायो की बहुत ज्यादा बढौत्री हो रही है। हमार कल्चर ऐसा है कि उनको मारे की इजाजत नही दी जा सकती तो आप कम से कम जैसे आदमी की आबादी को कन्ट्रोल करने के लिए स्टर लाईजे ान कराया जाता है उसी तरह से उनका भी करा दिया जाए ताकि उनकी बढौत्री न हो। एक बात मै यह कहना चाहूगा कि सरकार ने पे कमी ान की रिपोर्ट आने से पहले अखबारो मे बहुत कुछ कहा गया कि पे कमी ान की रिपोर्ट जो सैन्टर की आयेगी उसको ज्यो का त्यो लागू कर देगे। रिपोर्ट आ गई लागू कर दी गई। मेरे कहने का मतलब यह है कि आज इस रिपोर्ट से सारे कर्मचारी नाराज है। उनके वेतन उनकी सेवा को

ध्यान मे रखकर निर्धारित नही किए जा रहे। पहले पुलिस विभाग मे 50 परसैन्ट पोस्टे प्रमो ान की रिर्जव होती थी, अब वे खत्म कर दी गई है। आज कांस्टेबलज की प्रमो ान करने की बजाय डायरेक्ट रिक्रूटमैंट करके पोस्टो भरी जा रही है। आज एक कास्ंटेबल 20–22 और 25–25 साल तक कांस्टेबल ही बना रहता है उसको प्रमो ान कां चांस नही मिल पाता। मै समझता हू कि वह हरिजनो के साथ बडा अन्याय है, इसे दूर किया जाना चाहिए। पिछली सरकार ने एच0सी0एस0 की स्पै ाल रिक्रूटमैंट के तहत 20 पोस्टे भरी लेकिन उनमे रिजव ैन के हिसाब से कोई नही भरी। उसमे रिजर्व कैटगेरी का कोई कैन्डीडेट नही था। केवल एक कैन्डीडेट की उस वक्त के एक मंत्री के रि ातेदार होने के कारण उसमे उसकी सिलेक ान हो पाई थी। अब भी सरकार 15 पोस्टे एच0सी0एसय0 की भरने जा रही है लेकिन लगता है कि सरकार इस बार भी स्पै ाल रिक्रूटमैंट मे कोई रिजर्वे ान का कोटा फिक्स नही करना चाहती मै चाहता हू कि डी0आर0ओ0 या तहसीलदार से जो एच0सी0एस0 की भर्ती किए जाते है उनमे रिजर्वे कैटगेरी का कोटा अव य रखा जाना चाहिए। पिछले 15–20 साल से इन पोस्टो मे से रिजर्वे कैटगरी का कोई कैन्डीडेट एच0सी0एस0 मे भर्ती नही किया गया।

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने पुलिस भर्ती के मामले मे हरिजनो को आयु, पढाई और छाती मे वि ोश छूट दी है जो कि किसी सरकार ने आज नही दी। (विघ्न)

श्री रिसाल सिंहः मै प्रमो ान मे रिजर्वे ान देने की बात कर रहा हू। मेरी सरकार से मांग है कि इनको इस तरफ ध्यान देना चाहिए। (विघ्न)

Mr. Speaker: He is speaking up to mark. New and old members should learn from him. (Interruptions)

Shri Rishal Singh: It should apply to each post and each grade separately as in the case of Central Government employees. But in Haryana no reservatio is given. I would request you that it should be considered.

अध्यक्ष महोदय, मै एक निवेदन और करना चाहता हू कि पिछली सरकार के वक्त मे प्रत्येक एम0एल0ए0 को अपने हल्के मे विकास करने के लिए 50–50 लाख रूपये दिये जाते थे लेकिन इस सरकार ने वे बन्द कर दिये है। जिस कारण हम न तो कोई नाली या गली पक्की करवा सकते है और न ही कुछ काम करवा सकते है। बाद मै इस सरकार ने भी कहा कि हरेक एम0एल0ए0 अपने हल्के मे 50–50 लाख रूपये का काम करवा सकेगा लेकिन आज 50 लाख रूपये के काम तो क्या 50 रूपये का भी कोई काम एम0एल0ए0 नही करवा सकता। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महेादय, हमारी सरकार ने कभी भी यह नही कहा है कि एम0एल0एज0 को 50–50 लाख रूपये विकास कार्यो के लिए दिए जाएगे। (विघ्न) यह फेसला पिछली सरकार ने किया था। हमारी सरकार तो वैसे ही करोडो रूपये के विकास कार्य प्रदे ा मे कर रही है इसलिए यह 50–50

लाख रूपये देने का मामला ही खत्म कर दिया था। (विघ्न एवम भाोर)

श्री रिसाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी दलाल साहब ने कहा है कि हमने ऐसा कोई फेसला नही किया है करोडो रूपये हमारी सरकार वैसी ही खर्च कर रहो है, इस बारे मै कहना चाहूगा कि देहात मे कुछ ज्यादा काम नही हो रहे है। इसके अलावा मै एक और बात कहना चाहूगा वह यह है कि आज से करीब 3 साल पहले पचायती राज का बहुत ढिढोरा पीटा गया था कि पचायंती राज आपका अपना राज होगा, पंचायती राज मे ंपंचो तक पावर पहुचेगी और लोग अपने फेसले खुद कर सकेगे और लोग अपनी तरक्की खुद कर सकेगे लेकिन आज तीन साल गुजरने के बाद भी इस बारे मे कुछ नही हुआ है। मै खुद जिला परिशद का चेयरमैन रहा हू। आज जिला परिशद को मात्र 55 हजार रूपये मिलते है। इस रा ि ा को वह अपने गावो मे कहा कहा इस्तेमाल कर सकती है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू कि जब इस प्रकार की संस्थाओ से लोगो को कोई लाभ नही है तो फिर इस प्रकार की संस्थाए बनाने का क्या फायदा है? यह केवल एक के ऊपर एक और बिठाने वाली बात है इसके अलावा कुछ नही है। जो चेयरमैन है उनको 3 हजार रूपये मिलते है और कुछ दूसरी सुविधाए भी उनको मिल जाती है परन्तु उससे पब्लिक को क्या फायदा है? मेरा सुझाव है कि जिला परिशदो को कुछ काम दि जा जाए, उनको कुछ पांवर दी जाए और उनको कुछ राइट दिए जांए। कुछ समय

पहले गोदारा साहब ने अपनी एक मीटिंग बुलाई थी तो हमे यह महसूस हुआ था कि हम अपने मन की बात वंहा पर गोदारा साहब से कह सकेगे क्योकि वे समझदार आदीमी है इसलिए इस बारे मे सोच विचार करके कोई सही फेसला कर पाएगे लेकिन वह मीटिग भी कैसिल हो गई थी। मै सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस बारे मै कोई प्रभावी कार्यवाही की जाए। स्पीकर साहब, इसके साथ ही मै अपने हल्के के बराडा कस्बे की और भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहूगा। यह कस्बा 30 हजार की आबादी वाला है और वर्श 1972 मे वहां पर एक डिस्पैसरी बनीथी जिसमे दो डाक्टर्ज तो जरूर है लेकिन उस डिस्पैसरी के लिए कोई बिल्डिंग नही है और वह डिस्पैसरी एक धर्म ाला के दो कमरो मे चल रही है। (घण्टी) 30 हजार की अबादी वाला कस्बा होते हुए भी वहा पर डिस्पैसरी की बिल्डिंग नही है। तीन साल पहले वहां पर डिस्पैसरी की बिल्डिंग के लिए नींव पत्थर रखा गया था। (विघ्न) वहां पर फाउडे ान स्ओन रखे हुए तीन साल हो गए है लेकिन अभी तक वहा पर कोई काम नही हुआ है। (घंटी) इसी प्रकार से बराडा मे सब्जी मण्डी का भी मामला है। उसका नींव पत्थर रखा गया था लेकिन कोई काम उस पर भी नही हुआ है। सब्जी मण्डी बाजार मे लगती है वहा पर बहुत भीड रहती है और लाघंने तक को जगह नही मिलती है और लोग तंग होते रहते है। गर्मी के दिनो मै किसान वहा पर सारा दिन धूप तपते है क्योकि वहां पर एक भी भौड नही लगा है, मै एग्रीकल्चर मिनिस्टर मे कहूगा कि वे इस

और ध्यान दे। इन भाब्दो के साथ मै आपका आभार व्यक्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हू। धन्यवाद।

श्री सूरज मल (राई): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। अध्यक्ष महोदय, कल से यंहा पर जो जो बाते हो रही है, मै उनको सुन रहा हू। सत्ता पक्ष के मंत्री कह रहे है कि हर हल्के मे सडको का काम पूरा हो रहा है, लोगो को बिजली ठीक मिल रही है और भाराब बंदी हो गई है। इस बारे मे सत्ता पक्ष के सदस्य गारन्टी दे रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै ज्यादा बहस से नही पडना चाहता हू लेकिन मै इनको आपके माध्यम से यह बताना चाहता हू कि मेरे हल्के मे न तो सडको की रिपेयर हुई है और न ही वंहा पर कोई सडक बनी है। कही पर कोई काम नही हुआ है। हां, एक बात जरूर है कि वहां जो रेत की खाने है, वहा पर बदमा ा बन्दूके लेकन खडे हुए है और वहां पर भाराब की पेटिया है। अगर आपको वि वास नही है तो आप मेरे हल्के राई मे आइए, मै आपको यह सब दिखा दूंगा। अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह जी कर रहे थे कि एक एक हल्के मे एक करोड का काम किया है। मै इनसे यह कहना चाहूगा कि आप वहां पर आकर मुझे 50 हजार रूपए का काम हुआ हो तो बता दे। ये सत्ता पक्ष मे है ये कह सकते है अगर ये गांव की पंचायत मे हो तो ये कुछ बोल ही नही सकते है। अध्यक्ष महोदय, मै बिल्कुल सच्ची बात कहता हू।

श्री अतर सिह सैनीः अध्यक्ष महोदय, जो माननीय मंत्री जी ने एक एक हल्के मे एक एक करोड रूपए की बात कही है उस बारे मै कहना चाहता हू कि इनके जितने भी पार्टी के मैम्बर यंहा पर है उनसे ज्यादा पैसा हमने मेहम ड्रैन पर खर्च किया हुआ है। मेहम ड्रैन पर लगभग 27 करोड रूपया खर्च किया है।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे यह कहना चाहता हू कि मै एक हल्के की बात नही कर रहा हू। मेरे हल्के राई मे ये चले और वहां पर दिखाए कि आपने वहां पर कितना पैसा खर्च किया है। अगर वंहा पर ये एक करोड रूपए का काम हुआ दिखा दैगे तो मै यहां पर दोबारा कभी नही आऊंगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सूरजमल जी को यह बताना चाहूगा कि इनके हल्के मे हम करोडो रूपये की होर्टिकल्चर की मंडी बना रहे है इसके साथ ही कुडली मे एच0एस0आई0 डी0सी0 की एक बहुत बडी सम्पदा बनाने जा रहे है।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को इतनी असत्या बात नही कहनी चाहिए। वहां पर आज तक कोई काम नही हुआ है। वहा पर न तो कोई मंडी है और न ही कोई काम हुआ है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमने वहा पर होर्टिकल्चर का काम भुरू कर दिया है और कुडली मे हम हजारो रूपए की सम्पदा बनाने जा रहे है।

Mr. Speaker: I woulld request the Agriuclutre Minister to tell to Chaudhry Suraj Mal, as to how much amount has been spent on these two projects and since when they have been spending this amount?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै जो बता रहा हू उसको ये मानने के लिए तैयार ही नही है। (विघ्न)

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब, मेरे गांव मुरथल मे गए थे और इन्होने वहां पर लोगो को वि वास दिलाया था कि मार्केटिंग कमेटी की जितनी भी सडके है मै उनको बनवा दूंगा और आप इनके ऐस्टीमेटस बनवाकर भिजवा दो। हमने तो ऐस्टीमैटस बनवाकर भिजवा दो। हमने तो ऐस्टीमेटस बनावकर भिजवा दिए, लेकिन क्या आज तक भी वहा कोई पैसा लगा है? अध्यक्ष महोदय, ये बाता दे कि वहां पर क्या कोई पैसा लगा है? वहा पर लाख दो लाख का भी कोई काम हुआ है क्या ?

श्री सतविन्द्र सिंह राणा (राजौद): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय, मुझसे पहले कई सदस्यो ने यहां पर बडे विस्तार मे अपनी बाते रखी। यहां पर बिजली की बाते भी हुई। बिजली के बारे मे काफी कुछ कहा गया। 1996 मे इस सरकार के बनने से पहले जो

लुभावने नारे दिए गए थे कि हम लोगो को 24 घंटे बिजली देगे और 24 घंटै, के अदंर अदंर कनैक ान देगे और पता नही कैसे कैसे नारे इन्होने उस समय दिये थे। अध्यक्ष महोदय, आज इस प्रदे ा मे और खासतौर से मेरे हल्के मे यह स्थिति है कि बीस बीस घटे बिजली गुल रहती है जबकि ये बिजली के सुधारीकरण की बात कर रहे है। इस बारे मे ये बिल भी पहले यहां पर लाए थे लेकिन जिस तरह से इन्होने वह बिल पास करवाया उसके बारे मे सभी सदस्य जानते है। अपोजी ान के सदस्यो को बाहर निकलवाकर इन्होने वह बिल पास करवाया था। आज हमने बिजली के सुधारीकरण की बात राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे भी पढा है। इसमे 2400 करोड रूपये वि व बैक से लोन मिलने की बात कही गयी है लेकिन आज पता लगा कि यह फिग्गर 2400 करोड रूपये की बजाय 240 करोड रूपये है। इससे प्रदर्ि ात होता है कि इस सरकार ने जो बिजली के मामले मे पहले लुभावने नारे लगाए थे, उनके बारे मे अब यह सरकार फेल हुई है। इसी तरह से इरीगे ान को बात है। इरीगे ान के एम0आई0टी0सी0 के खाले पक्के करवाने की बात थी, वहा भी इन्होने रदद कर दी है और नाबाडै का पैसा भी ज्यादातर भिवानी जिले मे लगाया है और दूसरो हल्को से ये भेदभाव कर रहे है। लोग इस सरकार से यह आ ाा लगाए बैठे थे कि यह सरकार कुछ काम करेगी क्योकि बंसी लाल जी ने कभी काग्रेस के राज मे काफी काम किया था।

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी कह रहे है कि नाबार्ड का पैसा केवल भिवानी जिले मे हो लगाया जा रहा है लेकिन मै इनको बताना चाहूगा कि भिवानी का इनको फोबिया हो गया है। नाबार्ड का पैसा सारे हरियाणा मे लगा है। डब्लयू0जे0सी0 के 33 माईनरो पर नये सिरे से काम भुरू किया गया है और यह माईनर्ज सारे हरियाणा मे है।

श्री सतविन्द्र सिह राणाः स्पीकर साहब, मंत्री जी यह बता दे कि भिवानी जिले मे कितना पैसा लगा है।

श्री अत्तर सिंह सैनीः बता देगे।

श्री सतविन्द्र सिह राणाः अभी बता दो। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से कृशि की बात है आज सारे प्रदे ा मे किसान त्राहि त्राहि कर रहे है क्योकि आज किसानो के ऊपर बहुत अत्याचार हो रहे है। चाहे आज किसानो के ऊपर परमात्मा की वजह से ओले पडे हो और चाहे ट्रासफार्मर बदलावने के लिए या बिजली की मांग करने पर उन पर गोलिया चली हो और चाहे मेरे जिले मे खासतौर पर मेरे हल्के मे उन किसानो के ऊपर यह कहकर कि उन्होने बिजली भी चोरी की है, उनके ऊपर हर्जाना लगाया और उन्होने भर दिया और हर्जाना भरने के बाद भी उन पर केस बने।

मुख्यमंत्री श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, एक आदमी चोरी कर ले और चोरी का माल बरामद हो जाए तो क्या उस पर मुकदमा करके सजा नही होगी?

श्री सतविन्द्र सिह राणाः एक किसान जो अपनी मोटर को गेंहू निकालने के लिए लगा देता है उसका कसूर सिर्फ यह है कि उसके लिए दर्खास्त देनी पडती है जिसका उन्हे पता नही है इस बारे मे आप उन्हे जानकारी दे।

श्री बसी लालः तो क्या यह कानून उन्हे बताने के लिए हम जाएगे। आप अपने हल्के मे लोगो को पढाओ कि यह कानून है।

श्री अध्यक्षः राणा जी, आप स्वंय ऐडवोकेट है आप उन्हे इस बारे मे बताए।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, या तो उन्हे यह कहे कि आपका मुकदमा वापस नही लिया जाएगा। डबल मार तो नही होनी चाहिए।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, आई0पी0सी0 के हर सैक ान मे यह है कि इतने दिन की सजा या इतना जुर्माना हो सकता है यह तो एक ही चीज है इसको डबल कौन कहेगा।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणाः स्पीकर साहब, मेरेा राजौद एरिया के आसपास के जो गांव है वह पैडी का एरिया है और वहां पर औलो व बारि ा की वजह से किसान की गेंहू की फसल की बिजाई नही हो पाई। मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि उन किसानो को 5 हजार रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दिया जाए। मेरा हलका राजौद जो काफी बडर कस्बा

भी है वहां पर आज तक पैडी खरीदने का कोई प्रवाधान नही है लोगो को वहा से 30 किलोमीटर दूर कैथल जाकर अपनी जोरी बेचनी पडती है। मै मुख्यमंत्री जी से यह भी निवदेन करूाग कि वहा पर ऐसा कोई तरीका बनाए या मडी बनाए ताकि वह पैडी वही बेची जा सके और किसान को परे ाानी न हो। इसके बाद पंचायत डिवैल्पमैट की जो बात है अभी माननीय मुख्यमंत्री जी कैथल गए थ और हमारे ब्लांक राजौद मे जो बी0डी0ओ0 है उसने उन सरपंचो को पैसा दिया, उन आदमियो को पैसा दिया। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः आप कौन से गांव के लिए मंडी का जिकर कर रहे है क्या वह मडी नही है?

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः मै राजौद का जिकर कर रहा हू और वहां मडी नही है।

खाध तथा पूर्ति मंत्री (श्री गणे ाी लाल): अध्यक्ष महोदय, हमारी इन्फर्मे ान के मुताबिक हरियाणा मे किसी भी किसान को अपनी फसल बेचने के लिए दस किलो मीटर से ज्यादा दूरी पर नही जाना पडता है। आपको यहा अगर ऐसा है तो आप मुझे पर्टिकुल प्लेस बता दीजिए।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः मै तो बता रहा हू राजौद मे मंडी नही है और वहां से कैथल 30 किलोमीटर को दूरी पर है। किसानो को बडी परे ाानी होती है। (घंटी) माननीय मंत्री जी ने बताया कि हम हर हल्के मे 1 करोड रूपया पंचायतो के विकास के

लिए लगा रहे है मै इन्ही से पूछना चाहता हू कि राजौद ब्लांक के अंदर कुछ पैसा अभी सैटंर गवर्नमैट से आया और वह पैसा मुख्यमंत्री जी की नौलेज मे भी है। मैने इस बारे मे मंत्री जी से ि ाकायत भी की थी कि वहा पर आफिसर्ज की मिलीभगत से उनको साठ गाठ से उन संरपचो और पचायतो को पैस दिये जिनके साथ उन आफिसर्ज को सांठ गांठ थी। उनमे पांच सात गांव तो ऐसे है जिनमे सता पक्ष की पार्टी के संरपच है उनको भी पैसे नही दिये गये? जहां बी0डी0ओ0 का जिस ब्लाक मे लेना देना था वही पर पैसे दिये गये। जहा तक सडको को बात है। (घंटी)

श्री अध्यक्षः आप ककल्यूड करे। आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः सडको का इतना बुरा हाल है इस बारे मे मैने कई बार प्र ाासन को लिखा भी, पी0डब्लयू0डी0 को भी लिखा। वे कह देते है कि इनते दिन मे काम भाुरू हो जायेगा लेकिन होता कुछ होती कुछ नही है। जंहा तक रोजगार की बात है। जो भी सरकार आती है वह एक ही बात का नारा हमारे नौजवानो को देती है कि अगर हम सत्ता मे आये तो सब नौजवानो को वि वास दिलाता है कि उनको नौकरियां देगे। इसी तरह से 1996 से हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी यही नारा नौजवानो को दिया था कि उनको गैग एजैसी, पैट्रौल पम्प और बस के परमिट दिए जायेगे। (घंटी) .....

श्री अध्यक्षः आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः मुझे बडा अफसोस है कि मै कोई देर से सुन रहा हू कि.....

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इस परमिट वाली बात को कार्यवाही से निकाल दिया जाये। हमने किसी को कोई परमिट नही दिये। ये तो वैसे ही कहानी घड रहे है।

श्री अध्यक्षः सतबिन्द्र राणा जी ने जो परमिट के बारे बात कही है वह कार्यवाही से निकाल दी जाये। मनीराम जी आप बोलिये।

श्री मनी राम (डबवाली, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, आज जो यह गवर्नर ऐड्रैस पर बहस हो रही है उसमे सत्ता पक्ष की उपलब्धियो के बारे मे विस्तार से वर्णन किया गया है। राज्यपाल महोदय ने जो गवर्नर ऐड्रैस सदन के सामने पढकर सुनाया वह गवर्नर साहब की मजबूरी थी। चौधरी बंसी लाल जी तीन चार बार मुख्यमंत्री बन चुके है सैद्धान्तिक आदमी हैं उनमे नैकितकता भी है। जो काम ये नही कर सकते थे उनके बारे मे भी बडे लम्बे चौडे वायदे करते आये है। जो काम भारत सरकार कर सकती है उसके बारे मे भी इन्हेाने लोगो के सामने वायदे किये है।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, इनके असली लीडर तो भजन लाल जी है। काग्रेस पार्टी और स0जी0पी0 दोनो लीडर वे

ही है और वे ही इनको सिखाकर गये है। चौटाला साहब तो इनके सब लिडर है। भजन लाल जी इनको यहा बात सिखाकर गये है कि ही बात की रट लगाते रहो कि वायदे पूरे नही हुये। ये बस अब भागने वाली है। जब मै कल पूरे किये गये वायदअध्यक्ष महोदय, इनके असली लीडर तो भजन लाल जी है। काग्रेस पार्टी और स0जी0पी0 दोनो लीडर वे ही है और वे ही इनको सिखाकर गये है। चौटाला साहब तो इनके सब लिडर है। भजन लाल जी इनको यहा बात सिखाकर गये है कि ही बात की रट लगाते रहो कि वायदे पूरे नही हुये। ये बस अब भागने वाली है। जब मै कल पूरे किये गये वायदे के बारे मे गिनाने लगूगा तो ये यहा पर बैठे नही रहेगे बल्कि वाक आउट करके जायेगे। मै अगर **(16.00 बजे)** एक एक वायदा गिनवाने लग जाऊगा तो आपको पता लगैगा।

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने सारी जिन्दगी मे कोई सीधा काम नही किया है। मै इनसे आपके माध्यम से पूछना चाहता हू कि जब ये 1986 मे प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे तब ये प्रदे ा के सरपचो वा पचो को बहला फुसला कर के ले गए थे कि चलो तुम्हे एस0वाई0एल0 नहर दिखाऊगा, हलुवा खिलाऊगा। (हंसी)

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 नहर का कार्य 95 प्रति ात मैने करवाया था जिसको चौधरी देवी लाल ने आकर के बंद कर दिया था।

श्री अध्यक्षः श्री मनी राम जी, क्या आप भी वहां पर नहर देखने के लिए गए थे ?

श्री मनी रामः मै वहा पर क्यो जाता? (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मै इनसे पूछना चाहता हू कि नहर हैड से बननी चाहिए थी या टेल से? लेकिन इन्होने ऐसे कांटे बो दिए है कि आने वाली सारी पीढियां इसका खामियाजा भुगतेगी जिसका कोई हल नही हो सकेगा।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, कांटे बोने का काम हमारा नही है, यह तो चौधरी देवी लाल व श्री औम प्रका ा चौटाला का काम है।

श्री मनी रामः चौधरी देवी लाल जी की वजह से ही आप आज यहां पर विराजमान है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै तो चौधरी देवी लाल की मुखालफत मे यहां पर उनकी छाती पर बैठा है। यहां मै उनकी मेहरबानी से नही बैठा हू। मै सदन को बताना चाहता हू कि चौधरी देवी लाल जी तो मुझसे नौकरी मांग कर ले गए थे। उन्होने मुझ से खादी ग्रामोधोग बोर्ड का चेयरमैन पद लिया था। यह रिकार्ड की बात है।

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने खादी ग्रामधोग बोर्ड के चेयरमैन पद को ठोकर मारी थी। (हंसी)

श्री अध्यक्षः मनी राम जी, जिस प्रकार से चौधरी रिसाल सिंह जी बोले है और किसी ने भी उनको बीच मे नही टोका। इसी प्रकार से आप भी अपने हल्के के बारे ही बोलिए। (ाोर)

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, पैट्रोल पम्प्स व गैस एजैसियां देने का वायदा भी किया गया था। जो चीज इनके अधिकार क्षेत्र मे न होकर भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र मे हो, उसके लिए ये वायदा करे तो बात जचती नही है। इन्होने एस0वाई0एल0 नहर के बारे कहा था कि उसको दो महीने के अंदर मुकम्मल करवा दूगां। भीमगौडा के बारे मे भी कहा था। हम तो वहा पर कभी गए नही। गंगा के पानी के बारे मे भी कहा था कि उसका पानी हरियाणा मे ला दूंगा। यह भी कहा थ कि कन्याकुमारी से बिजली ला दूंगा। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, अब ये बिजली का निजीकरण करने जा रहे है। इसके लिए वर्तमान सरकार के ही वजीर ने मुखाल्फत की थी। पता नही, आज उनमे इस मुददे पर चुप रहने की हिम्मत कहा से आ गई है? भाायद उनकी म ाीन ही बदल ही गई है। (ाोर)

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, जब राजस्थान से चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री बन सकते है तो कन्याकुमारी से बिजली क्यो नही आ सकती है? (हंसी)

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै प्वायट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हू। श्री मनी राम जी को बहुत जिम्मेदारी

से सदन मे बोलना चाहिएं सरकार 5 वर्श के लिए बनाई जाती है और अभी तो हमारी सरकार को बने हुए केवल 18 महीने ही हुए है। इनके समय मे क्या होता था कि चौधरी देवी लाल चुनाव लडने के लिए राजस्थान चले गए और वहां पर जाकर के कहा कि हम ने हरियाणा से बुजुर्गो के लिए 500 रूपए पै ान कर दी है। चूंकि राजस्थान मे ऊंट बहुत थे, इसलिए उन्होने कहा कि मै ऊंटो के लिए भी सौ सौ पैं ान कर दूंगा। इस प्रकार के काम तो इनकी पार्टी के है।

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, कल का तो छोकरा है। अगर कुछ कह दूंगा तो कहेगे कि ऐसी बात कह दी हैं। (हंसी) स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी ऐसे पहले व्यक्ति है जिन्होने बुढापा पै ान दी और किसानो को उनकी फसल खराब होने का मुआवजा दिया।

श्री बसी लालः बुढापा पैं ान सबसे पहले मैने 1969 मे 50 रूपये महीना दी थी।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी की यह वडिंग थी। आप चाहे उसका रिकार्ड निकलवा कर देख ले। इन्होने कहा था कि चौधरी देवी लाल बुढापा पैं ान कैसे दे देगे और वे किसानो का कर्जा माफ कर देगे लेकिन चौधरी देवी लाल बोले कि भाई मै लिख दूंगा कर्जा माफ और नीचे दस्तखख्त कर दूंगा देवीलालं । मै कहता हू कि अगली सरकार हमारी बन गई

तो किसानो को पानी बिजली मुफत नीचे दस्तखत होगे ओमप्रका ा चौटाला। आप देखते रह जाएंगे। स्पीकर साहब, चौधरी देवी बंसी लाल सारे उल्टे काम करते है। चौधरी बंसी लाल बजुर्ग आदमी है हम इनकी इज्जत करते है लेकिन बंसी लाल जी उल्टे काम करने की ऐसी ऐसी एग्जैम्पल कायम कर देते है जिसकी कही भी मिसाल नही मिलती। मै आपका बताना चाहूगा कि आप वल्ड मे कही पर जाकर देख ले और हमारे भारतवर्श मे कही पर जाकर देख ले जो विपक्ष का नेता होता है उसको सरकारी गाडी मिलती है लेकिन इस सरकार ने हमारे विपक्ष के नेता श्री ओमप्रका ा चौटाला की गाडी खोंस ली है। यह बात नही है कि आपने उनसे सरकारी गाडी खोस ली तो चौटाला साहब अपने घर मे बैठ जाएगे। प्रदे ा के लोगो ने उनको हजारो गाडिया दी है। उनको जो सरकारी गाडी दी हुई थी क्या वह ज्यादा चलती थी। स्पीकर साहब, चौटाला साहब को इस सरकार मे बैठे लोगो की जांच पडताल करनी पडती है कि वह क्या क्या काम कर रहे है इसलिए वह गाडी ज्यादा चलेगी। इस सरकार ने उनसे सरकार गाडी खोसने का गलत काम किया है। (घंटी) स्पीकर साहब, मुझे दो मिनट का समय और दे दे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, इनके पास इनके अपने हल्के के बारे मे कोई सुझाव हो तो वह हमे बताए। वे सवेरे से वैसे ही फिजूल की बातो मे लगे हुए है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी मनीराम जी आप बैठिए। अब आपका समय हो गया है। (ाोर)

श्री भागी राम (एलनाबाद, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्री अध्यक्षः भागी राम जी, चौधरी धीरपाल के सामने यह फेसला हुआ था कि आपको बोलने के लिए 10 मिनट का समय दिया जाएगा इसलिए आप 10 मिनट बोल ले।

श्री भागी रामः ठीक है जी, अध्यक्ष महोदय, इस हाउस मे राज्यपाल महोदय ने अभिभाशण दिया। उनके हाथ मे हरियाणा सरकार के अधिकारियो द्वारा लिखी हुए एक किताब दे दी गई और राज्यपाल महोदय को वह किताब पढने के लिए मजबूर किया गया। अध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण मे जरिए हरियाणा सरकार की उपलब्धियो का जिकर किया गया है। हरियाणा मे चौधरी बंसी लाल की सरकार बनने के बाद पिछले सै ान से आज तक जो डिवैल्पमैट के काम किए गए है, उनको द ार्या गयसा है। अध्यक्ष महोदय, जहा तक बिजली की बात है मेरे से पूर्व हमारी पार्टी के नेता ओमप्रका ा चौटाला, धीरपाल और बहुत से दूसरे साथियो ने तफसील से चर्चा की है। आज हरियाणा का हर वर्ग चाहे वह किसान है, मजदूर है, माली है चाहे कर्मचारी है बिजली की बात को लेकर बहुत दुखी है। नायायज बिलो की बहुत ज्यादा कर्मचारी

है बिजली की बात को लेकर बहुत दुखी है। नायायज बिलो की बहुत ज्यादा भरमार है। खर्च इतना कम होते हुए भी बिल बहुत ज्यादा आ रहे है। अध्यक्ष महोदय, भाायद मुख्यमंत्री जी ने यह कहा था कि यदि कोई आदमी बिजली की चोरी करेगा तो उस पर केस बनेगा। इस बारे मे मै कहना चाहता हू कि बिजली बोर्ड वाले लोगो से जा कर कहते है कि आपके बिजली के मीटर का भाी ाा टूटा हुआ है आपने इस पर यह पेचकस लगी रखा है और आपने इसके ऊपर तार लगाई हुआ है आपने इस पर यह पेचकस लगा रखा है और अपने इलको ऊपर तार लगाई हुई इसलिए आपके ऊपर दो हजार रूपये जुर्माना किया जाता है। अगर आप जुर्माना नही भरोगे तो आपके खिलाफ केस रजिस्टर कराया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली बोर्ड वालो ने जिन लोगो पर जुर्माना लगाया था उनको जुर्माना भरे हुए दो दो और तीन तीन महीने हो गए फिर भी उनके खिलाफ केस रजिस्टर किए गए है। मुख्यमंत्री जी इस बात की इन्कवायरी कराएं। उन लोगो ने कोर्ट मे जा कर अपनी जमानते कराई है। सिरसा जिले मे एक ममेरा गांव है उस गांव के एक आदमी की चक्की के बिजली का बिल 93 हजार रूपये आया है। वह चक्की का मालिक सरकार को दुहाई देता है कि आप मेरे चक्की ले लो, जगह ले लो और मेरा पीछा छोडो। अध्यक्ष महोदय, आप भी भाायद अन्दर से इस बात को सही मान रहे है। अध्यक्ष महोदय, आज प्रदे ा मे जो बिजली की हालत है वह आपसे छिपी हुई नही है। बिजली के मामले मे सारे प्रदे ा के लोग परे ाान है। अध्यक्ष महोदय, अब मै कृशि के बारे मे अपने

विचार प्रकट करना चाहूगा। वैसे तो सारे हरियाणा प्रदे ा की हालत कुछ एरियाज को छोड कर बहुत खराब है। हरियाणा प्रदे ा के कुछ एरिया को छोड कर कही पर भी गेंहू की बिजाई नही हुई है चाहे वह अधिक बरसात की वजह से नही हुई, चाहे वह खेतो मे पानी खडा रहने के कारण नही हुई और चाहे उसकी पानी न मिलने के कारण बिजाई नही हुई। इसके अलावा सिरसा जिले के 15–20 गांव ऐसे है जिनमे सेम आ गई है। एलनाबाद हल्के मे धोपला और धोलवालिया गावो के लोग गांव छोडने के लिए मजबूर हो गए है। तो फिर बेचारे गरीब हरिजनो की क्या हालत हो रही होगी यह आप समझते होगे? अध्यक्ष महोदय, जब से यह सरकार बनी है तब से ले कर आज तक जैसे चौधरी मनी राम जी ने कहा था, जितने काम किए है वे सारे उल्टे काम किये है। अगर मै उन उल्टे कामो के बारे मे कुछ कहूंगा तो फिर आप घंटी बजा देगे और कह देगे कि आप बैठ जाए आपका टाईम हो गया। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय और इस सरकार के बनने के बाद मेरे हल्के मे जो काम भ्ारू किए गए उनके बरारे मे मै आपको बताना चाहूगा। अध्यक्ष महोदय, 1989 मे ऐलनाबाद के अन्दर एक 132 के0वी0 सब स्टे ान स्थापित करने के लिए आधारि ाला रखी गई थी लेकिन आज तक उस पर कोई पैसा खर्च नही किया गया है। मुझे पता लगा है कि सरकार उसे कैसिंल करने जा रही है। एक दिन मेरा बिजली बोर्ड के चेयरमैन के साथ बात हुई थी तो उन्होने मुझ से कहा था कि उस सब स्टे ान के लिए वह जगह सूटेबल नही है इसलिए उसको कैसिंल

करेगे। अध्यक्ष महोदय, वहा पर बिजली का सब स्टे ान स्थापित करने के लिए पत्थर रखा गया अब उसको कैसिंल करने जा रहे है।

श्री अध्यक्षः उसके लिए पत्थर कौन से साल मे रखा गया था।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, उस समय हमारी सरकार थी उसने वहां पर 132 के0वी0 का सब स्टे ान स्थापित करने के लिए मजूंरी दी थी उसके बाद चौधरी भजन लाल जी पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे, वे पत्थर हो गए, उसके बाद आप आए, भी उन्ही की तरह से पत्थर हो जाओगे। अध्यक्ष महोदय, एलनाबाद पी0डब्लयू0डी0 रैस्ट हाउस का काम भ्रारू हो गया था, उसकी चार दीवारी बन चुकी थी, टैडर काल हो चुके थे। हमारी सरकार के समय मे जंहा पर उसका काम छोडा गया था। आज सात साल हो गए, इन सात सालो मे उसका काम वही पर रूका हुआ है। उसकी सात साल पहले जो हालत थी उसी हालत मे पडा है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से ऐलनाबाद मे सीवरेज का काम भ्रारू किया गया था, वह भी रोक दिया गया।

श्री कर्ण सिंह दलालः भागी राम जी आप बताएगे कि यह पी0डब्लयू0डी0 रैस्ट हाउस बनाने की भ्रारूआत 5 साल पहले हुई थी तो पिछले 5 सालो मे आपके चचेर भाईयो का राज रहा, उस वक्त यह काम क्यो नही करवाया?

श्री भागी रामः हम तो उन 5 सालो मे भी कहते रहे है कि इसे बनाओ लेकिन उन्होने नही बनाया। उन्होने काम नही किये, चल गए। यदि आप भी काम नही करैगे तो आप भी चले जाएगे।

लोक निर्माण मंत्री श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहूगा कि चौधरी भागी राम जी मुझे बहुत बार बडे प्यार से मिलते रहते है लेकिन इन्होने कभी भी इस बात का जिकर नही किया।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, अब ये असत्य बात कर रहे है। (विघ्न) मैने इनसे इस बारे मे कम से कम 10 बार जिकर किया। ये कहने लगे कि यह मेरे बस की बात नही है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, ये कायदे कानून को तो मानते नही। इनहेाने वहां पर जबरदस्ती पी0डब्लयू0डी0 रैस्ट हाउस बनाना भुरू करवा दिया होगा और इेटे डलवा दी होगी। जबकि सरकार की तरफ से वहा पर कुछ भी कार्यवाही नही हुई।

श्री अध्यक्षः ये तो कह रहे है कि इसका टेन्डर भी हो गया था।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, वहा पर चारदीवारी भी बन गई थी और जिस व्यक्ति को जमीन एक्वायर की गई थी

उसको मुआवजा भी मिल गया था और उसके लिए इसका टैण्डर भी हो चुका था।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, कल सुबह मै सदन के अन्दर इस बारे मे सारे तथ्य पे ा कर दूगा।

श्री अध्यक्षः भागी राम जी, आप बैठिये। आपका समय हो चुका है।

श्री भागी रामः मै दो मिनट मे खत्म कर दूंगा। मै ज्यादा समय नही लूगां मै मुख्यमंत्री महोदय से एक बात कहना चाहता हू कि जब पीछे विधान सभा के चुनाव हुए तो ये औटू पुल से गुजरे थे। उस पुल की हालत को देखकर इनकी आंखो से आंसू आ गए थे । अब डेढ साल का समय गुजर चुका है। मै जानता चाहूगा कि क्या इनकी आंखो से आंसू अब भी है और क्या उस पुल का निर्माण करवायेगे ?

श्री बंसी लालः उस पुल को देख कर मुझ आंसू तो नही आये थे लेकिन उस पुल की अजीब हालत देखकर मै हैरान जरूर हो गया था। मै इनसे जानना चाहूगा कि उस औटॅू लेक की जमीन पर मिटटी डाल कर वंहा पर किसने फसल लगाई है। यह भी ये बता दे। इन लोगो का तो जमीनो पर और प्लाटो पर कब्जा करने का काम करता है। इन्होने तो औटू झील को भी नही बख्शा। इसी प्रकार से मै जानना चाहूगा कि ऐलनाबाद मे 100–200 एकड सरकारी जमीन पर कब्जा किसने किया हुआ है?

श्री अध्यक्षः भागी राम जी आप बैठिये।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, आज इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल रहे है। मै भी हरिजन हू। आज के दिन हरिजनो की हालत बहुत खराब है। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि नथूवाला गांव मे एक गुरूदेव बाल्मीकि है। उसके साथ वहां पर ज्यादती हुई जिसके विरोध मे सिरसा के अन्दर 1000 बाल्मीकियो ने 9 तारीख को जुलुस निकाला। उसके बाद पर्चा दर्ज किया गया लेकिन आज तक कोई गिरफतारी नही हुई।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यदि उस पर कोई कार्यवाही नही हुई है तो वह कार्यवाही करवायेगे और पता लगाएगे कि क्यों नही कार्यवाही हुई। अब ये यह भी बता दे कि इनके समय मे लाम्बी गांव मे हरिजनो के साथ और इनके साथ क्या हुआ था?

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ क्या हुआ, वह भी मै यहां पर बता देता हू। मेरे साथी जो चौधरी बंसी लाल जी की कैबिनेट के बजीर है उनके साथ क्या हुआ था, उसका सारा किस्सा अखबार मे छपा है, वह भी मै यंहा पर बता देता हू। उस मंत्री ने अखबार मे ब्यान दिया था, कि मै अपने घर मे सोया हुआ था और रात के समय मे पडौस मे कुछ रौला सा मचा। मेरे भाई का घर भी साईड मे है। मै और मेरा लडका छत पर गए। छत पर

जा कर हमने देखा कि पुलिस मेरे भाई को घसीट कर ले जा रही है। उसके बाद उसको थाने मे ले जा कर उससे 700 बोरी पोस्त बरामद होने का केस बना दियां। वजीर महोदय बडी परे ाानी मे थे, उनके भाई के खिलाफ केस दर्ज हो गया और उनके गनमैन के खिलाफ भी केस दर्ज हो गयां (विघ्न) इनका ब्यान था कि हरिजन होने के नाते ये केस बनाए गए है।(विघ्न) हरिजन होने के नाते वजीर के भाई पर मुकदमा चौधरी बसी लाल जी के राज मे बना है। हरिजन होने के नाते उन पर ज्यादती हुई है। अगर ज्यादती नही हुई तो क्या हुआ? अगर यह केस झूठा दर्ज किया गया है तो इस केस को वापिस लिया जाना चाहिए। (विघ्न एवम भाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, भागी राम जी से मै यह कहूगा कि चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने हरिजनो के साथ जो किया था वह भी इनको याद है या नही। (विघ्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

खेल राज्य मंत्री द्वारा

खेल राज्य मंत्री (श्री राम सरूप रामा): अध्यक्ष महोदय, चौधरी भागी राम जी ने जो बात कही है वह तथ्यो पर आधारित नही है। मुझे इस बारे मे कुछ भी मालूम नही है। मै इस बात की सच्चाई को मानने के लिए तैयार नही हू और न ही मैने यह कहा था कि मेरे भाई को घसीटा गया न ही मैने कोई किसी की

सिफारि ा की थी। जंहा तक भुक्कीवालो बात का संबध है इस बारे मे मुझे यह कहना है कि वह मेरे घर से डेढ दो किलोमीटर दूर की बात है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि मै किसी की सिफारि ा नही करता। चाहे कोई मंत्री हो या मंत्री का भाई हो, हरियाणा मे चौधरी बंसी लाल की सरकार है और यहा पर जो गैर कानूनी काम करेगा उन पर कानूनी कार्यवाही होगी चाहे वह कोई भी हो।(विघ्न एवम भाोर)

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा था और इनका ब्यान अखबारो मे छपा था।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी भागी राम जी से कहूगा कि लाम्बी गांव मे जो घटना हुई थी उसका जिकर कर दे। (विघ्न एवम भाोर)

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के वक्त मे किसी ने भी हरिजनो की जमीनो पर कभी कब्जा नही किया। चौधरी देवी लाल ऐसा नेता रहे है। जिसकी वजह से सिरसा जिले के अन्दर हरिजनो के पास आपनी जमीन है और वे उन जमीनो के मालिक है। चौधरी मनी राम जी, उनके गांव के है इसलिए उनको भी पता है अध्यक्ष महोदय.....

श्री अध्यक्षः ''तेरा तरह से'' वाली जो बात कही गई है उसको रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावत (बेरी): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै आपका धन्यवाद करता हू कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय, मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के खिलाफ बोलते हुए बिजली की आपूर्ति के बारे मे कहूगा। इस प्रस्ताव मे कहा गया है कि पिछले साल बिजली की आपूर्ति के बारे मे रही है। अगर ऐसी बात है तो किसान पर क्यों गोलिया चलाई थी? अध्यक्ष महोदय, मेरे पास सरकार का जवाब है और इस जवाब मे सरकार ने खुद माना है कि विभिन्न महममे 99 करोड रूपए के डिफाल्टर है। सरकार के विभिन्न महकमो के अगैस्ट 99 करोड रूपए के बिजली के बिल पैडिग है। प्राईवेट महकमो के अगैस्ट 381 करोड रूपए के बिल पैन्डिग है और किसानो के 90 करोड रूपये के पैन्डिग है मै यह पूछना चाहता हू कि 90 करोड के पैन्डिग बिलो के लिए किसानो पर गोलिया क्यो चलाई गई? अध्यक्ष महोदय, 12 तारीख को कनीना के पास कुछ लोग जले हुए ट्रासफार्मर को बदलने की मांग को लेकन एस0डी0ओ0 के पास गए तो एस0डी0ओ0 ने कहा कि जब तक पेडिंग बिल नही भरेगे तब तक मै ट्रासफार्मर नही बदलूगा। क्या यह सरकार बिल भरने वालो के लिए है या बिल न भरने वालो के लिए है। जिन लौगो के अपने बिल भरेगे तब तक तुम्हारे को भी ट्रांसफार्मर नही देगे। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ साथ मै सिचाई की भी बात कंरूगा।

वन राज्य मंत्री (श्री जगदी ा यादव): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है सर, मै आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि इनकी यह बात बिल्कुल असत्य है। मैने इस बारे मे पता किया थां। वहा पर ट्रांसफार्मर बदले जा चुके है और अब कोई भी ट्रांसफार्मर ठिक नही है।

डा0 वीरेन्द्र सिंह अहलावतः लेनिक अखबार मे इस बारे मे आया था।

श्री जदगी ा यादवः हां, अखबार मे जरूर आया था।

डा0 वीरेन्द्र सिह अहलावतः लेनिक उस आफिसर की मना करने की हिम्म्त कैसे हो गयी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज प्रदे ा मे सरकार नाम की कोई चीज ही नही है। मेरे पास उस अखबार की कंटिग है।

श्री जगदी ा यादवः अध्यक्ष महोदय, यह स्अेटमैंट गलत हैं।

डा0 वीरेन्द्र सिह अहलावतः अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने चुनाव से पहले यमुना जल समझते, एस0वाई0एल0 के बनाने और गंगा के पानी को हरियाणा मे लाने की बात कही थी लेकिन अगर आज इन तीनो बातो के बारे मे जब सरकार से पूछा जाता है तो इनको तकलीफ होती है सरकार आज एक बात का जरूर क्लेम करती है और वह है आगरा कैनाल का एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल। इस बारे मे यहां पर पहले भी चर्चा हो चुकी है कि अगर

इस बारे मे इस प्रदे ा का उत्तर प्रदे ा के साथ कोई झगडा रहा है तेा वह ताजेवाला हैड वर्क्स के नियत्रण के बारे मे रहा है अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने चैनल्ज ओर डिस्ट्रीब्यूटरीज की गाद निकालने का काम तो किया है जबकि वहां के चैनल की गाद निकालने की जिम्मेदारी यू0पी0 सरकार की बनती थी क्योकि उसका आबियाना यू0पी0 सरकार लेता है। परन्तु जब यह सरकार ही यह काम करेगी तो इस ढंग से तो यू0पी0 की सारी नहरो की सफाई भी ये करवा दे। इनको कौन रोकता है? लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस तरह से इस प्रकार से हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड किया है।

सिचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे साथी वीरेन्द्र जी ने बहुत अच्छी बात कही, लेकिन इनको इस बारे मे सही जानकारी नही है। भाायद इन्होने भी भजन लाल जी की नकल की तर्ज पर अपनी बात रखीं। जहां तक आगरा कैनाल के कंट्रोल की बात है। अगर वह किसान उत्तर प्रदे ा के है और अगर हमारी सरकार उनके लिए सिचाई की व्यवस्था करे तब तो गलत बात है। यह हम भी मानते है लेकिन वे हरियाणा के वासी है हरियाणा के किसान है और सरकार की जिम्मेदारी है कि उनके खेत के लिए पानी उपलब्ध करवाए। अगर उनको पानी मिलेगा तो इससे हरियाणा के किसान ही खु ाहाल होगे। जहां तक आबियान की बात है। हरियाणा के किसान आठ साल के उत्तर प्रदे ा की सरकार को कोई आबियान नही देते है

और न ही वहा की सरकार ने उनसे कोई आबियान लिया है। अध्यक्ष महोदय, उन चैनल की गाद के बारे मे उत्तर प्रदे ा की सरकार के साथ एक समझौता हुआ था। पहले वहा पौपुलर गवर्नमैट नही थी लेकिन जब बाद मे वहां सरकार आयी तो ऐसी सरकार आयी जिसकी कोई विचारधारा नही थी। इसी विचारधारा की पार्टी से अब आपने भी समझौता किया है। उनकी कोई राजनैतिक सोच नही थी। उनकी सोच केवल इतनी ही थी कि कैसे समाज को जाति के आधार पर बांट दिया जाए। लेनिक सर, अब वहां एक अच्छी सोच वाली बी0जे0पी0 की सरकार आयी है अब जैसे ही किसान के हित की यह बात हमने उठानी चाही तो इलैक ान कमी ान की आचार सहिता लागू हो गयी वरना आगरा कैनाल के कंट्रोल का मामला उनके साथ हमने टेकअप कर लिया होता । यह तो रही आगरा कैनाल की बात लेकिन की बात लेकिन जहां तक गंगा नहर के पानी की बात है।

डा0 वीरेन्द्र सिंह अहलावतः मंत्री जी हमने जो इस बारे मे चर्चा ही नही की है। आपको इस बारे मे बात करना भी अच्छी नही लगता।

श्री धीरपाल सिंहः मंत्री महोदय यह आपके अधिकार से बाहर की बात है मुख्यमंत्री जी ने पीछे रिप्लाई दिया था कि वह पानीनही मिला। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः आगर कैनाल के बारे मे जितना काम बंसी लाल जी ने किया है उससे वहा के लोग संतुश्ट है आपके हल्के की सिचाई की कोई समस्या है तो आप बताए ?

श्री अध्यक्षः डा0 वीरेन्द्र पाल जी, आपकी 5 मिनट का समय और दिया जाती है।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, आप कहे तो मै बैठ जाता हू। आपकी परमी ान से बोलने के लिए खडे हुए है आप कहेगे तो बोलेगे। अध्यक्ष महोदय, मै बता देना चाहता हू कि जैसे आबियाना का पैसा 8–9 साल से किसी को नही दे रहे, इस ढंग से हमारे किसान भी बिल नही दे रहे उनका भी माफ ही समझा जाए। दूसरी बात यह है कि सरकार इस बात मे असफल रही है कोई भी आबियाना नही दे रहा है उसको भी माफ नही करा रहे। उसकी भी चर्चा कर लेते। बात तो हैड वर्क्स के नियत्रण की थी जिसके नजदीक भी नही गए। रही मेरे अपने हल्के की बात तो उसके बारे मे मै यह बताना चाहता हू कि सिचाई के मामले मे हमारी जो जे0एल0एन0 कैनाल हे उसके साथ ही साथ डिच ड्रैन खोदी गई है बाकरा गांव के पास उसकी बुर्जी न0 230 के साथ लगती हुई जो पुलिया बेरी कलानौर की है ंवहां जो मोगा है वह इसलिए बंद पडा है क्यो कि वहा न तो कोई पाइप लगाई गई है न पुलियां बनाई गई है। वहां लोगो के लिए अब गेहू मे पानी देने के लिए कोई व्यवस्था नही है जबकि उसमे दो गावो बेरी ओर बाकरा की जमीन लगती हैं वहा के लोग कई बार दफतरो मे जा

जा कर प्रार्थना कर चुके है लेनिक उसको आज तक नही खोला गया है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, वीरेन्द्र पाल जी इससे पूर्व इस तरह की कोई जानकारी हमारे समझ नही लाए। आज इस बात को बता रहे है, हम इसे चैक करा लेगे।

डा0 वीरेन्द्र पाह अहलावतः दूसरी, उस गांव के लोगो को एक मेन समस्या है वह यह है कि जंहा से उस गांव की सीमा भाुरू होती है वहा समाप्त होने के बाद फिर डिच ड्रैन खोदी गई है लेकिन पूरी नही खोदी गई है। उसकी पूरी खुदाई करवाने का कश्ट करे। इसके अलावा जहां तक बाढ की बात है। आप लोग इस बारे मे बडे ऊंचे क्लेम कर रहे है कि हमारी सरकार ने बाढ नियत्रण करने के लिए बहुत उपलब्धिया हासिल की है। लेकिन मै इस बारे मे कहना चाहूगा कि मेरे हल्के मे 15—20 गांव जैसे सेरिया, गोच्छी, डीघल, धाधलान, लकडिया, मदाना, कंला, चिमनपुर, दुजाना, बेरी, बागपुर, वजीरपुर, धाड, जहाजगढ, एम0पी0 माजरा, खातीवास, पहाडीपुर, विसाग और अछेज ये ऐसे गांव है जिनमे मामुली सी बरसात होने के कारण पिछली फसल भी बर्बाद हो गई और आज वहा पर कोई फसल नही खडी है। बाढ का पानी कई जगह आज भी खडा हुआ है। मैने पिछले सत्र के दौरान भी इस बारे मे चर्चा की थी कि वहां बाढ का पानी खडा है और उस पानी की निकासी के बारे मे कदम उठाये जाये लेकिन आज तक इस बारे मे कोई कदम नही उठाये गये है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब वह पानी बाढ का है या सेम का है?

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः यह बरसात का पानी है। आप माने या न माने इस बात का मेरे पास कोई हल नही है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, मेरे, आपके और सतापाल सांगवान जी के इलाके मे सेम का पानी आज भी कुछ गावो मे खडा है।

डा0 वीरन्द्र पाह अहलावतः गोच्छी, सेरिया और दुआना गांव मे तो अध्यक्ष महोदय, कई सालो से फसल नही हुई है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरे साथी वीरेन्द्रपाल के हल्के की बात है इन गावो को हम चैक करा लेंगे। लेकिन इसके लिए एक परे ाानी और है कि इनके हल्के मे से जो नहर की डिस्ट्रीब्यट्री निकलती है वहां पर लोगो की मनोवृत्ति यह है कि वे उस से आगे के किसानो का हिस्से का पानी भी खुद ले लेते है। जिसके कारण मामूली सी बरसात होते ही वहां पर सेम का पानी भर जाता है। इसलिये वहां पानी की परे ाानी हो जाती है।

डा0 वीरन्द्र सिंह अहलावतः मैने यह बात आपके नोटिस मे ला दी है और मेरे कहने से आप अपनी मनोवृत्ति बनाकर इस काम को कर दे। एक बात मै आपको और कहना चाहता हू कि जब रोहतक जिले मे बाढ आइ तो कृशि मंत्री जी रोहतक गये थे

और उन्होने किसानो को कहा था कि जंहा फसल खराब हुई है हम उसका 400 रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा देगे। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री देवे गोडा जी ने किसानो को डी0ए0पी0 खाद पर सबसिडी दी थी जिससे 490 रूपये कीमत वाला डी0ए0पी0 खाद 390 रूपये मे किसानो को सबसिडी पर देना था, लेकिन हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने उस खाद की कीमत को 455 रूपये कर दिया। अगर 3900 रूपये डी0ए0पी0 खाद सबसिडी पर दे दिया जाता तो किसानो को कम से कम कट्टा खाद का सबसिडी पर दे दिया जाता तो किसानो को कम से कम एक कट्टा खाद का और ज्यादा मिल सकता था या एक कट्टे के पैसे बच सकते थे। इससे किसान ने जो खर्चा बिजाई पर किया था जुताई पर, सिचाई पर खाद बीज पर किया था उसकी भरपाई तो नही हो सकती थी, लेकिन किसान को कुछ राहत तो मिल ही सकती थी। इस बात की भी स्पश्ट करने का कश्ट करे। (घंटी) राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के बाद के बारे मे चर्चा की गई है हम बाढ की रोक थाम के लिये एक मास्टर प्लान बनाने जा रहे है। वर्तमन सरकार के आने के 20 महीने बाद मास्टर प्लान बाढ के बारे मे बन रही है वह मास्टर प्लान कब बन पायेगी और कब बाढ राहत के लिये कार्य किये जायेगे। क्या अब तक जो बाढ राहत के लिये कार्य किये जायेगे। क्या हब तक जो बाढ राहत के लिए कार्य किये गये है वे सब अन प्लाण्ड मे किये गये है और उनकी कोई प्लानिग नही की गई। सरकार इस बात का जवाब देने का कश्ट करे। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मै अपने हल्के की एक

छोटी सी बात कहकर कंक्लूड करूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे बेरी हल्के के अन्दर कम से कम 25 केन क्र ार है जहां पर गन्ने का अम्बार लगा हुआ है। इस हल्के से रोहतक भ्ागर मिल मे गन्ना सप्लाई किया जाता है। बेरी मे भ्ागर मिल होने की वाएबिलिटी है, इस बारे मे सरकार पता कर सकती है इसलिये मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना यह है कि वहा पर एक भ्ागर मिल की स्थापना करने की कृपा करे। (ाोर)

श्री सोमवीर सिंह (लोहारू): अध्यक्ष महोदय, मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने के लिए खडा हुआ हू। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे सरकार की नीतिया का जिकर किया है। जैसे सिचाई के विभाग के बारे मे कहा गया है कि जहां पर भी नहरे ओर माईनर्ज है उनकी सफाई करवाकर के टेल एण्ड तक पानी पंहुचाया गया है। पीने के पानी का प्रबन्ध किया गया है। पैं ान के बारे मे जंहा तक जिकर किया गया मै बताना चाहता हू कि चौधरी भजन लाल और चौधरी ओमप्रका ा चौटाला के समय मे पैं ान 6––6,8––8 महीने मिलती ही नही थी। लेकिन वर्तमान सरकार ने हर महीने की 7 तारीख को बुढापा विधवा तथा विकलांग पै ान देने का कार्य किया है। सबसे बडी बात तो यह है कि जो चोकीदार गांव मे होते है जिनकी कोई तनख्वाह ही नही होती थी तथा उसके लिए चन्दा या चूल्हा टैक्स वगैरहा इकट्ठा किया जाता था, उन के लिये हमारी सरकार ने 400 रूपये प्रतिमाह तनख्वाह निर्धारित की है। ि ाक्षा के क्षेत्र मे

भी वि ोश उपलब्धि हुई है। जे0बी0टी0 व दूसरे अध्यापको की कमी थी जिस को हम ने 89 दिन के आधार पर भर्ती कर के पूरा कर दिया है। इसके अलावा, एक सबसे बडी बात जिसका राणा साहब ने भी जिकर किया है, वह नौकरियो के बारे मे थी। चुनाव के दौरान सभी वायदा करते है कि हम नौजवानो को नौकरिया देगे। हमने भी ऐसा कहा है लेकिन हम ने यह कभी नही कहा कि हम सभी को नौकरिया दे देगे। हां, हम ने यह जरूर कहा था कि हम नौकरियो मे रि वतखोरी व भ्रश्टाचार नही चलने देगे। स्थिति सभी के सामने बिल्कुल स्पश्ट है कि इस सरकार को बने हुए डेढ साल हो गया है और किसी भी सत्ता पक्ष या विपक्ष के साथी ने अभी तक यह बात नही कही है कि मैरिट की वजह से उनका कोई आदमी नियुक्तियो मे इग्नोर किया गया हो। क्योकि हमारी सरकार के समय मे नौकरियो मे कोई भी हेरा फेरी नही होती है। पहले क्या होता था कि रि वत के आधार पर नौकरियो दी जाती थी और दो तीन साल तक नौकरी मे आने के बाद भी हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के आदे ाानुसार उनको नौकरी से हटा दिया जाता था। अभी ए0एस0आई0 पद के लिए फिजीकल टैस्ट हुआ था जिसके लिये किसी ने भी ऐतराज नही किया है कि उस टैस्ट मे कोई हेराफेरी हुई है। अध्यक्ष महोदय, मै बिजली के बारे मे भी कहना चाहता हू क्योकि मेरा क्षेत्र भी बिजली पर निर्भर करता है। वहां पर ज्यादातर टयूबवैल्ज है, जहां किसान संघर्श समिति का झगडा हुआ था अब जिस प्रकार से कैप्टन साहब ने बताया हम वैसे बात नही करते है। इन्होने तो अखबार मे कही नाम पढ लिया

होगा और उस बात नही करते है। इन्होने तो अखबार मे कही नाम पढ लिया होगा और उस बात को कहा होगा। लेकिन मै तो एक एक गांव एक एक गली को जानता हू तथा बिल्कुल सही स्थिति बता सकता हू। बिजली के कनैक ान देने के बारे मै बताना चाहता हू। (विघ्न) वह बात भी आएगी। (विघ्न) मै लोहारू हल्के मे रहता हू। (विघ्न) जिस तरह से आपने माईनर्ज की बात की हैं। 1986–87 मे एक साल के लिए बंसी लाल की सरकार आई थी उस समय हमारी कांस्टीच्यूएंसी के अन्दर माईनर्ज बनाने की कुछ स्कीमे बनाई गई थी। सरकार बदली और ओमप्रका ा चौटाला की सरकार आई, देवीलाल को सरकार आई, हिन्दुस्तान के अन्दर और हरियाणा के अन्दर भी। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) जिन माईनर्ज की हमने भाुरूआत की वे वही की वही पडी रही और हमारे आने के बाद हमने दोबारा से उन माईनर्ज का काम भाुरू किया है लेकिन इनकी सरकार ने कभी उन कागजो को खोलकर भी नही देखा और कहा फर्टिया माईनर नही बन सकती। फर्टिया के लोग लोहारू हल्के के और हरियाणा के बाि ान्दे है। आपको इस बात की तकलीफ क्यों हो रही है जैसे चौधरी भागी राम ने अपने हल्के की बात की थी कि उनकी पार्टी की सरकार ने उनके हल्के मे एक रैस्ट हाऊस बनाने का 1989 मे पत्थर रखा था आपकी सरकार 3 साल रही लेकिन आपने कुछ नही किया। दूसरी कोई सरकार कुछ करती है तो आपको तकलीफ होती है। हमने चुनावो मे पब्लिक से वायदे किये थे कि हम बिजली के कनैक ान देगे बिजली को सप्लाई देगे। यह ठीक है कि आज उतनी बात

पूरी नही हुई है हम डेढ साल पहले जो बिजली बोर्ड की हालत मिली थी वह आज आपके सामने है और हरियाणा की जनता भी अच्छी तरह से जानती है। 1987 मे बंसी लाल ही थी जो सारे टयूबवैल के कनैक ान देकर गए थे और पानीपत के थर्मल प्लांट को ठीक करवा कर गए थे। बाद मे आपकी सरकार आई उसने थोडे समय के लिये बिजली जरूर दी लेकिन 1987 मे देवीलाल जी के समय मे जितने कनैक ान दिए जाने चाहिए थे वे सारे पैडिंग पडे है। आज हमारी सरकार ने इतने थोडे समय मे बिजली बोर्ड के ऊपर इतना कर्जा होते हुए भी हमने हरियाणा के अन्दर थर्मल प्लांट भ्रारू करवाया। (घंटी) (ाोर एवम व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः विपक्ष को जितना समय सुबह से दिया गया है। उतना समय सत्ता पक्ष को भी मिलना चाहिए। (ाोर) आपके खडे होने से कोई फायदा नही है मेरे सामने घंडा है। इनको बोलते हुए अभी 5 मिनट हुए है और ये अभी 5 मिनट और बोलेंगे। उन्होने आपकी बात सुनी है। अब आप उनकी बात सुनिए। (ाोर)

श्री सोमबीर सिंहः अभिभाशण के अन्दर इस बात की चर्चा हुई है और हरियाणा की पब्लिक अच्छी तरह से जानती है कि हमने पैसे की समस्या होते हुए भी हरियाणा के अन्दर करीब 1180 मैगावाट के थर्मल प्लांट भ्रारू किए है। पिछले 8––9 सालो मे काग्रेस की सरकार रही, चौटाला की सरकार रही, उन्होने बिजली का उत्पादन करने का कोई भी नया यूनिट भ्रारू नही

किया जहां तक ऐजीटे ान की बात है उसके ऊपर मै जिकर कंरूगा लोहारू सतनाली का एरिया मे मेरी कांस्टीच्यूएंसी के अन्दर लगता है। विपक्ष के सभी लोग बोले कि किन किन हालात मे क्या क्या हुआ आप सुनने का थोडा सब्र करे। ऐज्रीटे ान कहा से हुआ था, यह जो ऐजीटे ान किसान सघर्श समिति के नाम से चल रहा था। मेरे से पहले बोलने वाले भाई नृपेन्द्र सिंह ने बताया था कि आपकी पार्टी का बाढडा से चुनाव के समय जो उम्मीदवार था उस भाई को चुनाव मे कामयाबी ने मिलने की वजह से इनकी अपनी पार्टी के कुछेक साथियो ने बाढडा के अन्दर लोगो को भडकाने की कोि ा ा की और कादंमा के अन्दर लोगो को इन्होने भडकाने की कोि ा ा की लेकिन ये वहा के लोगो को भडकाने मे कामयाब नही हुए। राम बिलास भार्मा जी ने बताया कि इन्होने महेन्द्रगढ कांस्टीच्यूएंसी मे जगह जगह जा जा कर लोगो को भडकाने की कोि ा ा की, लेकिन ये वहा पर कामयाब नही हुए। इसके अलावा मै यह भी बताना चाहूगा कि श्री ओमप्रका ा चौटाला को पार्टी के कार्यकर्ता जो इनके औफिस वीरयर है मै उनका नाम यहां पर नही लूंगा अगर मै उनका नाम यहां पर लूगा तो ये कहेगे कि वह सदन का सदस्य नही है इसलिये उसका नाम न लिया जाए। वह डालनवास का ऐक्स सरंपच है और एक दो आदमी सुरैती के है जो इनकी पार्टी के वर्कर है उनका अखबारो मे भी बार बार नाम आता है वे भाराब का धंधा करते है जिनके ऊपर 5––5 और 7––7 मुकदमे बने हुए है। एक आदमी सतनाली साइड का जो अपने आपको संघर्श समिति का प्रधान भाो करता है

यदि उसके नाम जमीन नही है तो वह टयूबवैल के कनैक ान के लिए कैसे कह सकता है जमीन नही है तो टयूबवैल का मतलब ही नही है। उसका तो केवल एक ही मकसद थ और वह यह था कि सतनाली के अन्दर उस समय जो एस0एच0ओ0 तैनात था उसने भाराब के बारे मे बहुत ज्यादा सख्ती कर रखी थी। जो सुरैती के आदमी थे उनका नाम जो मै नही लूंगा उनको पुलिस ने बुरी तरह से पीटा और उन पर कई मुकदमे बनाए गए। उन्होने सतनाली के अन्दर उस एस0एच0ओ0 के खिलाफ एजीटे ान करने की कोि ा ा की लेकिन उसमे वह कामयाब नही हुए। बाद मे कादंमा के अन्दर ऐजीटे ान करने की स्कीम बनाई उसमे भी वे कामयाब नही हुए।

श्री राम पाल माजराः हमारी पार्टी का कोई कार्यकर्ता नही था।

श्री सोमबीर सिंहः वह आपकी पार्टी का औफिस बीयरर है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप तीन आदमी इकट्ठे बोल रहे है इसलिये आपकी बात किसी को समझ मे नही आ रही है। इस तरह से आप सदन का समय क्यों जाया कर रहे है।

श्री सोमबीर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, जंहा तक चुनाव से संबधित बात है मेरे से पहले चौटाला साहब ने विधान सभा के चुनावो के बारे मे जिकर किया था। हमने चुनावो के दौरान यह

वायदा नही किया था कि हम किसानो के बिजली के बिल माफ करेगे। हमने किसी भी पब्लिक मीटिग मे यह बात नही कही। खुद चौधरी देवी लाल जी ने वंहा बाढडा के अन्दर मौके पर जाकर और कांग्रेस पार्टी के कुछेक उम्मीदवार जो कि ऐक्स मंत्री भी रहे है ने वहां पर जा कर प्रचार किया कि हम आपके बिजली के बिल माफ करैगे यह करेगे वह करेगे। (ाोर)

श्री अ ाोक कुमारः आप यह कैसे कह रहे है कि आपने यह वायदा नही किया। वहां पर चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि हम वहां पर चौथी स्लैब प्रणाली लागू करैगे। (ाोर)

श्री सोमबीर सिहः हमने बिजली के बिल माफ करने का कोई वायदा नही किया था जैसे मै कह रहा था कि खुद चौधरी देवी लाल जी वहां पर गए। (ाोर)

श्री अ ाोक कुमारः डिप्टी स्पीकर साहब, ये उनका नाम नही ले सकते क्योकि वे सदन के सदस्य नही है। (ाोर)

श्री सोमबीर सिंहः ठीक है आप उनका नाम कार्यवाही से निकाल दे लेकिन हिन्दुस्तान के ऐक्स उप प्रधान मंत्री ने वहां पर जा कर लोगो को बिजली के बिल ने देने के बारे मे भडकाया। काग्रेस पार्टी के ऐक्स मिनिस्टर ने वहां पर जा कर लोगो को भडकाया। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः डिप्टी स्पीकर साहब,..... ...(ाोर)

श्री उपाध्यक्षः अजय सिंह जी कुछ कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री सोमबीर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, कांग्रेस पार्टी के लोगो ने और ओमप्रका ा चौटाला की पार्टी के लोगो ने वहां पर लोगो को भडकाया और लोगो को कहा कि आप बिजली के बिल मत दे। जहां पर लोगो ने ऐजीटे ान किया और वहां पर जो लोग धरने पर बैठे हुए थे सवा महीने तक उन लोगो को सरकार ने कुछ नही कहा। उन लोगो ने रेल की पटरी को उखाडा, रेलो को रोका तो उस समय वहा पर रेलवे पुलिस गई और उसके साथ हरियाणा पुलिस गई तो उन पर लोगो ने कुल्हाडियो से वार किया और दूसरी हथियारो से वार किया। फिर पुलिस ने पहले आंसू गैस छोडी उसके बाद रबड की गोलिया चलाई। पुलिस का कोई भी भाई है अगर उसको आप मारते है तो उसक समय उसकी चौधरी बंसी लाल या हिन्दुस्तान सरकार का कानून दिखाई नही देता। सबसे पहले वह अपनी जान बचाएगा। इन लोगो ने अपने (17.00 बजे) मतलब के लिये वहा पर लोगो को भडकाया। (विघ्न एवम भाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से विपश्र के साथियो से अनुरोध करता हू कि वे सदन मे व्यवस्था कायम रखें जब हमारा एक सदस्य कोई बात कहने के लिये खडा हो जाता है तो कई और सदस्य इनकी तरफ से बोलने लग जाते है। (विघ्न एवम भाोर)

श्री सोमबीर सिहः वहा पर चौटाला साहब की पार्टी के कार्यकर्ता थे। (विघ्न एवम भाोर)

श्री धीरपाल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विधायक साथी सोमवीर जी सीधा आरोप लगाया है कि वहां पर हमारी पार्टी के कार्यकर्ता थे। मै कहना चाहता हूं कि यदि सरकार को किसी भूल के कारण वहां पर गालियां चलानी पड़ी तो उसका आरोप इनको हमारे ऊपर नही लगाना चाहिए। हम लोग तो भान्ति चाहते है और आगे भी हमारे यही कोि ा ा होगी कि राज्य में भाति बनी रहे है। इन्होने जो गलतियां की है उनका खामियाजा इनको भुगतना पड़ेगा। (ाोर एवं विघ्न)

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः स्पीकर साहब,.....
....

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, ...
.....

श्री उपाध्यक्षः ये जो मेरी परमि ान के बर्गर बोल रहे है, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री सोमबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी का लोहारू के अन्दर जलसा था। जहां चौधरी बंसी लाल जी का जलसा चल रहा था वहा से करीब 2 किलोमीटर की दूरी पर कोढा ढाणी मे 8 लाख रूपये की हरियाणा रोडवेज की एक नई

बस इनके लोगो ने जला दी। जिन लोगो ने बस जलाई उन पर मुकद्दमे चल रहे है और वे लोग जो इनकी पार्टी से ताल्लुक रखते है उनका उसमे हाथ रहा है। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि जो ऐजीटे ान चल रहा था उसका नेतृत्व वे लोग कर रहे थे जो कि चौटाला साहब की पार्टी के वर्कर्ज है उनका उनके साथ ताल्लुक है। पिछली दफा जो आदमी वहां से एम0एल0ए0 की सीट के लिये खडा हुआ था वह इनकी पार्टी से ताल्लुक रखता है उस ने वहां के लोगो को भडकाया उपाध्यक्ष महोदय ये लोग यह नही चाहते कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर भाान्ति से काम चले जो काम बिजली के इस समय स्टेट के अन्दर चल रहे है जब वे काम पूरे हो जाएगे तो इनको डर है कि ये लोग क्या कह कर लोगो से वोट मांगने जाएगे। आने वाले चुनाव मे इन लोगो को जुते लगेगे ये लोग आने वाले चुनाव की बात करते है। इनको पता लग जाएगा कि लोहारू के अन्दर लोग इन को घुसनें नही देगे। (विघ्न एवम भाोर) उपाध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ मै अपनी बात को समाप्त करता हू तथा मुझे बोलने के लिये आपने जो समय दिया उसके लिये मै आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हू।

(इस समय कई माननीय सदस्य बोलने के लिये खडे हो गए।)

श्री उपाध्यक्षः आप सभी लोगो अपनी अपनी सीटो पर बैठे। (विघ्न एवम भाोर)

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है (विघ्न) एक मिनट आप मरेी बात सुने तो ले। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः डा0 साहब, आप अपनी सीट पर बैठे। (विघ्न) प्वायंट आफ आर्डर की यहां पर कोई बात नही है इसलिये आप अभी अपनी सीट पर बैठिये (विघ्न) अब श्री नरेन्द्र जी बोलेगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके एक बात कहना चाहूगा। (विघ्न) आप मेरी बात सुन लीजिए। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे ट्रैजरी बैचिज के जो विधायक है उनमे से अभी तक केवल एक विधायक श्री सोमवीर सिंह जी बोले है और हमारी पार्टी के दूसरे विधायक भी बोलना चाहते है। हमारे विधायक श्री जगदी ा नथ्यर जी भी बोलना चाह रहे है इसलिये मेरी आप से गुजारि ा है कि नरेन्द्र भार्मा के बाद आप बोलने का मौका दीजिए।

श्री नरेन्द्र भार्मा (पुण्डरी): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करूगा कि आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया। अभी पिछले दो दिनो से हमारे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा चल रही है। हमारे सत्ता पक्ष और हमारे विपक्ष के माननीय सदस्यो ने बोलते हुए यहा पर सदन मे अपनी विचारधारा को पे ा किया है उपाध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेताओ ने बोलते हुए कई बाते कही है। चाहे वे चौधरी

औमप्रका ा चौटाला जी है और चाहे चौधरी भजन लाल जी है उन्होने बोलते हुए हरियाणा की समृद्धि की कोई बात नही कही और न ही उन्होने हरियाणा की तरक्की की ही कोई बात बताई है। न ही उन्होने बोलते हुए ऐसा कोई सुझाव दिया जिससे हरियाणा की तरक्की और विकास की कोई बात हो सकती हो और न ही उन्होने कोई जनता के हित की बात ही कही। हमारे सम्मानित विपक्ष के नेता चौधरी ओमप्रका ा जी ने बोलते हुए सबसे पहला अटैक हमारे माननीय अध्यक्ष महोदय के ऊपर ही किया और उन्होने अपने भाशण की भुरूआत ही इस बात से की जब आप इस दुनिया से जाओगे तो आपको हम क्या कहेगे। (विघ्न एवम भाोर) उपाध्यक्ष महेादय, अपने पूरे भाशण मे इन्हेाने हरियाणा की जनता के हित की एक बात नही कही बल्कि हमारे अध्यक्ष महोदय के खिलाफ ही इन्होने काफी कुछ कहा। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आप सब लोगो की अहसास होना चाहिए कि नए मैम्बर्ज बोल रहे है उनका आप सबको बोलने का मौका देना चाहिए। आपको बार बार इन्टरवीन नही करना चाहिए।

श्री धीरपाल सिंहः ठीक है सर , हम इन्टरबीन नही करेगे।

श्री नरेन्द्र भार्माः बिजली की कमी रही है यह हम मानते है। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने आ वासन दिया है कि हरियाणा सरकार हरियाणा मे 24 घंटे बिजली देगी और जो

फालतू बिजली होगी उसको हम दूसरी स्टेटस को बेचेगे। उपाध्यक्ष महोदय, जब से हरियापणा प्रान्त बना है तब से लेकर हमारी सरकार बनने से पहले नहरो की टेल पर किसी सरकार द्वारा पानी नही पहुंचाया गया। चौधरी बसी लाल जी की सरकार के आने के बाद आज हरियाणा मे टेल तक पानी पहुचा है।

श्री जसविन्द्र सिह सिधु: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मेरी और इनकी कांस्टीच्यूएंसी साथ साथ है। वहां पर जो नरवाना ब्रांच हैं उस पर बडे बडे आगमैटे ान टयूबवैल्ज लगाकर दूसरी जगहो पर पानी भेजा जाता है। ये यंहा पर बताए कि क्या वहां का पानी दूसरी जगहो पर देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, वहां के पानी का लैवल काफी नीचे चला गया है। इस बारे मे ये बता दे।

श्री नरेन्द्र भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे मे तो मंत्री जी ही बताएगे। ये तो यह बताए कि टेलो पर पानी पहुंचा है या नही पहुंचा है। मैने तो यह बात कही थी। (विघ्न) इसके अलावा मै यहां पर यह बताना चाहता हू कि आज हरियाणा मे जमीदारो के लिये बडी खु ाी की बात है क्योकि हमारी हरियाणा मे गन्ने का रेट सभी स्टेट्स से ज्यादा दिया जा रहा है। हमारे जमीदार दूसरी स्टेटस मे जाकर यह कह सकते है कि हमे सभी स्टेट्स से ज्यादा गन्ने का रेट मिलता है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी यह कहना भूल गए कि हरियाणा मे गन्ने की पैमेट एक हफ्ते मे

दे दी गई है। पिछली सरकार के वक्त मे गन्ने की पैमेन्ट डेढ साल तक भी नही दी जाती थी।

श्री जय सिंह राणाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। गन्ने की बात जो विधायक साथी कर रहे है इस सरकार ने किसानो पर कोई अहसान नही किया है। बल्कि इन्होने दो रूपये रेट बढा कर किसानो के साथ मजाक किया है। आज प्राईवेट मिले अच्छे गन्ने का रेट 87 रूपये दे रही है जबकि इनकी सरकार 82 रूपये देती है। इनके रेट मे और प्राईवेट मिलो के रेट मे पांच रूपये का फर्क है जो कि भार्म की बात है।

श्री विजेन्द्र सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, मै इनकी जानकारी के लिये बताना चाहता हू कि हमारी सरकार ने जो गन्ने का रेट दिया है वह रेट आज से पहले किसी सरकार ने नही दिया है।

श्री नरेन्द्र भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी हरियाणा की जो गन्ने की मिले है वह भारत मे सबसे ज्यादा गन्ने का रेट दे रही है। हम यह बात मानते है कि भ्रुरू मे कुछ प्रोब्लम आई थी लेकिन वह प्रोब्लम इसलिये आई थी क्यो कि जमीदारो का काफी पैसा जो पिछली सरकार के वक्त का था, देना था, वह हमने दिया। लेनिक आज हम जमीदार को मिल पर ही चैक काटकर दे देते है जो कि आज से पहले किसी भी सरकार ने नही दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, भाराबबन्दी के बारे मे भी यहां पर बात आयीं।

(विघ्न) हमारे ये भाई कहते है कि हरियाणा के अन्दर भाराबबन्दी फेल है अगर वाकई यहा पर भाराबबन्दी फेल है तो ये एक बूंद भाराब पोकर दिखाए यहा भाराब बेचकर दिखाएं इनको पता चल जाएगा हरियाणा के अन्दर आज भाराबबंदी बिल्कुल कामयाब है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष महोदयः नरेन्द्र जी, अब आप बैठे। अब कादयान साहब बोलेगे। (विघ्न)

श्री विजेन्द्र सिह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने का मौका दिया। सदन के सभी सम्मनित सदस्यो के भाराबबन्दी के बारे मे कहा। नरेन्द्र जी ने भी अपनी मुझसे पहले बोलते हुए भारबबन्दी के बारे मे कहा। उपाध्यक्ष महोदय, जिन घरो मे भाराबबदी होने से पहले लोग भाराब पीते थे आज भारबाबन्दी के बाद उन घरो की महिलांए बंसीलाल जी को पूजती है और कहती है कि बंसी लाल तुम जियो हजारो साल। इसलिये आप भी उनकी इस बात पर गौर फरमांए। आपको भाराबबन्दी के बारे मे गलत बयानी करते हुए भार्म आनी चाहिए क्योकि इनती अच्छी स्कीम को भी आप लोग खत्म करना चाहते है। यही बात कल आपके नेता ने भी मानी लेकिन आज फिर आप इसको बढावा देने की बात कर रहे है। (विघ्न) इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के बनने से पहले भजनलाल की सरकार ने और चौटाला की सरकार ने एक भी यूनिट बिजली पैदा करने का प्रबन्ध

नही किया। लेकिन अब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने 410 मेगावाट का एक गैस बैस्ड पावर प्लांट फरीदाबाद मे लगवाने का काम किया है जो कि अपने आप मे एक उदाहरण है। इससे पहले आज तक कभी भी इस तरह का सैंटर का प्रोजैक्ट हरियाणा मे नही लगा है। यह एक रिकार्ड की बात है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरी भाराबबन्दी की बात अधूरी ही रह गयी थी। भाराबबन्दी के बारे मै आपके सामने एक उदाहरण देता हू जिससे साफ जाहिर है कि इनकी पार्टी के कार्यकर्ता और इनको पार्टी के स्पोर्टर इस काम को कर रहे है। चुनाव मे मेरे मुकाबले मे जिन उम्मीदवार ने इनकी पार्टी के चुनाव लडा था उनके संगे भाई ने दारू बेची।

श्री अ ोक कुमारः सर मेरा प्वायट आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने कहा कि हमारी पार्टी के लोग भाराब बेचते है। मै आपके द्वारा इनको यह बताना चाहूगा कि हमारे करूक्षेत्र के अन्दर एक एस0पी0 श्री रण्धीर भार्मा ने जब वहां पर ..... भूतपूर्व डिप्टी स्पीकर के साल से भाराब पकडी और उनके खिलाफ केस दर्ज किया तो उस एस0पी0 का तो वहा से यमुनानगर तबादला के अन्दर भी उनको मत्री का दर्जा दे दिया। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, जब यमुनानगर के अन्दर भी उस ईमानदारी एस0पी0 के एक मंत्री के लडके से भाराब पकडी तो उसको फिर इस सरकारने खुडडेलाईन लगा दियां जबकि अब ये भाराबबन्दी की बात करते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। जो आदमी अपने आप को इस सदन मे डिफैस नही कर सकता उसका नाम कार्यवाही मे नही आना चाहिए। इसलिये जो नाम इन्होने लिया है वह कार्यवाही मे निकाल दिया जाना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है यह नाम कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघ्न)

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः जंहा तक ि ाक्षा की बात है इस साल 375 स्कूलो का दर्जा बढाया गया है जिससे हरियाणा प्रदे ा के बच्चे अच्छी ि ाक्षा लेगे और अफसर बनेगे। 1989 मे जब चौधरी देवी लाल जी डिप्टी प्राईम मिनिस्टर थे तो वे इस राणा मे एक कालेज के निर्माण के लिए पत्थर रख आए थे उस पत्थर पर कोई कार्य चालू नही किया गया है। अब चौधरी बंसी लाल जो मेरे हल्के मे जन सभा करने गए तो उन्होने जाकर उसके निर्माण के आदे ा दिए और आज उस कालेज का निर्माण चालू है। इस प्रकार मै आपको हमारी सरकार को उपलब्धिया बता रहा हू। 1989 मे जब चौधरी देवी लाल जो ने कालेज के निर्माण के लिए पत्थर रखा था और पैसे इकटठे किए गए थे वह रूपये तीन आदमियो के नाम जका करा दिए थे अब जब उन आदमियों से पैसे देने के लिए कहा गया तो उन्होने कहा कि पैसे तब दैगे आप यह ऐ योर करे कि आप यह कहेगे कि हमने अपने नाम पैसे जमा नही कराए। (घंटी)

श्री कृश्ण लालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है जैसा अभी बिजेन्द्र सिंह ने बताया। इस बारे मे मै बताना चाहता हू कि 1989 मे जब चौधरी देवी लाल जो उप प्रधान मंत्री थे तो इसराणा आए थे और कालेज के निर्माण के लिए 10 लाख रूपए देकर गए थे वह पैसा बैक मे जमा है कमेटी बना रखी है और पैसा बाकायदा जमा है इसलिए जो इल्जाम इन्होने लगाया है वह गलत और बेबुनियाद है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जो 4 लाख रूपए मैचिंग ग्रान्ट स्कीम के तहत जमा कराए गए थे और 3 लाख 51 हजार रूपए हल्के के लोगो ने दिए थे। यह पैसे डी0सी0 साहब को दिए गए। अभी जब चौधरी बंसी लाल जी इसराणा आए तो उन्होने कहा कि अगर और पैसा की जरूरत पडे तो उन लोगो से मांग लेना। जब पैसे मांगे गए तो वह भाई कहता है कि बंसी लाल जो यह कह दे कि मेरा नाम नही आएगा तो पैसे दूगा।

श्री भागी रामः बिजेन्द्र सिह जी, आपका टाईम हो गया है आप बैठ जाए।

श्री अध्यक्षः टाइम हो गया है, मैने देखना है आप मुझे गाइड नही कर सकते है मुझे दिखाई दे रहा है मुझे टाईम देखना आता है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने नहरो की सफाई कराई और टेलो पर पानी अब आसानी से पहुचता है इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्ीान लेता हू।

श्री जगदी ा नायर(हसनपुर, अनूसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। विपक्ष के सदस्य इस सदन को दो दिन से यह कहकर गुमराह कर रहे है कि क्या कम हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, इतने समय तक ये कहा थे कि 31 साल के समय मे केवल 863 मैगावाट बिजली की पैदावार कर पाये। जबकि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने 18 महीनो के अन्दर ही 1180 मैगावाट बिजली की पैदावारा करने का काम भाुरू कर दिया है। भगवान ने चाहा तो ये देख लेगे कि जो हमारी सरकार ने 24 घन्टे बिजली देने का वायदा किया था वह भी पूरा हो जायेगा तब ये पब्लिक मे जाकर क्या बोलगे और किस नाम पर वोट मागगे। अब मै बिजली के बारे मे कहना चाहूगा कि चाहे काग्रेस पार्टी वाले है या दूसरी पार्टी वाले है ये दोनो ही इस सदन को गुमराह कर रहे है और प्रेम मे अपने ब्यान देना चाहते है कि हमने किसानो के लिए यह किया हमने किसानो के लिए वह किया। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये किसानो के सच्चे हमदर्द होते तो अब से पहले बिजली की पैदावार पूरी कर देते। उपाध्यक्ष महोदय, इनको याद होना चाहिए कि चौधरी बसी लाल जी जब पहली बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने

थे तो गांव गांव मे बिजली और सडको का जाल बिछाया था। मै माननीय मुख्यमंत्री जी को अपने हल्के के लोगो की तरफ से धन्यवाद देना चाहता हू कि उन्होने फरीदाबाद मे 410 मैगावाट का गैस सयंत्र और पानीपात मे 110–110 मैगावाट की चार यूनिटो का काम भाुरू करवाया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह कहते है कि हम सैटर मे होते तो यह करते। इनको याद होना चाहिए, कि जब ताऊ देवी लाल जी सैंटर मे दे ा के उप प्रधान मंत्री थे तो हरियाणा प्रदे ा के लिए एक चव्वनी का फायदा भी उन्होने नही किया। ये सिर्फ अखबारो मे छपवाने के लिए ये बाते कहते है कि हम किसानो के हमदर्द है। उपाध्यक्ष महोदय, इनको तो चौधरी बसी लाल जी की खोजो से ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक सिचाई की बात है इस बारे मे चौधरी बसी लाल जी को नया तजुर्बा हैं माननीय बसी लाल जी ने जो उपलब्धिंया प्राप्त की है उसके बारे मे इन लोगो को क्या पता है यह मेरे साथी गाडी मे बैठकर चले मै अपने हल्के मे इनको रजबाहे दिखाऊंगा। ये पब्लिक को गुमरहा करने के लिए हाउस मे भाोर मचाते है। इनका केवल एक ही काम है कि हाउस मे भाोर माचाना और नारेबाजी करना जिससे पब्लिक यह समझे कि ये किसानो के बहुत ज्यादा हमदर्द है और गरीबो के हमदर्द है आज चौधरी बसी लाल जी की सरकार से किसान खु ा है क्योकि इन्होने नहरो का निर्माण करवाया है, रजबाहो की खुदाई करवाई है। उपाध्यक्ष महोदय, मै अपने हल्के हसनपुर के बारे मे बताना चाहूगा कि जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी और चौधरी

ओमप्रका ा चौटाला की सरकार थी उस दोनो सरकारो ने मेरे हल्के के साथ भेदभाव बरता हे। पिछले बीस सालो मे हमारे हल्के के लिए किसी सरकार ने कोई काम नही किया। चौधरी बंसी लाल जी की 18 महीने की सरकार ने जो काम किया है वह हर किसान जानता है। इन्होने इन 18 महीनो मे हमारे इलाके के लिए जितना काम किया है उतना दुनिया मे किसी ने नही किया होगा। चौधरी बंसीलाल जी किसानो के सच्चे हमदर्द है। उपाध्यक्ष महोदय, ये भाई भाराबबन्दी के बारे मे कहते है कि हरियाणा भाराब जोर भाोर से चल रही है। (विघ्न) मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हू कि चौधरी भजन लाल जी की दराज से भाराब निकली थी। ये हम पर आरोप लगाते है? ये खुद भाराब पीते है विपक्ष मे बैठे विधायको को मै बताना चाहता हू कि अभी इनके कारखाने चल रहे है। ये भाई यह भी कहते है कि हरियाणा सरकार भाराबबन्दी के मामले मे असफल रही है। लेकिन दूसरी तरफ ये भाई पब्लिक मे जाकर के कहते है कि हमारा राज आ जाने दो, हम फिर से दारू खोल देगे। इनको तो ऐसा खराब सोच है। ये तो हमारी प्राचीन सस्कृति को भी बदलने के लिए तुले हुए है। अगर इनके हाथ मे भाासन आ जाता है तो भाायद हरियाणा प्रदे ा खत्म हो जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हू कि इन्होने कहा कि हम भाराबबन्दी मे सहयोग देना चाहते है लेकिन मै इनसे पूछना चाहता हू कि ये जरा बताए कि एक भी सामने बैठे विधायक ने किसी दारू बेचने वाली गाडी को अपने हाथो से पकडवाया हो। (ाोर) पिछली बार माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने

कहा था कि अगर विपक्ष का कोई साथी भाराबबंदी मे हमारी मदद करेगा तो हम उसको पुलिस मदद भी देगे। लेकिन ये मदद तो क्या करेगे, खुाद भजन लाल जी की दराज से भाराब मिली थी। उपाध्यक्ष महोदय, ये बाढ मुक्त हरियाणा प्रदे ा की बात करते है। इनके समय मे तो आपने देखा होगा कि बरसात का पानी कई महीने तक खेतो मे खडा रहा। रोहतक मे भी बरसात का पानी खडा रहा। हरियाणा आज भी वही है बरसात आज भी वही है और जगह आज भी वही है लेकिन यहा पर बाढ का नाम कही नही है।(ाोर)

श्री राम पाल माजराः उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायट आफ आर्डर। हरियाणा मे बाढे आती थी और उसके बावजूद भी फसल का बिजाई समय पर हो जाती थी लेकिन अब की बात तो हरियाणा मे सिर्फ 30 से 35 प्रति ात तक ही जमीनो मे फसल की बिजाई हो सकी है क्योकि खेतो मे तो पानी खडा है। इस प्रकार से यह सरकार असफल रही हैं।

श्री जगदी ा नायरः उपाध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि इनके समय मे तो बाढ पर नियत्रण ही नही हो पाता था तथा इस बार हमारे समय मे वर्शा भी खूब हुई है लेकिन बाढ आने ही नही दी गई है। दूसरो और इन लोगो ने अपने अपने समय मे बाढ के नाम पर पता नही कितने पैसे को घोटाला किया होगा, ये लोग ही बात सकते है ? मै इन भाईयो को यह कहना चाहता हू कि कि इन के द्वारा बहुत ढिढोरा पीटा गया तो मै

हरियाणा मे 500 रूपये बुढापा पैं ान कर दूंगा। (घंटी) लेकिन हमारी सरकार को देखो, यह सिर्फ ब्यानबाजी मे ही वि वास नही रखती है, बल्कि क्रियात्मक रूप से कुछ कर के भी दिखाती है। हमारी सरकार ने हम महीने की 7 तारीख को सभी प्रकार की पै ान देना नि चत किया हुआ है, जो कि लगातार अमल मे है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री धर्मबीर यादवः उपाध्यक्ष महोदय, थोडी देर पहले भागी राम जी ने सदन मे कहा कि ऐलनाबाद मे पी0डबलयू0डी0 रैस्ट हाउस के लिए 9 फरवरी 1988 को 14 लाख 7 हजार रूपए दिए गए थे। जिसमे कृश्ण लाल पुत्र नानक चन्द, ढाणी जाटान निवासी माननीय सदस्य की पार्टी के वर्कर है तथा इनके अच्दे दोस्त है वे इस रैस्ट हाउस क लिए कोर्ट से स्टे ले आए और यह यह दिसम्बर 1994 मै बैकेट हुआ है। इसको प्र ासनिक एप्रवल 34 लाख 19 हजार को दी गई है। इस रैस्ट हाउस पर 26 हजार के करीब पैसा खर्च हो गया है। बाकी का कार्य कुछ समय बाद भाुरू होग। (ाोर)

श्री दिल राम (गुल्हा, अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोनले के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में परसों जो पढ़कर सुनाया है उसमें मै दो बातें कहने की इजाजत चाहूंगा। हाउस में जो बातें हो जाती है वे हमारी समझ

के बाहर है क्योंकि जब से यह सरकार बनी, इससे लोगों ने बड़ी उम्मीदें लग रखी है। बंसी लाल के बारे में लोगों को इतना वि वास था कि इनको करनी और कथनी में कोई फर्क नही है और इसी बिनाह पर इन्होने लोगों से जो वायदे किए है। ये जो भाई चुनकर आए और सता में बैठे है क्या ये जानते है या ये अपने दिल पर हाथ रखा कर कह सकते है कि इन्होने कौन कौन सा वायदा पूरा किया है। भाराब बन्दी की बात को लीजिए, हम मानते है कि भाराब एक बुरी चीज है अपने हरियाणा से तो वह कम से कम दूर रहनी चाहिए। लेकिन जिस प्रकार से इस सरकार ने उसके लिए कदम उठाए है उसमे पूरे कामयाब नही हुए है। मै कहता हू कि ये जितने एम0एल0ए0 और मंत्री यहा बैठे है पहले तो इनकी कसम खिलाई जाए कि ये स्वय और अपने परिवार के अन्दर भाराब नही लाएगे। जब तक ये लोग खुद नही छोडेगे तक तक ये किसी और को कैसे मना कर सकते है। (ाोर) मै अपने परिवार की कसम खाता हू कि मेरे परिवार मे कोई बीडी तक नही पीता, भाराब बहुत दूर की बात है। जब तक हम अपने गिरेबान मे नही झाकेगे तक तक बात बनने वाली नही है। ग्रिवैसिंज कमेटी की मीटिग कई बात होती है और उसमे डी0सी0 भी होते है उस मीटीग मे मै यह बात रखता हू कि जब तक आपने साथ पब्लिक औपीनियम नही होगा तक तक आप इस बात पर कायाम नही हो सकते। अब मै भाराब के बारे मे बात कहना चाहूंगा। हरियाणा के अन्दर ट्रक के ट्रक भाराब के आते है चाहे वे चोरी से आते है और चाहे वे सरकार की मिलीभगत से आते है इस बात का मुझे

पता नही है लेकिन हम इस भाराब को बंद करने के लिए सरकार के पक्ष मे है कि सरकार इसको बन्द करने के लिए सख्त से सख्त कदम उठाए। जो भी व्यक्ति भाराब के मामले मे सलिप्त पाए जाए उनके खिलाफ सख्त से सख्त एक ान ले वे चाहे एम0एल0ए0 के रि तेदार है। अगर यह सरकार कोई अच्छा काम करती है तो ठीक है हम उसका य ा करेगे और यदि यह सरकार कोई गलत काम करती है तो उसकी तौहीन सुनने का मादा इनमे होना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, इस सरकार ने कहा था कि नहरो की टेलो पर पानी पहुचायगे। मेरे हल्के मे भाायद 12 टेले है। आज उन टेलो की यह हालत है कि जहा तक उनमे पहले पानी जाता था इस समय वह पानी वहां से 10 किलोमीटर पीछे रहने लग गया है। यह रिकार्ड की बात है मै यह बिल्कुल झूठ नही बोल रहा हू। यहां तक कि वहा पर जो रजबाहो थे उन रजबाहो को कुछ लोगो ने जोत लिया है क्यो कि उनमे पानी नही आता है और आबियाना उनको देना पडता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे ऊपर एक चार हजार रूपए का मामला आया हुआ है क्योकि मैने एक एग्रीमैट लिख कर दिया था कि राइस सूट लगा है मैने उनको कहा कि भाई पानी तो आया नही वह कहने लगे कि राइस सूट लगा है मैने उनको कहा कि भाई पानी तो आया नही वह कहने लगे कि आपने एग्रीमैट दे रखा है मैने कहा वह तो देख रखा है। इसलिए मुझे पैसा देना पडेगा। मेरे कहने का मतलब है कि हवाई फायर करने से या लच्छेदार बात करने से पब्लिक खु ा नही होगी पब्लिक तो काम चाहती है और जब यह सरकार पब्लिक का

कोई काम करती है तो यह उन पर कोई अहसान करती है। पब्लिक ने आप लोगो को चुन कर यहां भेजा है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब भी कोई अपोजि ान का विधायक बोलता है तो उधर से मंत्री बींच मे खडे हो कर बोलने भाुरू हो जाते है। मैने यह सदन मे पहली बार देखा है। ये दो तीन मंत्री बैठे है जो एक दम बोलने के लिए खडे हो जाते है। मै 1982 मे पहली बार चुन कर आया था तो उस समय सदन के अन्दर यदि विपक्ष का कोई मैम्बर बोलता था तो सत्ता पक्ष का कोई एम0एल0ए0 ही खडा हो कर बीच मे टोकता था लेकिन अब तो मंत्री बीच मे खडे हो कर बोलने लग जाते है। यह बडी हैरानी की बात है। डिप्टी स्पीकर साहब, सही मायनो मे इनकी जो बुराईया है जो कमिया है अगर हम उनकी बुराई नही करेगे तो जनता हमे क्या कहेगी? वैसे ये हवाई घोडे पर सवार है इनको कुछ दिखाई नही देता है क्योकि पावर का नक ाा ऐसा ही होता है।

श्री कर्ण सिह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। चौधरी धीरपाल जी सदन मे बौैठे है। दिलू राम जी पिछली दफा इस सदन के सदस्य नही थे इसलिए इनको उस समय की सरकार के रवैये का पता नही है। हम पिछले सदन मे विधायक थे और विपक्ष मे बैठा करते थे। उस समय आपकी पार्टी के नेता चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री हुआ करते थे। वे हमे सदन से उठा उठा कर बारह फेकवाया करते थे। इनता ही नही वे हमारे खिलाफ झूठे मुकदमे भी दर्ज कराया करते थे। हमे यहां पर

बोलने की इजाजत नही दी जाती थी। आप किस मुह से यह बात कह रहे है। आज आपके नेता प्रजातन्त्र की बात करते है। डिप्टी स्पीकर साहब, आपने बहुत उदारता दिखाई है आपने सदन के एक एक सदस्य को बोलने का पूरा मौका दिया है। सारी सरकारे इनकी बात सुनने के लिए बैठी हुई है। हमारी सरकार का एक एक मंत्री इनकी बात सुनने के लिए यहां पर बैठा हुआ है।

श्री दिलू रामः आपने कौन सी कसर छोडी है आपने भी उनको सदन से बाहर निकाल दिया था। आपने बदला ले लिया। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः दिलू राम जी, आप दो मिनट मे अपनी बात समाप्त करे।

श्री दिलू रामः डिप्टी स्पीकर साहब, जहा तक बिजली की बात है इन्होने कहा था हम किसानो को पूरी बिजली देगे। किसान सरकार की रीढ की हडडी है किसानो पर सारा कुछ चलता है। मै भी किसान हू। आज हरियाणा प्रदे ा के किसानो की बहुत दुर्द ाा हो रही है। आज किसानो के साथ जो ज्यादती हो रही है वह सी बात है मै इसके लिए कदम उठाने के लिए तैयार हू।

श्री कर्ण सिह दलालः आप यह तो बताए कि किसानो के साथ क्या ज्यादती हुई है ? (ाोर)

श्री दिलू रामः डिप्टी स्पीकर साहब, 8 घंटे बिजली आती है तीसरे दिन एक दिन छोड कर इस हिसाब से चार घंटे हो गए। इसके अलावा अगर कोई आदमी रूरल एरिया मे अपने इंडस्ट्री लगाएगो तो उसको चार घंटे बिजली मिलेगी और अगर कोई आदमी भाहर मे इंडस्ट्री लगाएगा तो उसको 20 घंटे बिजली मिलेगी। एक तरफ तो कहा जाता है कि ाहरो की प्लान रोकी जाए और गांवो की तरक्की की जाए तो ऐसा करने से गावो की तरक्की कैसे हो सकती है। एक आदमी को 20 घंटे मिले और एक आदमी को 4 घंटे बिजली मिले यहा कहा का इन्साफ है। जिस आदमी को 4 घण्टे बिजली मिलेगी तो वह अपनी इंडस्ट्री का या दूसरा काम कैसे कर पायेगा ? वह तो लाईट न मिलने के कारण मारा जायेगा। भाहर मे लाईट 24 घंटे मिलती है जबकि गांव मे रहने वाले लोगो को 4 घंटे लाईट मिलती है वे बेचारे सारी रात बिजली न मिलने की वजह से, मच्छरो वे कारण व गर्मी के कारण कलपते रहते है। जब हम अधिकारियो को कहते है कि बिजली गावो मे दे तो कहते है कि हमे अधिकार नही है। (ाोर एवम विघ्न) अब मै सडको की हालत के बारे मे कहना चाहूगा। मेरे हल्के गुहला के अन्दर सडको की बहुत बुरी हालत है। (विघ्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

कृशि मंत्री द्वारा

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आन ए पर्सनल एक्सपलेंने ान मैने यह बिल्कुल नही कहा कि सरकार करोडो रूपए विकास के नाम पर विधायको के हल्के मे खर्च करेगी। मैने यह कहा था कि पिछले सरकार ने विधायको को 50–50 लाख रूपय के नाम से जौ पैसे तरक्की के काम के लिये देने की स्कीम चालू की हुई थी, उसका गलत तरीके से इस्तेमाल हो रहा था। मै यह कहना चाहता हू कि सरकार दूसरे तरीके करोडो रूपए के विकास के कार्य कर रही है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए है।)

श्री जय सिह राणाः मै यह कह रहा हू कि विकास के नाम पर जो ये कह रहे है कि हम करोडो रूपए खर्च कर रहे है, उस का यूज कैसे जे0ई0 से लेकर ऊपर के अधिकारियो तक हो रहा है वह सबको पता है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के सभी अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेवार है सारा काम हमने इन्ही से लेना होता है। ये सभी सही काम कर रहे है। आप के समय मे जो पैसा मिलता थ वह तो विकास के नाम पर लगता ही नही था बल्कि इनके कार्यकर्ता ही उस पैसे को खा जाते थे। ये सारे पैसे को अपने कार्य कर्ताओ मे बांट देते थे। (ाोर एवम विघ्न)

श्री दिलू रामः स्पीकर साहब, इस डेमोक्रेसी के अन्दर सबको अपनी बात कहने का अधिकार है। सतनाली के अन्दर वहा के जमीदारो और किसान इकटठे होकर अपनी बात कहना चाहते थे लेकिन इस सरकार ने वहा पर गोलिया चलवा कर खून की होती खेली। (ाोर एवम विघ्न) ये कहते है कि आपने गलत काम किये। मै इनको बताना चाहूगा कि हमारे कुछ गलतियां हुई है तभी तो हम उधर की बजाये इधर बैठे है नही तो हम वही पर होते। यदि आप भी इस प्रकार की गलतिया करते रहे तो आप भी इसी जगह पर आकर बैठोगे जहां पर हम बैठे हुए है।

श्री अध्यक्षः श्री दिलू राम जी, अब आप बैठिए, आपका समय हो गया है। अब श्री कृश्ण हुड्डा बोलेगे।

श्री कृश्ण हुड्डा (किलोई): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए मै आपका आभारी हू। स्पीकर साहब, चुनाव से पहले मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा प्रदे ा के लोगो से बहुत वायदे किए थे कि 24 घण्टे प्रदे ा के लोगो को बिजली मिलेगी, 48 घण्टे से खराब ट्रासफारमर को बदल जाएगा, एक महीने के अन्दर ट्यूबवैल के लिए कनैक ान दिया जाएगा लेकिन आज यह हालत है कि लोगो को न तो बिजली मिलती है, न ट्रांसफारमर बदले जा रहे है और न ही इन 18–19 महीनो मे किसी को ट्यूबवैल का कोई कनैक ान ही दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा एक एग्रीकल्चर प्रदे ा है और यहां के लोग कृशि पर निर्भर करते है। स्पीकर साहब, पिछले साल बहुत

ज्यादा बरसात हुई थी किसानो की भूमि पर पानी खडा रहने के कारण उनकी जमीनो मे बिजाई नही हो पाई, फलड का पानी उनके खेतो से न निकलने के कारण और अधिक बरसात के कारण ऐसे किसान भी है जो कि अपनी जमीन का एक किल्ला भी बुआई नही कर पाए है तो उन किसानो के बच्चे साल भर क्या खाएगे। पिछली सरकार ने ऐसे किसानो को जिनकी बुआई नही हो पाई थी तीन हजार रूपये की दस से मुआवजा दिया था इसलिए सरकार से मेरी गुजारि ा है कि उन किसानो को जिनकी जमीन मे बुआई नही हो पाई है मुआवजा दिया जाए। (ाोर एवम विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सरकार ने फलड के बारे मे काफी पैसा खर्च किया था। बरसात के समय मे सरकार ने लाखो रूपए खर्च किए। मेरे हल्के की एक रिठान ड्रैन पर सरकार ने एक अधिकारी को भी भेजा और 60–70 लाख रूपए उस पर खर्च भी हुए है लेकिन उससे कोई भी फायदा हलके के लोगो को नही हुआ है। 60–70 लाख रूपये इस ड्रैन से पानी निकालने के लिए खर्च किए गए थे लेकिन ड्रैन से पानी तो क्या निकालना था और गावो का पानी भी इस मे आने लगा है। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार पुराना सिस्टम था कि पम्पिंग सैटो के द्वारा पानी को पम्प करके निकाला जाता था उसी सिस्टम से पानी को निकलवाने का प्रबन्ध किया जाए तभी किलोई हल्के के लोगो को कुछ राहत मिल सकती है। इस ड्रैन को 10–12 गांव अफैक्टर करते है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से एक कटवाला लिंक ड्रैन है उस के ऊपर मुख्यमंत्री जीने चीफ इन्जीनियर को भेजा था। उसकी खुदाई के लिए जमीन का

मुआवजा भी बंट चुका है। मुआवजा बंटे हुए 18 सालो हो गए है मुख्यमंत्री जी ने आर्डर कर दिए है लेकिन अभी तक उस ड्रैन की खुदाई का काम भुरू नही हो पाया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः हुडडा साहब, उस जमीन का मुआवजा कौन से साल मे बंटा था ?

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः वर्श 1978–79 मे नौ किल्ले जमीन का मुआवजा दिया गया था यह एक लिंक ड्रैन है और अभी इस पर 20–21 किल्ले जमीन की और खुदाई होनी है। मेरी प्रार्थना है कि इस 9 किल्ले जमीन की खुदाई जल्दी से जल्दी करवाई जाए और जो स्कीम है उसको अगले साल तक पूरा किया जाए ताकि उस हल्के के किसानो का भला हो सके। स्पीकर साहब, भाराबबन्दी के बारे मे मै कहना चाहूगा कि हम लोग भाराब बन्द करने के पक्ष मे है, हम भी चाहते है कि प्रदे ा के अन्दर भाराब बन्द होनी चाहिए लेकिन सच्चाई यह है कि अभी तक भाराब बन्द नही हुई है। पहले एक गांव मे एक जगह पर ही भाराब की दुकान होती थी लेकिन आज गावो मे 10–10 जगहो पर घरो मे भाराब बिकती है और 10–10 दुकाने भाराब की खुली हुई है। सरकार को इस पर सख्ती से पाबन्दी लगानी चाहिए ऐसा न हो कि आने वाली पीढी इसको गुलाम हो जाए। आज प्रदे ा के नौजवान भाराब की तस्करी के धन्धे मे लगे हुए है उनके पास काफी पैसा हो यगा है जो कि अपराधो को जन्म देगा और उनके पास नायायज हथियार भी काफी मात्रा मे है इसका नतीजा यह

होगा कि किसी भी भारीफ आदमी का राज्य मे रहना मुि कल हो जाएगा। एक माफिया गिरोह प्रदे ा के अन्दर पनप चुका है, इसलिए सरकार को इस पर सख्ती से पाबन्दी लगानी चाहिए ताकि प्रदे ा मे कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक बनी रह सके। आजकल बहादुगढ मे बेबी काण्ड की काफी चर्चा है। 12–14 केस बहादुगढ मे हो चुके है लेकिन अभी तक यह सरकार किसी भी आदमी को पकड नही पाई है। सरकार को इस बारे मे सख्ती से काम लेना चाहिए। अगर कानून व्यवस्था की स्थिति ऐसी ही चलती रही तो हमारा प्रदे ा भी पजांब और जम्मु क मीर जैसा हो जाएगा और यहां पर भारीफ आदमियो का रहना मुि कल हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, जब किसान सब मण्डी मे अपनी गेंहू या धान बेचने जाता है तो जो ऐजेन्सी उसको खरीदती है, वह ऐजेन्सी किसान का सारा भाडा अपने ऊपर वहन करती है। किसान से भाड के नाम पर कुछ नही लिया जाता है। लेकिन गन्ना मिलो मे आधा भाडा किसान से लिया जाता है और आधा भाडा गन्ना मिल वहन करती है। इस तरह से किसानो के साथ ज्यादती की जा रही है। जिस तरह से ऐजेन्सी गेहू और धान का भाडा वहन करती है उसी तरह से मिलो को भी गन्ने का भाडा वहन करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, भाहरो के विकास के लिए नगरपालिका मे बहुत भेदभाव हो रहा है। रोहतक के अन्दर हुडडा नई सडके बनाने का काम कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, कमला नगर, भाास्त्री नगर और रनपुरा है। ये सब

म्यूनिसिपल कमेटी के अन्दर आते है। लेकिन वहा पर कोई सुविधा नही दी जाती है। इनके वार्ड बने हुए है, वार्ड के मैम्बर बने हुए है लेकिन जो हम लोग देहातो से इन जगहो पर आए है उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इन कालोनियों मे सडको के लिए और दूसरे कामो के लिए पैसा नही दिया जा रहा है। मै मुख्यमंत्री जी से कहूगा कि भेदभाव को खत्म करके सारे भाहर के विकास को एक जैसा करे।

इसके बाद परिवहन के बारे मे सरकार की जिम्मेदारी बनती है सरकार को चाहिए कि जितनी भी सवारियां है उनके लिए बसो का प्रवाधान होना चाहिए। अगर सरकार बसो का प्रावधान नही कर सकती है तो जो प्राईवेट स्कूअर या टैम्पो चलते ह उनके प्रति नर्म रवैया रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब सवारियो को बसो मे सीट नही मिलती तो वे टैम्पो वगैरहा मे बैठकर जाते है लेकिन सरकार टैम्पो वालो को बीच मे ही रोक कर चालान कर देती है और उसमे जो सवारियां होती है उनको अपनी मंजिल तक पैदल जाना पडता है जिससे उन्हे प्रोब्लम होती हैं मै मुख्यमंत्री जी से कहूगा कि या तो ये सभी सवारियों के लिए बसो का प्रावधान करे नही तो प्राईवेट स्कूटर और टैम्पो वालो के प्रति अपना रवैया नर्म रखे।

18.00 बजे।

अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को आए हुए 20 महीने हो गए है लेकिन वृद्धो की पें ान के लिए जो फार्म छपने थे वे आज तक नही छपे है। क्या पिछले दो सालो मे इस प्रदे ा मे 60 साल के वृद्ध नही हुए? लेनिक अध्यक्ष महोदय, आज तक किसी की भी नई पें ान नही बनाई गई। बहुत पहले फार्म भरवाए गए थे लेकिन वे ऐसे ही पडे है और किसी की भी नई पें ान नही बन रही है। यह वृद्ध लोगो के साथ बहुत ज्यादती है। इसलिए मै मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वे इस तरफ ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री भी 6–7 महीने पहले मेरे हल्के किलोई मे गए थे। वहा पर इन्होने वहा की पी0एच0सी0 का दर्जा बढाकर सी0एच0सी0 किया था। उस समय मै तो उम्मीद कर रहा था कि मुख्यमंत्री जी अपनी बात पूरी करेगे। पहले जो ये कहते थे उस पर पूरा उतरते थे। इन्होने वहा पर सी0एच0सी0 तो बना दी लेकिन न वहां पर कोई कम्पाउडर है और न वहां पर कोई डाक्टर रहता है। जिसकी वजह से उस इलाके के लोग दवाई के बगैर बीमार की वजह से काफी परे ाान रहते है। इस सी0एच0सी0 की बिल्डिग भी टूटी पडी है। आठ महीने हो जाने के बाद भी चौधरी साहब का आ वासन पूरा नही हो रहा है क्योकि वहा कोई काम नही हो रहा है इसी तरह से पी0डबलू0डी0 मंत्री जी यहां पर बैठे है मेरे हल्के मे काफी सडके टूटी पडी है कंही पर भी आने जाने का रास्ता नही है। लोग अब सडको को छोडकर दूसरे रास्तो से जाने लगे है क्योकि सडको का बहुत बुरा हाल है इसलिए मै उनसे कहूगा कि वे हमारे यहा की सडको की रिपेयर करवाए।

अध्यक्ष महोदय, अंत मे आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए पुन आपका धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः अब श्री रमे ा क यप बोलेगे।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे भी बोलने के लिए समय दीजिए।

श्री कृश्णः अभी आप बैठे। अब रमे ा जी बोलेंगे।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, अगर आप मुझे बोलने के लिए समय नही देगे तो मै इसके विरोध मे सदन से वाकट आउट कर जाऊगां यह पर बोलना मेरा अधिकार है।

श्री अध्यक्षः आपके अधिकार का यहा कोई हनन नही कर रहा है अभी असव बैठे। अभी आपको कोई टाईम नही मिलेगा चाहे आप जाए या बैठे रहे।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे पिछलें 18 महीनो मे आपने कभी बोलने का समय ही नही दिया है। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः सर, हमने आप पर पूरा भरोसा है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै विधान सभा का मैम्बर हू और दूसरी बार चुनकर आया हू इसलिए आप मुझे बोलने का समय दीजिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अभी आप सभी बैठे।(विघ्न) श्री कृश्ण लाल जी, पिछले दस साल का रिकार्ड उठाकर आप देख लीजिएं। कभी भी विपक्ष के सदस्यो को चाहे आपकी सरकार रही हो य भजन लाल जी की सरकार रही हो, इतना समय बोलने के लिए नही मिला है। यह जरूरी नही होता कि सबको बोलने का समय मिल जाए। मैने आपकी पार्टी के उपनेता जो कि आपकी पार्टी के प्रधान है, से बात की हुई है। हम सबको दस मिनट का बोलने के लिए समय देगे।

श्री धीरपाल सिंहः ठीक है जी, हमे आप पर पूरा भरोसा है हम आपको नारज नही करना चाहते।

श्री अध्यक्षः अगर फिर भी ये जाना चाहे तो जांए इससे मेरी सेहत पर कुछ असर नही पडता । रमे ा जी अब आप बोले। कृश्ण लाल जी को भी बोलने का समय मिलेगा।

श्री रमे ा क यप (घरौडा): अध्यक्ष महोदय, आपने जो मुझे राज्यापाल महोदय के अभिभाशण पर बहस से हिस्सा लेने के लिए समय दिया, उसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। सर, हम तो पहली बार चुनकर आए है लेकिन जो पहली या दूसरी बार चुनकर आए है उनका व्यवहार देखकर के मन मे चिता होती है मन मे दुख होता है कि हम आए किस काम के लिए है और कर क्या रहे है तो मै सिर्फ इतनी बात कहूंगा कि आप लोग और हम लोग जितने लोग यहा बैठे है यह चौथा सै ान है और एक चीज

महसूस की है कि आरोप प्रत्यारोप के अलावा यहा पर कुछ नजर नही आ रहा। लेकिन जिस हरियाणा की जनता की सुख और भाांति के लिए उनकी उन्नति की बात करने के लिए हम यहा इकटठे हुए है उसमे पौजीटव प्वायटस की तरफ हम नही बोलते । विपक्ष के साथियो मे भी कमिया होगी और हमारे मे भी कमिया होगी और उन कमियो का उजागर करने का उनका अधिकार है लेकिन क्या हमारे अंदर कोई खूबिया भी है, कोई काम हम हरियाणा की जनता के लिए, जिसने हमे चुनकर भेजा है, कर भी रहे है। यह भी हमे सोचना है। मै भाराबबंदी के बारे मै कहना चाहूगा कि इसमे कमियां अव य होगी, पूरी नही कर पाए होगे लेकिन हमने इस हरियाणा प्रदे ा के नौजवानो के चरित्र निर्माण की दि ाा मे कदम जरूर बढाया है। पिछली सरकारो के समय मे हर साल भाराब की खपत बढती थी। नौजवान दूसरो को देखकर भाराब की आदत डाल लेते थे। वह तो कम से कम बंद हुई होगी। भाराब जो लोग पहले पीते होगे वे भले ही पी रहे होगे लेकिन नई जनरे ान तो इससे बच जाएगी। यह बात हमे सोचनी होगी। जिन परिवारो के सदस्य भाराब पीते होगे उनकी महिलाओ और बच्चो को भाराबंबंदी से जो खु ाी मिली है उसका किसी ने वर्णन नही किया। मै यह कहना चाहूगा कि हमे हर दृश्टिकोण से सोचना चाहिए। अभी काग्रेस की तरफ से वह हलोदरा की तरफ भी कर्मचारियो का बडा समर्थन किया गया और कहा गया कि उनके साथ बडी नायायज बात हो रही है। लेनिक जय सिह राणा ने बोलते समय कहा और धीर पाल जी ने भी एक बात का

इंडीके ान दिया कि एच0एस0ई0बी0 के बिलो के अंदर बोगस बिलिग हो रही है। क्या कर्मचारी आदोलन कर रहे है इसके क्या उनकी अपनी कमो नही है? हम उनके किसी हम का समर्थन करते है लेकिन उनको भी अपनी कमी को मानना चाहिए। अभी जय सिंह राणा जी ने बोलते हुए एक बात कही कि 50–50 लाख रूपया हर विधायक को देने के बाद अफसरो को खाने के लिए छोड दिया गया। मिल बांट कर खाने की बात की तो क्या यह सच्चाई है अगर सच्चाई है तो यह आज ही भाुरू नही हुई होगी। (विघ्न)

श्री जसविन्द्र सिह सधुः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिकर किया कि पिछली सरकार के वक्त सभी विधायको को 50–50 लाख रूपया अपने अपने हल्को मे अपनी अपनी मर्जी से खर्च करने के लिए दिए जाते थे तो मै कहना चाहूगा कि अध्यक्ष महोदय, तब आप भी हमारे साथ थे। विपक्षो सदस्य सत्ता पक्ष की हर उस बात का विरोध करते है जो उन्ही अच्छी नही लगती। पहले भी ऐसा होता रहा है कि जो अपोजि ान के विधायक थे और आज सत्ता पक्ष मे बैठे है उन सभी लोगो ने उस पचास लाख रूपये का अपने हल्को मे उपयोग किया। यदि अब सत्ता पक्ष के लोग उस पचास लाख रूपये के बारे मे विरोध करे तो यह अच्छे बात नही है मै तो यह कहूगा कि उस पचास लाख रूपये वाली स्कीम को फिर से लागू किया जाना चाहिये, जो प्रत्येक विधायक को मिलते थे।

श्री रमे ा क यप: अध्यक्ष महोदय, मै ज्यादा समय न लेकर एक बात और कहना चाहूगा। चौधरी रिसाल सिंह ने एक बात सदम मे उठाई थी कि सरकार के हिसाब से ि ाडयूल्ड कास्ट के लोगो की जनसंख्या हरियाणा मे 20 प्रति ात है और बैकवर्ड क्लास की जनसंख्या 27 प्रति ात है तथा एस0सी0 और बी0सी0 के लोगो की टोटल जनसख्या हरियाणा मे 47 प्रति ात है। लेकिन एक बात उनको ठीक थी कि जो रिजर्वे ान कैटेगरी की पोस्टे आज तक भरी नही गई है उनको भर जाना चाहिये। मै तो अपने ही साथियो से प्रार्थना करूगा कि हमने एस0सी0 और बी0सी0 कैटेगरी की जो बात कही है उस पर जरूर ध्यान दे। क्योकि 47 प्रति ात जनसंख्या की उपेक्षा हम नही कर सकते। इस 47 प्रति ात जनसंख्या के अदर किसान नही है। वे या तो मजदूर है या फिर कर्मचारी है। इसलिए जनसंख्या के हिसाब से देखकर हमे उन चीजो को जरूर करना चाहिये। दूसरा मेरा प्वायट स्लम एरिया के बारे मे है बहुत समय मे सैटर गवर्नमैट से स्लम एरिया के लिए कभी भी नही लगता। मेरी प्रार्थना है कि वह पैसा स्लम एरिया पर जरूर लगाया जाये ताकि उनके जीवन के स्तर मे भी कुछ सुधार आये। मुझे पूरी अपेक्षा है कि हम लोग इस बात का ध्यान रखेगे और उनको पूरा करेगे। समाज मे समरसता की बात की जाती है कि समाज मे एकता और समानता हो। यह बात सभी चाहते है। कोई भी नही चाहता कि आपस मे फूट हो.....

(ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः बैठिये, बैठिये, इनको कंप्लीट करने दीजिए।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, यह हाउस की परम्परा रही है कि जो आदमी हाउस मे आकर डिफैड नही कर सकता, उसका नाम हमे ा एक्सपंज होता रहा है।

श्री अध्यक्षः श्री देवी लाल जी का नाम कार्यवाही से एक्सपंज कर दिया जाये।

श्री रमे ा क यपः अध्यक्ष महोदय, घरौडार के 25 किलोमीटर के एरिया मे कोई आई0टी0आई0 नही है या तो पानीपत मे है या करनाल मे। मेरा अनुरोध है कि घरौडा मे एक आई0टी0आई0 जैसी संस्था जरूर खोली जाये ताकि गरीब लोगो के बच्चे उस संस्थान मे रोजगार के कार्यक्रम तथा टैक्नीक सीखकर खुद अपना रोजगार चला सके। एक छोटी सी समस्या परिवहन मंत्री महोदय के ध्यान मे लाने के लिए है जिसके लिए मै इनको मिल भी चुका हू। दिल्ली से इधर के लिए बसे आती है तो वे करनाल ही रूकती है घरौडा नही रूकती है। जिससे घरौडा से करनाल व पानीपत के कालेजो मे जाने वाल लडके लडकियो के लिए बहुत असुविधा हो जाती है मेरी यह मांग है कि या तो महिलाओ के लिए करनाल से घरौडा कोई स्पै ाल बस लगवाई जाए या सभी बस कंडक्टरो को आदे ा दिए जांए कि वे घरौडा मे कम से कम एक जगह तो बसो को रोके जिसके लिए कोई

निि चत स्थान होना चाहिए। यह नही होना चाहिए कि एक किलोमीटर आगे या पीछे उन बसो को रोका जाए। धन्यवाद।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। अभी विपक्ष के साथी हमारी सरकार के बारे मे बता रहे थे कि जब से यह सरकार बनी है, हरियाणा मे विकास कार्य बंद हो गए है। मै आपके माध्यम से माननीय साथियो को बताना चाहूगा कि ये लोग भी सत्ता मे रहे है और आज यही लेाग कह रहे है कि हरियाणा मे विकास कार्य नही हो रहे है। इनका यह कहना ठीक नही हैं। पिछली सरकारो के समय मे जगह जगह सडके टूटी हुई होती थी तथा कोई विकास का काम नही होता था। लेकिन जब से चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बने तो इन्होने हरियाणा मे सडके पक्की करवाई, बिजली के खम्भे जगह जगह लगवा दिए। इस बारे मे हरियाणा की जनता अच्छी तरह से जानती है। उसके बाद यहा पर जो सरकारे बनी, उन्होने कोई काम नही किया। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने जो काम उव वक्त अधूरा छोडा था, पिछली सरकारो ने यह भी पूरा नही किया, जिसको हमारी सरकार पूरा करेगी। इस सरकार को बने हुए 18 महीने ही हुए है, और ये भाई कह रहे है कि हरियाणा मे कोई विकास कार्य नही हुआ है। मै अपने हल्के फरीदाबाद के बारे मे कुछ कहना चाहता हू । वहां पर नगर निगम बना हुआ है लेकिन उस नगर निगम के ज्यादातर पार्शद कांग्रेस

से है और वे विकास की तरफ कोई ध्यान ही नही दे रहे है। वहां पर सडको और नालियो की बहुत बुरी हालत है। इसकी जिम्मेदारी नगर निगम के पार्शदो पर आती है। जो कि कांग्रेसा पार्टी के है। जब हम वहा पर विकास की बात करते है तो वे विकास नही होने देते है। आज से तीन साल पहले नगर निगम का वहा पर चुनाव हुआ था जिसमे कांग्रेस को बहुमत मिला था और अभी तक वह निगम उन्ही के हाथो मे है। हरियाणा के अंदर भी जब काग्रेस की हुकूमत थी तो उस समय भी इन्होने विकास के नाम पर कोई कार्य नही किया। आज ये भाई भ्रश्टाचार की बात करते है। लेकिन ये खुद ही बताए कि इनके समय मे भ्रश्टाचार की प्रदे ा मे क्या हातल थी ? मै आपके माध्यम से माननीय साथियो को बताना चाहता हू कि जो विकास कार्य हमारी सरकार ने किए है, उन की इनको तारीफ करनी चाहिए। भारबबंदी के बारे मे मै कहना चाहूगा कि हमारी सरकार ने भाराब बंद की है। इसमे कुछ कभी जरूर हो सकती है लेनिक यह भाराबंदी का कथन केवल चौधरी बंसी लाल जी ही उठा सकते थे। आज तक प्रदे ा मे पूर्ण भाराबबंदी लागू करने की किसी मे हिम्मत नही थी। लेकिन हमारे यह साथी तो सिर्फ आरोप ही लगा सकते है। अध्यक्ष महोदय, मै तो श्री रामबिसाल भार्मा, माननीय ि ाक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करता हू कि उन्होने हमारे यहा स्कूल अपग्रेड करवाए है जो कि पिछली सरकारो के समय मे अपग्रेड नही हो सके थे। मेरे अपने विधान सभा क्षेत्र के अन्दर प्रो0 रामबिलास भार्मा ने 3 स्कूल अपग्रेड कराए है फरीदाबाद की जनता आज भी यह कहती है कि

आज से पहले सरकारे सारे झूठे वायदे करती थी वह कोई वायरे पूरे नही करती थी। स्पीकर साहब, अभी सदन मे बैठे हुए सदस्य यह कह रहे थे कि जब सरकार कोई काम करती है तो किसी पर अहसान नही करती। मै यह कहना चाहूगा कि यदि सरकार कोई काम करती है तो यह उसका फर्ज है। इसलिए जब सरकार कोई काम करे तो उसकी सरहाना जरूर करनी चाहिए। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के अन्दर विकास की बात मै कर रहा था उस क्षेत्र के अन्दर वहां के चुने हुए पार्शदो की कमी के कारण कोई विकास कार्य नही हो रहा है मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना भी करना चाहूगा कि फरीदाबाद के अन्दर जो पिछली बार इस विधान सभा के अन्दर मैने बाटा के पुल की बात की थी, वे उस पुल को भाुरू करवा दे। उसके लिए मै कहना चाहूगा कि उस काम को जल्दी पूरा किया जाए ताकि फरीदाबाद के लोगो को कोई दिक्कत न आए। फरीदाबाद के अन्दर पीने के पानी की समस्या बहुत ज्यादा है उसके लिए जो रैन्युअल योजना पिछले काफी समय से चल रही है पिछली सरकारो ने लम्बे चौडे वायदे किए थे कि इस रैन्युअल योजना को पास करवाएगे जिससे पानी की समस्या का समाधान होगा लेकिन कभी उन्होने इस योजना के लिए कोई स्वीकृति नही दी। 4–5 महीने पहले मुख्यमंत्री जी फरीदाबाद मे आए थे। हम लोगो ने और हमारे साथियो ने मिलकर उनसे प्रार्थना की थी कि फरीदाबाद मे यह रैन्युअल योजना चालू की जाए तो उन्होने वहा पर स्वीकृति दे दी कि इस योजना को चालू करे और फरीदाबाद के लोगो की पीने की समस्या का समाधान

किया जाए। उसकी स्वीकृति समय मुख्यमंत्री जी ने दे दी । इसलिए मै चाहूगा कि उस कार्य की जल्दी भाुरू किया जाए ताकि आने वाली गर्मियो मे लोगो को पानी की कोई दिक्कत न आए तथा पानी की समस्या का समाधान हो सके। स्पीकर साहब, मेरे साथी अभी भ्रश्टाचार की बात कर रहे थे। फरीदाबाद के अन्दर पिछली सरकारो मे ट्रक यूनियन का काम चलता था। ट्रक यूनियन के लोग जो ट्रक यूनियन के प्रधान होते थे वे मंत्रियो को पैसे की थैलिया पहुचाते थे और ट्रक यूनियन चलाया करते थे। आम आदमी भी उनेस परे ाान था। जब बंसी लाल मुख्यमंत्री बने और उन्होने नेक काम किए और उस ट्रक यूनियन को तोड दिया भी ट्रक चलाने वाले है वे बंसी लाल को दुआए देते है और कहते है कि एक ऐसी सरकार बनी है जिसके लिए हम बंसी लाल के अन्दर सडको और नालियों की हालत बहुत खराब है। उसके लिए कांग्रेसा के चुने हुए पार्शद ही जिम्मेदार है जो इन विकास के कार्यो को होनी नही देते। स्पीकर साहब, मै प्रार्थना करना चाहूगा कि मुख्यमंत्री जी फरीदाबाद की तरफ ध्यान दे। जब वहां विधान सभा के चुनाव हुए थे उन चुनावो मे फरीदाबाद की जनता ने अपने जिले को एक भी सीट कांग्रेस पार्टी या किसी दूसरी पार्टी को नही जाने दो सारी सीटे चौधरी बंसी लाल जी की झोली मे डाल दीथी। अब जो लोकसभा के चुनाव 16 तारीख को होगे उनमे भी हम विरोधी पक्ष के भाईयो को बता देगे कि फरीदाबाद की जनता के वोट किसके डिब्बे मे डलते है। स्पीकर साहब, अब मै आपके माध्यम से परिवहन मंत्री जी से कहना चाहूगा कि मेरे क्षेत्र

मे कई बसो की जरूरत है। मेरे हल्के के गांव कबूलपूर और बंगरपूर की बसे बद कर दी गई है जिसके कारण वहा के लोगो को बडी परे ाानी हो रही है। आप उन बसो को दोबारा चलाए। इसके अलावा मै प्रोफैसर राम बिलास भार्मा जी का धन्यवाद करना चाहूगा कि उन्होने मेरे हल्के के तीन स्कूल अपग्रेड कर दिए। मै उनसे यह भी प्रार्थना करना चाहूगा कि मेरे हल्के मे दो स्कूल और अपग्रेड करने वाले है एक सकरोना गांव का है और एक गोछी गांव है। मेरी उनसे प्रार्थना है कि उन स्कूलो को भी अपग्रेड किया जाए। इन भाब्दो के साथ अध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर सदन को सहमति हो तो बैठक का समय आंधा घटां बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय आंधे घंटे के लिए बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के अधिवे ान के अवसर पर महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया मै उसके बारे मे अपने विचार

प्रकट करने के लिए खडा हुआ हू। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर पिछले 10 या 11 घन्टे से भिन्न भिन्न नेताओ ने अपने विचार प्रकट किए है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का अभिभाशण सरकार की नीतियो का प्रतिबिम्ब होता है। राज्यपाल के अभिभाशण मे सरकार ने अपने कार्यकाल मे क्या क्या कारगुजारियां की उसका लेखा जोखा होता है उनका विवरण दिया जाता है और उसके साथ ही आगामी समय मे सरकार अपने प्रदे ा के जन कल्याण के लिए क्या क्या योजनाएं लागू करना चाहती है उसके बारे मे बताया जाता है। अध्यक्ष महोदय, लगभग पिछले 10–11 घंटे से राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा चल रही है। लेकिन मै समझता हू कि जितनी गम्भीरता से, जितनी संजीदगी से, जितनी गहराई से उन विशयो पर चर्चा होनी चाहिए, जिनकी चर्चा राज्यपाल महोद ने अपने अभिभाशण मे की है, वह चर्चा हम नही कर पा रहे है। मै कहना चाहूगा कि ऐसा लगता है कि आज दे ा मे राजनीति का जो माहौल है उसका असर हमारे सदन पर भी पडा है। हमारे सदन के कुछ नेताओ ने इस अभिभाशण पर चर्चा करते वक्त व्यक्तिगत राजनीतिक मुददो को उठाने की कोि ा ा की। इस पर गहराई से जाने की बजाय, संजीदगी से चर्चा करने की बजाय कई कई घंटे यहां चुनावी वातावरण, का फायदा उठाने को कोि ा ा की गई है। मै समझता हू कि हमारे क्षेत्र की जनता हमे यहा पर इसलिए भेजती है कि जन कल्याणा के कार्यो के योजनाए चलाई जा रही है यदि वे सही है तो उनकी सराहना करे और यदि कही पर कुछ खामिया है तो

उनके बारे मे उनको चेंज करने के सुझाव पे ा करे। अध्यक्ष महोदय, Democarcy is a polity by majority बहुमत जिसको अधिकारी देता है उसी को भाासन करने क अधिकार है। हरियाणा की जनता ने, हरियाणा की जनता ने, हरियाणा के जन मानस ने बहुमत के आधार पर इस सरकार को 5 वर्श के लिए भाासन करने का अधिकार दिया है सरकार ने अपना पद भार सभालते ही, जो चुनावो वायदे किए थे, उनको अमल मे लाने की भुरू से ही कोि ा ा की है। लेकिन हमारे कुछ विपक्ष के भाईयो को इस सरकार द्वारा किये जा रहे विकास के कार्यो से तकलीफ हो रही है। क्योकि भाायद उनको लगता कि जो काम हम इतने समय मे सरकार मे रहते हुए नही कर पाये वह काम यह सरकार इतने कम समय मे यानि 18 महीनो मे क्यों करने जा रही है ? अध्यक्ष महोदय, अधिक से अधिक वक्ताओ ने कहा है कि there ios a shotage of power. Our States is well placed State in the Country. अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रान्त दिल्ली से सटा हुआ प्रान्त है। यहा पर सडको का जाल बिछा हुआ है। हमारे यहा पर रेल की पटरियो है। हमारे यहा पर 3700–3800 रोडवेज की बसो का एक बडा बेडा है जिसके जरिए हम एक संस्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से आ जा सकते है। हमारे यहा पर इन्टरनै ानल हवाइ अड्डा है। हमारे यहां पर सारा इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। यदि यहां पर कमी है तो बिजली की है। बिजली की की कमी की वजह से ही जहां हमार स्थान सारे दे ा मे सब प्रान्तो से अच्छा होना चाहिए था, इस बिजली की कमी की वजह से नही हो पाया। कल

विपक्ष के नेता चौधरी औमप्रका ा चौटाला अपनी बात कर रह थे कि हमारे भाासन मे किसानो को 24 घंटे बिजली दी जाती थी। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहूगा कि अगर आप आकडे देखेगे तो आपको पता चल जायेगा कि अब पहले की अपेक्षा क्या स्थिति है? वर्श 1986–87 मे हमारे पास 18 लाख 64 हजार कन्जूमर्ज थे और इन्सटाले ान मे कैपेसिटी 1540 मैगवाट थी। वर्श 1996–97 मे हमारे पास 32 लाख 85 हजार कन्ज्यूमर्ज है और इन्सटाले ान कैपेसिटी केवल 1760 मैगावाट है। मै बताना चाहता हू कि इन 10 वर्शा मे 14 लाख 21 हजार कन्जयूमर्ज बढ गए और हमारी जनरे ान कैपेसिटी केवल 220 मैगावाट बढी है।

श्री जवबिन्द सिंह सन्धुः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र जी मेरी परमी ान के बगैर जो कुछ कर रहे है, उसे रिकार्ड न किया जाये।

श्री अनि विजः अध्यक्ष महोदय, मै अपनी बात को दोहराना चाहता हू कि इन 10 सालो मे 14 लाख 21 हजार कन्जयूमर्ज बढे और हमारे प्रदे ा को बिजली की जनरे ान केवल 220 मैगावाट बढी। अध्यक्ष महोदय, इसमे बडी आसानी से समझा जा सकता है कि किसी प्रदे ा की तरक्की के लिए बिजली को बढाया जाना कितना जरूरी है। उस प्रदे ा को अत्यधिक तरक्की हो सके उसके लिये बिजली का उत्पादन भी बढाया जाना उतना ही जरूरी है। जिस भारीर से खून दौडता है उसको नसें काम

करती है और उसका हीमोगलोबीन अच्छा रहता है तो वह ठीक काम करता है उसी प्रकार से हमारी सरकार सबसे ज्यादा ध्यान बिजली की स्थिति को सुधारने की तरफ दे रही है और दिया है बिजली की स्थिति ठीक करने के लिए, बिजली की जनरे ान बढाने के लिए, बिजली की ट्रासमी ान के लिए और बिजली की व्यवस्था को ठीक रकने के लिए और सब स्टै ान बढाने के लिए इस सरकार ने महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाए है। जिसके लिए महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे भी जिकर किया है। वर्ल्ड बैक से 2400 करोड रूपये का ऋण भी मन्जूर हो चुका है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैक एक ऐसी संस्था है जो अपना एक एक कदम सोच विचार कर और समझदारी से उठाती है। अगर वर्ल्ड बैक ने इतना ऋण मंजूर किया है तो यह इस बात का सर्टिफिकेट है कि हमारी सरकार बिजली के बारे मे जो काम कर रही है वह बहुत सोच समझ कर कर रही है और सुधार ला रही हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद अधिकतर वक्ताओ के भाराबबन्दी के बारे मे अपनी बात कही है। अध्यक्ष महोदय, यह भी इस सरकार द्वारा उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। इस बारे मे बहुत चर्चा की जा रही है और कटाक्ष भी किये जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, मै भी इस बात को मानता हू कि भाराब बन्दी को जितनी सफलता मिलनी चाहिए थी, उतनी सफलता नही मिल पाई है लेकिन केवल इसी एक आधार पर इस नीति को क्रीटीसाईज करना ठीक बात नही हे। हमारी सरकार इस बात के लिए बधाई की पात्र है। हमारी सरकार ने महात्मा गांधी के सपने को साकार किया है। हमारे

सविधान मे जो डायरैक्टिव प्रिसिपल्ज है उनमे भी भाराब बन्दी करने की बात कही गई है उसको हमने अपने प्रदे ा मे लागू किया है। लेकिन हमारे विपक्ष के साथी बार बार इस बात की चर्चा करते है कि भाराब बन्दी पूरी तरह से लागू नही हो पाई है। मेरे विरोधी पक्ष के भाई बार बार यह कहते है कि भाराब बन्दी मे पूरी सफलता नही मिल पाई है। मेरे भाई दिलू राम जो इस समय सदन मे नही बैठे हुए है उन्होने बिल्कुल ठीक बात कही थी कि हम यहा पर बैठे हुए सभी लोग अपने अपने गिरेबान के झांक कर देखे कि हम मे से कितने लोगो ने भाराब पीनी छोड दी है उसके बाद ही कोई कारगर बात हो पाएगी। सबसे पहले हम अपने आप पर नजर डाले और अपने आप से पूछे कि भाराब पीने बन्द की है या नही। सही अर्थो मे भाराब बन्दी उसी दिन लागू होगी जब हम यहा पर बैठे हुए 90 के 90 लोग अपने भाराब पीने पर पूरी तरह से पाबन्दी लगा देगे तो भाराब अपने आप बन्द हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मै दावे के साथ कह सकता हू कि जिस दिन हम 90 के 90 लोग भाराब बन्द कर देगे तो प्रदे ा मे भाराब पर 100 परसैन्ट पाबन्दी लागू हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, केवल सरकार को दोश देना सरकार पर आरोप लगाना और सरकार का केवल इसलिए विरोध करनो क्योकि हम विरोध मे बैठे है और विरोध हमे हर हाल मे करना है, यह ठीक बात नही है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष का तो यह हाल है कि कोई भी बात कही जाए, उन्होने उसमे अपनी ही अर्थ निकालना है। इस बारे मे मै एक बात कहना चाहता हू कि एक बार एक सो ाल वर्कर गांव मे जा कर लोगो को समझा रहा

था कि भाराब पीने गलत है और भाराब पीने से यह यह नुकसान होता है। जब अपनी बात वह लोगो को नही समझा पाया तो उसने भाराब मंगाई और वह भाराब कीडो पर डाली और उनको समझाया कि भाराब डालने से कीडे भी मर जाते है। लेकिन वे लोग जो कि भाराब पीने वाले थे उन्होने उसका अर्थ यह निकाल लिया कि भाराब हमारे पेट के कीडे मार देती है इसलिए हम भाराब पीना जारी रखे हुए है। अध्यक्ष महोदय, हालांकि भाराब बन्दी मे कुछ कमिंया है लेकिन यह पग उठा कर हमारी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और हमे पूरी उम्मीद है कि सरकार को इसमे पूरी सफलता मिलेगी लेकिन उसके लिए इस माननीय सदन के सभी साथियो के सहयोग की आव यकता है। जब तक आप सभी लोग इस कार्य मे सहयोग नही करेगे, तब तक इस काम मे पूरी सफलता प्राप्त नही की जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के विशय पर बात करते हुए माननीय ि ाक्षा मंी जी कीभाराब हमारे पेट के कीडे मार देती है इसलिए हम भाराब पीना जारी रखे हुए है। अध्यक्ष महोदय, हालांकि भाराब बन्दी मे कुछ कमिंया है लेकिन यह पग उठा कर हमारी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और हमे पूरी उम्मीद है कि सरकार को इसमे पूरी सफलता मिलेगी लेकिन उसके लिए इस माननीय सदन के सभी साथियो के सहयोग की आव यकता है। जब तक आप सभी लोग इस कार्य मे सहयोग नही करेगे, तब तक इस काम मे पूरी सफलता प्राप्त नही की जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के विशय पर बात करते हुए माननीय

ि ाक्षा मंत्री जी को तथा इस सरकार का धन्यवाद देना चाहूगा। इस सरकार ने ि ाक्षा के क्षेत्र मे 375 स्कूलो का दर्जा बढाया है। 112 प्राईमरी स्कूलो को मिडल स्कूल, 120 मिडल स्कूल और 143 हाई स्कूल का दर्जा बढाया गया है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मै सरकार की जितनी भी सराहना करू, वह थोडी है। अध्यक्ष महोदय, किसी भी क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए उच्च चरित्र की आव यकता होती है। ि ाक्षा के क्षेत्र मे यदि हम साक्षराता का लक्ष्य प्राप्त कर लेते है तो लोगो की अधिकतर समस्याए अपने आप हल हो जाएगे। इस मामले मे समाज भाास्त्रियो और ि ाक्षा भाास्त्रियो का भी यह मत हैं अध्यक्ष महोदय, आप भी ि ाक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए है। मै यह कहना चाहता हू कि केवल ि ाक्षा का दर्जा बढा देने, स्कूलों की गिनती बढा देने से ि ाक्षा के क्षेत्र मे सुधार नही हो सकता है। हम सबको बैठकर ि ाक्षा के बारे मे, ि ाक्षा देने के लिए सिलेबस और इसके ढांचे के बारे मे सोचना चाहिए। आज हमारे सामने अधिक चुनौतियां है और उसके लिए हमे अपने विधार्थियो की तैयार करना है। आज हमारे प्रोरीगेटिव बदले है, आज हमारा प्रायौरिटीज बदलो है अध्यक्ष महोदय, आज हमे सबको मिल बैठकर ि ाक्षा मे सुधार करने के लिए विचार करना चाहिए। आजादी से पहले मिल बैठकर ि ाक्षा मे सुधार करने के लिए विचार करना चाहिए। आजादी से पहले जो ि ाक्षा हमारे दे ा मे आरम्भ की गई थी उनकी जरूरते और थी, वे केवल सहयोगी पैदा करना चाहते थे। उनको और अधिक जिम्मेवारिया देने की जरूरत नही थी। उनकी ऐसे आदमियो की

जरूरत थी जो अग्रेजो के काम मे मदद कर सके। लेकिन आज हमारी जरूरते बदली है, आज हमे लीडर्ज पैदा करने है। आज हमे ऐसे नौजवान पैदा करने है जो सारे राश्ट्र की जिम्मेवारियो को सम्भाल सके और समझ सके। इसलिए आज की ि ाक्षा के ढांचे मे मूलभूत परिवर्तन करने की आव यकता है। अध्यक्ष महोदय, आज भी प्र ान काल मे चर्चा हुई कि हमारे प्रान्त मे ि ाक्षा के क्षेत्र मे भेद भाव हो रहा है वह भेदभाव सरकार को समाप्त करना चाहिए। मेरा विचार यह है कि हमारे प्रान्त मे ि ाक्षा काएक ही सिलेबस होना चाहिए। चाहे वह हरियाणा एजुके ान बोर्ड से हो, चाहे सी0बी0एस0ई0 से ऐफिलिएटिड हो। यानि कि ऐफिलिए ान एक ही बोर्ड से हो, चाहे सी0बी0एस0ई0 से ऐफिलिएटिड हो। यानि कि ऐफिलिए ान एक ही बोर्ड की होनी चाहिए ताकि हम सब विधार्थियो को एक जैसा ही ि ाक्षा प्रदान कर सके। अगर ऐसा होगा तो हमारे विधार्थी आने वाली चुनौतियो से निपट सकेगे। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, ने अपने अभिभाशण मे परिवहन और समाज कल्याण के बारे मे बात कही है। हमारी सरकार ने ओल्उ एज पै ान की सीमा 65 साल से 60 साल कर दी है और 70 हजार लोगो को इसका बैनिफिट दिया जा रहा है। अपनी बेटी अपना धन स्कीम के तहत 38 हजार लोगो को इसका लोभ दिया गया है। विडो पै ान के तहत 2 लाख 33 हजार विडोज को इसका फायदा दिया जा रहा है। हैडिकैप्ड पें ान के तहत 42 हजार लोगो को फायदा दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण मे नगर पालिका

प्र ाासन के बारे मे बात कही गई है। इसमे बताया गया कि 10वे वित्तायोग की सिफारि ाो के अनुसार एक करोड रूपए नगरपालिकाओ मे 4.69 करोड रूपए का मलिन बस्तियो के सुधार के लिए खर्चा किया गया है। इसके बारे मे मै कहना चाहता हू कि मलिन बस्तियो की स्थिति पर और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। जो बस्तिया मेरे भाहर मे है वे काफी देरसे वहां पर बसी हुई है उनकी काफी देर से मांग है कि उनके कीमत लेकर उनको जगह का मालिकान हक दे दिया जाए ताक वे लोग उन जमीनो के मालिक बने सके। अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसा होगा तो उनको काफी मदद होगी। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने क्षेत्र का अन्य समस्यओ के बारे मे बात करना चाहूगा। हमारे क्षेत्र मे पिछले वर्श मुख्यमंत्री जी ने आ वासन दिया था कि वहां पर एक गवर्नमैट कालेज खोला जाएगा और मै इसके लिए उनका धन्यवाद करता हू कि वहां पर वह कालेज कार्य कर रहा है। लेकिन मै मुख्यमंत्री जी को यह कहना चाहूंगा कि उस कालेज मे और सुधार करने की जरूरत है तथा वहां पर और अधिक एक्सपैं ान करने की जरूरत है। मै चाहूगा कि अगले सत्र से वहा पर साईस की क्लासिज भी लगाई जाए। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैट एक इम्पलाईज डोमिनैट क्षेत्र है वहा पर भााम को ि ाक्षा प्राप्त करने वालो की बहुत बडी सख्या है। मै यह भी चाहूगा कि वहा पर पोस्ट ग्रेजुएटस के लिए इवनिंग क्लासिज खोलो जाए। इसमे सरकार को कोई खर्च नही करना पडेगा और बहुत से लोगो को उससे लाभ होगा। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात कर्मचारियो के बारे

मे और कहकर अपना स्थान ग्रहण करना चाहूगा। सरकार ने अपने वायदेके तहत कर्मचारियो को पाचवे वेतन आयोग की सिफारि ो के अनुरूप पूरी तरह उनको वेतनमान देने की घोशणा की है। लेकिन अभी भी उसमे कुछ ऐनोमलीज रह गयी है। मै मुख्यमंत्री जी ने अनुरोध करूगा कि वे इस बारे मे कोई न कोई एक समिति जरूर गठित करे ताकि उनकी जो ऐनोमलीज अभी रह गयी है उनको दूर किया जा सके। कर्मचारी हर जगह से आज यह कहते है कि उनकी बात नही सुनो जाता तो मै मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूगा कि उनको बातचीत का एक अवसर जरूर देना चाहिए और जो उनकी उचित मांगे है, उनको मान लिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने जो मुझे अपनी बात कहने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री अ ोक कुमार (थानेसर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे गवर्नर एड्रैस पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। सर, कल से यहां पर गवर्नर एड्रैस पर चर्चा चल रही है। इस अभिभाशण के अंदर काफी बाते कही गयी है। इसमे कहा गया है सरकार बिजली का सुधारीकरण कर रही है। अध्यक्ष महोदय, बिजली के क्षेत्र मे और अधिक कार्य करने की बात इस अभिभाशण मे कही गयी है। अभी मेरे से पहले बोलते हुए अनिल विज ने भी बताया कि हमने अपने राज मे 24 घन्टे बिजली दी। उन्होने यह भी कहा कि बिजली की मांग बढ गयी और प्रोडक ान

न बढने की वजह से वे बिजली पूरी नही दे सके। स्पीकर साहब, इस बात का पता तो मुख्यमंत्री जी को लोगो से वायदा करने से पहले होना चाहिए था। ये लोगो के बीच मे जाकर कहा करते थे कि मेरी सरकार बनने पर लोगो को 24 घंटे बिजली देगे और 24 घंटे के अंदर अदंर ट्रांसफार्मर बदल दिए जाएगे। मेरे से पहले बोलने वाले कई साथियो ने भी बताया कि बिजली आज की पर भी नही मिल रही है। हमारा कुरूक्षेत्र जिला जो कि जीरी का उत्पादन करता है चावल उत्पादन का जिला है ंवहां पर पिछले दिनो काफी बिजली की कमी रही जिसके कारण वहां के छोटे किसानो ने इंजन और जैनरेटर लगाए और फिर उसके बाद उन्होने अपने टयूबवैल्ज से पानी निकाला। स्पीकर साहब, अभिभाशण मे सिचाई के बारे मे भी कहा गया कि सरकार ने सिचाई की पूरी योजनांए बनायी है ताकि प्रदे ा के अंदर किसानो का भला हो सके। अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पहले मुख्यमंत्री जी कहा करते थे कि मै एस0वाईएल0 कैनाल बनवाऊगां, गंगा का पानी हरिद्वार सेयहा लाकर दूंगा और हमारे क्षेत्र मे ये दादूपुर नलवी नहर बनाने की बात किया करते थे। अध्यक्ष महोदय, दादूपुर नलवी नहर हमारे लिए बहुत जरूरी है क्योकि कुरूक्षेत्र जिले का पानी 70–80 फुट तक नीचे चला गया है और वहां के किसानो को अपने टयूबवैल्ज मे इतनी ही नीचे मीटरे लगानी पडती है। बरसात के दिनो मे टयूबवैल्ज के गैस बन जाती है जिसके कारण वहां पर किसानो की मौत हो जाती है। इसलिए मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि दादूपुर नलवी नहर को भीघ्र बनाया जाए। अध्यक्ष

महोदय, जब तक यह नहर नही बनती तब तक मुख्यमंत्री जी कुरूक्षेत्र जिले से इनका अत्याधिक लगावा के कारण यह काम कर सकते है। अध्यक्ष महोदय, कुरूक्षेत्र जिले से इनका अत्यधिक स्नेह रहा है। जब ये पहले मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब ये नरवाना ब्रान्च के ऊपर बडे बडे टयूबवैल्ज लगाकर यहां का पानी अपने यहां खीच कर ले गए थे इसलिए कृपा करके अब मुख्यमंत्री जी तब तक उन टयूबवैल्ज को बंद करवा दे जब तक कि हमारी दादूपुर नलवी नहर नही बन जाती। अगर ये ऐसा नही करते तो हमारे कुरूक्षेत्र जिले की पूरी धरती बंजर बन जाएगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा ि ाक्षा के बारे मे भी अभिभाशण मे कहा गया है कि सरकार ने 375 स्कूल्ज को अपग्रेड किया है यानि ि ाक्षा को बढावा दिया। मुख्यमंत्री जी ने लोगो के बीच मे भी और आंन दी फ्लौर आफ दी हाउस भी कहा था। हमने पजांबी को दूसरी भाशा का दर्जा दे दिया है। अध्यक्ष महोदय, पजांबी को दूसरी भाशा का दर्जा सिर्फ कागजो मे ही दिया गया है क्योकि असलियत मे यह बात नही है। इन्होने कहा था कि अगर पजाबी पढने वाला एक भी बच्चा होगा तो हम उस स्कूल मे पजांबी का टीचर लगा देगे परन्तु अनेक स्कूलो मे बीस या तीस बच्चे पंजाबी पढने वाले है लेनिक सरकार ने वहां पर पजांबी का टीचर नही लगाया है इसलिए मै ि ाक्षा मंत्री जी ने अनुरोध करूगा कि वे ऐसे स्कूल मे पजांबी टीचर अव य लगाए। अध्यक्ष महोदय, कानून व्यवस्था के बारे मे भी कहा गया। सरकार के लिए पहला काम कानून व्यवस्था ठीक रखना होता है। प्रदे ा के लोग अमन ओर चैन से रहे यह

सरकार की ड्यूटी होती है। पिछली सरकार के बारे मे काफी कुछ कहा गया तो अब क्या किया गया है। यह भी बताए ? लां एण्ड आर्डर की सिचुऐ ान प्रदे ा मे खराब है पिछले दिनो करनाल के पास तराबडी का एक उघोगपति जिसका नाम दौलत राम है वह करनाल से बैक से पैसा निकाल कर ला रहा था। जे0टी0 रोड पर उसके सिर पर चोट मार कर उससे 5 लाख रूपये खोंस लिए लेकिन अपराधियो का अब तक कोई पता नही लगा है। कुरूक्षेत्र का प्रवीण कुमार है उसका मुनीम करनाल से बैक से पैसे लेकर निकला उससे 2 लाख 70 हजार रूपया खोस कर ले गए लेकिन अपराधियो का इस केस मे भी कोई पता नही चला। मेरा गृह मंत्री जी से अनुरोध है कि जी0टी0 रोड के ऊपर कोई ऐसी मोबाइल व्यवस्था की जाए जिसे अपराधिक किस्म के लोगो को पकडा जा सके। आज कर्मचारियों के बारे मे कहा जाता है कि हमने पांचवे वेतन आयोग की सिफारि ो मानकर कर्मचारियो के लिए बहुत अच्छा काम किया है लेकिन सारे कर्मचारी परे ाान है क्योकि वेतनो मे काफी विसंगतियां है जैसा अभी विज साहब ने कहा कि उनकी बात सुनकर उनकी जायज मांगो को माना जाए यह मेरा भी निवेदन है। अब मै बिजली के बारे मे बात कहना चाहूगा मेरे हल्के के पिपली के अंदर 132 के0वी0 का सब स्टे ान मंजूर हुआ था और पिछले विधान सभा सत्र मे कहा भी था कि उसको बनाने जा रहे है परन्तु उस पर अब तक एक ईंट भी नही लगी। मेरा मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि वे जल्दी से जल्दी इस काम को चालू करे। इनके साथ ही मेरा जनस्वास्थय मंत्री जी अनुरोध है और

कल उन्होने एक सवाल के जवाब मे कहा भी था कि जिन गावो मे 70 लीटर प्रति व्यक्ति दिन पानी की उपलब्धता है वहा पर घरेलू कनैक ान दिए जाते है मेरे हल्के मे कई गांवो मे इतना पानी उपलब्ध है क्या वहां मंत्री जी घरेलू कनैक ान देने का कश्ट करेगे जवाब के समय बताने की कृपा करे। इसी प्रकार नगर पालिकाओ मे सफाई कर्मचारियो की नियुक्ति का मामला है जहा नगरपालिकाएं बनी हुई है वहां काफी समय मे सफाई कर्मचारियो की नियुक्ति नही हुई है जिसकी वजह से गंदगी फेली हुई है इसलिए भीघ्राति ीघ्र सफाई कर्मचारियो की नियुक्ति की जानी चाहिए। आज यक कहा जाता है कि हमने अपने किए हुए वायदे पूर कर दिए है। और बी0जे0पी0 के भाई कहते है कि 16 फरवरी आने दो दिखा देगे। आज तो लोग यह कहते है कि बी0जे0पी0 तेरा फूल सूख गया बिल बिजली बिना पानी, जिसमे फूल सुखाया तेरा उसका जिला भिवानी। अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दो के साथ आपका बहुत धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान लेता हू।

श्री जसविन्द्र सिह संधु (पेहवा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा हो रही है। गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण को पढते हुए चुनाव आचार सहिता की धज्जियां उडाई उनका सरासर उल्लंघन किया उसकी वजह से हमे अभिभाशण का बहिश्कार करना पडा। अध्यक्ष महोदय, आपने सभी सदस्यो को बोलने के लिए दस दस मिनट का समय निर्धारित

कर दिया है इस दस मिनट की समय मे मै यदि सरकार की करतूतो का पर्दाफा ा करूंगा तो मेरे अपने निर्वाचन क्षेत्र की बात रह जाएगी और अब इन्हे 16 तारीख को जनता की अदालत मे तो जाना ही है उस दिन इनकी करतूतो का जनता पर्दाफा ा कर देगी। मै सबसे पहले कानून और व्यवस्था के बारे मे गोदारा साहब से निवेदन करना चाहूगा।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर सदन को सहमति हो तो बैठक का समय आंधा घटां बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय आंधे घंटे के लिए बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जसविन्द्र सिह संधु (पेहवा): अध्यक्ष महोदय, सन् 1991 मे चौधरी भजन लाल जी की सरकार आई थी और तब से अब तक 8 लोगो के मर्डर हुए है जिनमे से एक भी मामला ट्रेस नही हुआ। पिछली मई या जून के महीनो मे भी दो आर0एम0पी0 डाक्टरो का मर्डर हुआ जिनमे से एक पेहवा और एक असमानपुर गांव का था। इसमे जो सलिप्ल थे वह भी ट्रेस नही हुए है। रि वतखोरो के बारे मे भी मै आपके ध्यान मे एक बात लाना

चाहता हू कि पेहवा के थाने मे जो डी0एस0पी0 लगा रखा है वह गांव के मौजिज लोगो को थाने मे बुलाकर उनको बेइज्जत करता है। पेहवा मे आजकल रि वखोरी चरम सीमा पर है। (विघ्न) वह बहुत बुरी तरह से लोगो से पे ा आता है और मां बहन की गालियां देता है जो कि उसको कानूनी अधिकार भी नही है। सरकार को उस डी0एस0पी0 पर नकेल डालनी चाहिये वरना पेहवा की बहादुर जनता इस बात को बर्दा त नही करेगी। एक बात मै कृशि मंत्री जी से कहना चाहता हू कि पिछले एक डेढ महीने मे खराब मौसम की वजह से या खराब बीज या दवाई की वजह से या बारि ा की वजह से गेंहू की बिजाई दो दो बार करने के बाद भी गेंहू उग नही सकी और किसानो को दोबारा बहाई करके उसमे सुरजमुखी की बिजाई करनी पडेगी। मेरा कृशि मंत्री जी से अनुरोध है कि किसानो को मुआवजा देना चाहिये या फिर सुरजमुखी की बीज किसानो को बिल्कुल फ्री दिया जाये। तीसरी बात मे माननीय मुख्यमंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहता हू। इस प्रदे ा की सत्ता संभालने के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी पेहवा गये थे । उस समय मुख्यमंत्री जी ने पेहवा की जनता के सामने यह वायदा किया था कि जो यहां पर पट्टेदार है उनको उजडने नही देगे। इसके बारे मे मेरा आपसे अनुरोध है कि यदि सरकार की नीयत साफ है तो ..... (विघ्न)

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे मै आदालत से हुक्म से ऊपर नही जा सकता। मैने ऐसा कभी नही कहा कि उनको उजडने नही देगे। (विघ्न)

श्री जसविन्द्र सधुः यह बात पेपर मे भी नही आई है। (विघ्न)

श्री बंसी लालः पेपल वाले भी आप जैसे होगे।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः मेरा आपसे अनुरोध है कि जिन लोगो ने जंगल को साफ करके आबाद किया है और जमीन को लेवल किया है उन लोगो को बसाने की जिम्मेवारी मुख्यमंत्री महोदय को लेनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह बात सरकार पर ही छोड दी है कि सरकार चाहे तो उन पटटदोरो को, जिनका पट्टा 20 साल के बाद खत्म हो गया है, आगे लम्बे समय तक पट्टे पर वे खेत दे सकती है। क्योकि ऐसा मुख्यमंत्री जी ने प्रदे ा के लोगो के साथ वायदा किया था। जैसा कि दूसरे सदस्यो ने तथा विज साहब ने भी दोहराया कि 24 घण्टे देने की बात कही गयी। (विघ्न)

श्री बंसी लालः मैने नोट छापने और गावो मे बांटने का वायदा तो नही किया था।

श्री जसविन्द्र सिंह सधुः आपने 24 घण्टे बिजली देने का वायदा किया, गंगा के पानी को लाने की बात कही। अध्यक्ष महोदय, माननीय रामबिलास भार्मा जी भी इनके बहकावे मे आ गये

कि साल मे दो बार गंगा जी मे नहाने जाते है। अगर गंगा जी यही पर आ गई तो नारनौंद मे ही डुबकी लगा लिया करैगे।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। जत्थेदार जसविन्द्र सिंह हमारे पुराने साथी है। पिछली बार हमारे साथ ही चुनकर आये थे। जैसा इन्होने पट्टेदारी पर जमीने देने वाली बात कही, यह बात मुख्यमंत्री जी के पास तो बाद मे आई है पहले तो सरकार सुखदेव जी और हमारी पार्टी की कुछ वर्कर भी उनके इस काम से बडे भारी बेचैन थे क्योकि वहा पर कई सालो से यह जमीन लोगो को पट्टे पर का त करने के लिए दी जा रही थी लेकिन वह जमीन सरप्लस होती थी जो कि हिस्सो मे बांट दी जाती थी और लैंडलैस लोगो को दी जाती थी। उस जमीन का विवाद वे सुप्रीम कोर्ट मे ले गए और उस जमीन के विवाद का फेसला सुप्रीम कोर्ट से अभी तक नही हुआ है। हम इस बारे मे माननीय मुख्यमंत्री महोदय के पास भी ि ाकायत लेकर गए। मुख्यमंत्री महोदय ने भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फेसला होने के बाद उसके अनुसार ही कार्यवाई करेगे। इनको क्या कहे कि गुरू तो भागे और इनको चेला बनाने के लिए कोई आदमी तैयार नही है। (हंसी) मै जवविन्द्र सिंह जी को कहना चाहूगा कि आप तो पंच प्यारो मे से थे। (विघ्न) आपको तो ऐसा बात नही बोलनी चाहिए।

श्री बसी लाल: अध्यक्ष महोदय, मै एक बात साफ कर देना चाहता हू कि हमने पट्टेदारो से बात की है, तथा आगे भी

हम ही उन से बात करेगे, वे हम से बात करेगे, इस मामले मे फेसला भी होगा मगर हमे इनकी जमानत नही चाहिए। हम तो सीधे ही बात करते है। ये बीच मे कौन होते है?

श्री जसविन्द्र सिंह सधुः अध्यक्ष महोदय, इन्होने मेरे हल्के से जो पहलवान खडा किया था, उसको जमानत तो जब्त हो गई थी। पेहवा हल्के की जनता मु झे अपना नुंमाईदा समझती है, वहां से उन्होने मुझे चुनकर के इस सदन मे भेजा है। अगर मै अपने हल्के की बाते यहा पर नही करूंगा तो फिर अपने हल्के के लोगो को क्या जवाब दूंगा जिन्होने मुझे यह जिम्मेवारी आयद की है। उससे भी बढकर आने वाली 16 फरवरी के चुनावो मे हम आपको बता देगे कि आप किस भाव मे बिकते है। आप एक सीनियर नेता है, आपको तो कम से कम ऐसी बातो का प्रयोग नही करना चाहिए।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै फिर कहना चाहता हू कि हम इसको बीच मे जामिन नही बनाएगे। हमारी पट्टेदारो ने सीधी बात चल रही है। ये तो बिगडाने वाले है, बनाने वाले नही है। ये खीर मे नमक डालने वाले है।

श्री जसविन्द्र सिहं सधुः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बसी लाल जी ने 1996 के चुनावो मे तो .... बोलने का रिकार्ड ही तोड दिया।

श्री अध्यक्षः यह झूठ भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, इन्होने पब्लिक मे जाकर यह वायदा किया कि पैट्रोल पम्पस दे दूंगा, गैस की एजैसिया दे दूगा। ये कह दे कि क्या इन्होने यह बात नही कही है? यह भी कहा कि 24 घंटे बिजली दूंगा, प्रदे ा मे पूर्ण भाराबबंदी लागू कर दूगां। लेकिन कुछ भी नही किया गया है। (ाोर)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै साफ करना चाहता हू कि पैट्रोलपम्पस और गैस की एजैसियां देने के लिए हमने प्रधानमंत्री और संबधित मंत्री को केन्द्र मे चिटठी लिखी है कि हरियाणा प्रदे ा मे बेरोजगार युवको की सोसाइटीज को ये दिए जांए। क्योकि ये चीजे तो भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र मे है। हम उन को बराबर याद भी करवा रहे है। (विघ्न एवम भाोर)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, ये अपने आपको पढ लिखा समझते है। अपने आपको बहुत ही इटैलीजैट समझते है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र सिंह जी, आप अपनी बात एक मिनट मे पूरी करे। इसके साथ ही साथ मै यह भी क्लीयर कर देना चाहता हू तथा खासकर मेरे बाई और जो भाई बैठे है उनसे मे निवेदन करना चाहता हू कि आप ऐसे बोल रहे है जैसे कि पब्लिक मे भाशण दे रहे हो। ये सदन है। यहा पर सीमा मे ही बोलना चाहिए। साथियो, बुजुर्गो इत्यादी भाब्द तो बाहर जाकर के

ही बोलने चाहिए। यहा हाउस मे ऐसे भाब्द बोलना भाोभा नही देता है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। इस मोहल्ले मे से जब कोई बोलता है तो ऐसा लगता है कि जैसे रामलीला मे कोई आदमी पर्दे के पीछे से बोलता हो। (विघ्न)

Mr. Speaker: Hon'ble Members I may make clear that unparliamentary words should be avoided; otherwise they would not be recorded.

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, जब कोई विपक्ष का भाई बोलता है तो एक सदस्य इनके पीछे से जो इनको गुरू छोडकर गए है लगातार वही बाते दोहराते है। कल से हम यहां सुन रहे है कि मुख्यमंत्री ने वायदे किए और मुख्यमंत्री ने ये वायदे पिछले एक महीने से कम से कम 100 जनसभाओ मे दोहराए है। आज भी हम सारे वायदो को दोहरा रहे है। 24 घंटे बिजली देने का वायदा हमने किया लेकिन उसके लिए हम दिन रात लगे हुए है यह बात इनकी हजम नही हो रही है। 18 साल मे किसी ने एक मैगावाट बिजली अतिरिक्त पैदा नही की, केवल 18 महीने मे 1500 मैगावाट बिजली पैदा करने का काम कैसे भाुरू हो गया है यह बात इनको हजम नही हो रही है। हर बात मे मुख्यमंत्री की बात कह रहे है कि आप पेहवा गए थे और आज पेहवा जा रहे है। ले देकर के 16 फरवरी की बात करते है। मैने कल चौटाला जी को

भी बताया था कि ले देकर के कां ीराम जी और चौटाला जी अब क्या हलोदरा हो गए है। उनका कोई नि ाना नही है, कोई सविंधान नही है। एक से ज्यादा चुनाव एक नि ान पर लडते नही। बैठे बैठे इनकी पार्टी को कोई पीछे से बदल देता है। अब कां ीराम के साथ मिलकर हरियाणा मे 10 सीटो पर लोकसभा का चुनाव लड रहे है। जिस आदमी को ये प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे, वह कहता है कि मेरा तो सम्मान नही है, मेरा आत्मवि वास नही है मै लोकसभा का चुनाव नही लडता क्योंकि उसको पता लग गया कि इन्होने किरपा राम पुनिया, जी0डी0 तपासे और चांद राम को भारत का राश्ट्रपति बनाने के लिए कहा था लेकिन ये बना नही पाए। करनाल मे इनको कोई उम्मीदवार नही मिला तो ये दारा सिंह के पास पहुचे। भाई जसविन्द्र सिंह से मेरा कहना है कि 16 फरवरी को अभी 20 दिन पडे है। अभी हम भिवानी से इनके बारे मे पता करके आए है। इन्होने वहा क्या क्या किया और इनका क्या हाल हुआ। पिछली बार भी इनका कोई खाता नही खुल सका। कल इनको क्या हालत हुई ? भिवानी की सडको पर क्या हुआ? वह भी ये बताएगे। कल ये वहा जनसभाए नही कर सके। हांसी रोड पर ट्रैफिक जाक कराया ताकि कोई रोजा मच सके। आपसे मै अनुरोधा करूगा कि आलोचना करना, गल्लितयां बताना विपक्ष का फर्ज है लेकिन जब इनके पास कोई तर्क हो ये तभी आलोचना करे। पिछली बार भजन लाल जी ने माफी मांगकर जान छुडाई। पिछले सै ान मे चौधरी भजन लाल ने कहा था कि भिवानी मे भाराब पीकर 12 आदमी मरे जब हमने

कहा कि उनके नाम बताओ तो बोले वह कागज तो मेरे दिल्ली वाले कुरते की जेब मे रह गया 3 दिन बाद जब फिर पूछा गया तो बोले सिलीपरी आफ टंग हो गया और माफी मांगर जान छुडाई। ये फिर 12 का अंक पकडे हुए है। कल चौटाला जी ने भी 12 आदमियो का जिकर किया। इस बारे मे बातचीत मे सारी बात आएगी तो मेरा अनुरोध है जिसको गंधी मरी पडी हो उसको रिवाडी का भाडा नही करना चाहिए। इसलिए आप बार बार 16 फरवरी की बात न करे। 16 फरवरी नजदीक है।

श्री धीरपाल सिहः स्पीकर साहब, हमे ि ाक्षा मंत्री जी से काफी आ ाए थी लेकिन उन्हे हमारी पार्टी और बी0एस0पी0 मे समझौता होने से पता नही किस बात की पीडा हुई। हमारा आपस मे समझौता होने स पता नही वे इतने बेचैन क्यों है? करनाल मे इनकी रैली जिस ढंग से फेल हुई, उसका आपको पता है। मै कहना चाहता हू कि यह सदन चुनावो मुददा लाने का प्लेट फार्म नही है। स्पीकर साहब, हमारे ि ाक्षा मंत्री भार्मा जी बडे योग्य मंत्री है इनको मै कहना चाहूगा कि यहां पर जनता बैठी हुई है इसलिए आप सदन को चुनावी दंगल न बनाए, जनता आपको माफ नही करेगी। यह ठीक बात हो सकती है कि आपकी कुर्सी की बहुत ज्यादा चिन्ता है। यदि आप ट्रैजरी बैचिज पर बैठे हुए है तो हम भी विपक्ष मे बैठे हुए है। आवाज हमारे पास भी है और भाब्द हमारे पास भी है। मेरी आपसे गुजारि ा है कि आप चुनावो मुददा

ले कर सदन को किसी गांव को पब्लिक मीटिंग न बनाए इसको सदन ही रहने दे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, जब भी इनकी पार्टी का कोई विधायक बोलता है तो वह 16 तारीख के चुनाव से अपनी बात कहना भारू करता है। धीरपाल जी आपका जो हलोदरा का लीडर है वह कल ही सदन से भाग गया था पता नही वह होलो मंगलाने गया है पता नही क्या करने गया है ? अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी हमारे पूराने साथी है। हम दोनो इस सदन मे लगातार चौथी बार आए है। चौधरी धीरपाल जी आप अलोचना करे लेकिन आपके पास कोई तर्क हो तो आप हमारी अलोचना करे। आप अलोचना करने के लिए आलोचना न करे। अगर हम कोई गुनाह करते है तो वह आप हमे बताए हम उसका स्वागत करेगे परन्तु आपकी तरफ से आलोचना के लिए आलोचना की जा रही है और वह भी आप मुख्यमंत्री जी से भुरू करते है यह बडी गलत बात है। मुख्यमंत्री जी विधान सभा के हर चुनाव मे गए थे हर चुनाव मे पब्लिक मीटिग मे गए है और अब भी जा रहे है।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड के लगभग 1700 कर्मचारी जो बर्खास्त किए हुए है वे पिछले डेढ महीने से चण्डीगढ के सैक्टर 17 मे थर्टीबेज बिल्डिंग के सामने धरने पर बैठे है वे नौजवान साथी ठण्ड की वजह से बीमार हो गए है मेरा कहना है कि उनको दोबारा से नौकरी पर लिया जाना

चाहिए। स्पीकर साहब, मै राम बिलास भार्मा जी का बडा सम्मान करता हू लेकिन ये चमचा मार मार कर इस हद तक पहुंच जाएगे यह हमे उम्मीद नही थी। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को कोई काम की बात कहनी चाहिए लेकिन ये श्री ओम प्रका ा चौटाला के चेले है इसलिए इस तरह की बात कह रहे है। (ाोर)

श्री जवविन्द्र सिंह सधुः ओमप्रका ा चौटाला के चेले आप भी रहे हो। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, कल मैने इनके गुरू श्री ओमप्रका ा चौटाला की तसल्ली तो कर दी थी। अध्यक्ष महोदय, भगवान की दया से हमको त्रिकाल की दृश्टि मालूम है चौधरी देवी लाल जी के हाथ मे मुख्यमंत्री की टोपी थी और उन्होने यह टोपी 2 दिसम्बर, 1989 को इनके नेता श्री ओमप्रका ा चौटाला के सिर पर रखी थी। हमने डाक्टर मंगलसैन जी के नेतृत्व मे 1986 के अन्दर एक सघर्श किया था। चौधरी देवी लाल और हमने मिल कर वह सघर्श किया था और वह संघर्श हमने हरियाणा के हित मे किया था। ठीक 2 दिसम्बार 1989 को जिस दिन श्री ओमप्रका ा चौटाला मुख्यमंत्री बने उस दिन भारतीय जनता पार्टी के 6 लोग उनके मंत्रीमण्डल मे भाामिल हुए। डा0 मगंलसैन, बहन कमला वर्मा, श्रीमति सुशमा स्वराज, श्री सीता राम सिंगला, और मै उस मंत्री मण्डल मे भाामिल हुए। हमने देयर एंड

देने कहा कि हमारे इस पार्टी के साथ बोल नही मिलते विचार नही मिलते हमने देयर एड देन उस मंत्रिमंडल को त्याग दिया। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद अम्बाला छावनी का बाई इलैक ान सिंह चट्ठा सदन के मैम्बर नही है ंवे उस समय सदन के स्पीकर साहब, हुआ करते थे उस समय हमने इनकी पार्टी के नेता की लाख मित्रतो के बावजूद हमने यह कहा कि नही हम अम्बाला छावनी का चुनाव अकेले लडेगे और महम के इलैक ान मे हम आपका समर्थन नही करैगे। क्योकि इनके साथ हमारा मानस नही मिलता था हमारी जहन नही मिलता था। (ाोर)

श्री अ ाोक कुमारः अम्बाला छावनी और महम का बाई इलैक ान एक साथ नही हुआ था।

श्री राम बिलास भार्माः यदि अम्बाना छावनी और महम का बाई इलैक ान साथ साथ नही हुआ तो उसमे थोडा बहुत अन्तर होगा। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला छावनी की सीट श्रीमति सुशमा स्वराज खाली करके राज्यसभा मे गई थी और उस समय कुरूक्षेत्र के अ ाोक कुमार उम्मीदवार बन कर आए। हमारे साथियो ने हमारे साथ महम के इलैक ान का सौदा करने का प्रयास किया और इन्होने कहा कि आप हमारा समर्थन महम मे करे हम आपका समर्थन अम्बाला छावनी मे करेगे लेकिन हमने इनसे कहा कि हमे आपका समर्थन अम्बाला छावनी मे नही चाहिए। स्पीकर साहब, उस समय हमारे सदन के माननीय सदस्य श्री अनिल

विज वहा से चुनाव जीत कर आए। उनको तो कोई भी गुरू चेला बनाने के लिए तैयार नही है। (ाोर एवम विघ्न)

वाक आउट

खाद्य एवम आपूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): अध्यक्ष महोदय, आपने महामहिम के अभिभाशण पर बोलने के लिए और उसका समर्थन करने के लिए समय दिया, उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू।

श्री कृश्ण लाल: अध्यक्ष महोदय, आप हमारे साथियो को बोलने के लिए समय दे। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आप सभी बैठिए। अब श्री गणे ी लाल जी बोलेगे।

श्री कृश्ण लाल: यदि आप हमे बोलने का समय नही दे रहे तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय हरियाणा लोकदल (राश्ट्रीय) पार्टी के सभी सदस्य सदन से वाकट आउट करके चले गए)

राज्य पाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री गणे ी लाल: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हू कि विपक्ष की कुर्सियो और वैचिच खाली पडी है, वे हमारी बात सुने बगैर चले गए। यहां पर बात चल रही

थी गुरू और चेला की। हमारे लिए तो हिन्दुस्तान की जनता हमारा अराध्य देव है और हरियाणा की जनता हमारी पूजा है। हमारे लिए माता पिता, भाई बहन, गुरू तथा मित्राण,आन बान भाान तथा सम्मान कोई है तो हिन्दुस्तान है। सौभाग्य से आज हरियाणा की जनता, जिसमे कर्मचारी, व्यापारी, किसान दलित, उधोगपति ओर जो कुछ है वह हमारे लिए अराध्यदेव है। जो भी हमारा नेता उभरता है हम उसके साथ मिलकर चलते है। उसके साथ कन्धे से कन्धा मिलकार चलते है। उसका जहां पसीना गिरता है उसके लिए हम वहा पर रक्त बहाने के लिए तत्पर रहते है। यह समझ मे नही आता कि यहा पर विपक्ष के नेता गुरू और चेला की बात कर रहे है। राम बिलास भार्मा जी के लिए वे कुछ भी कहे लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये सब लोग ओम प्रका ा चौटाला को अपना गुरू मानकर गए है। अगर ये इस दे ा मे नही रहे तो फिर वे किसको गुरू मानेगे, मु कल हो जायेगा। राज चलता है, व्यक्ति तो आता जाता रहता है। मै विपक्ष के सम्मानित सदस्यो से निवेदन इस आ य से करना चाहता हू कि भाायद ये बाहर बैठे हुए मेरी बात सुन रहे हो। उनको अपना गुरू अव य बदलना चाहिए और इस राश्ट्र से बडा और कोई गुरू नही हो सकता। स्पीकर साहब, यह अभिभाशण हमार मंत्र है। मंत्र के प्रति हम खरे नही उतरते है तो 5 वर्श के बाद हम लोगो के पास वोट मागने के लिए जाने के अधिकारी भी नही है हमारी प्रतिज्ञा है सकंल्प है और प्रबिद्धता है कि इस दे ा के धरती पुत्र को दे ा के किसान अन्त्रदाता को इस दे ा के कर्मचारी व हरिजन कर्मचारी की

व्यापारी, उधोगपति तथा दलितो को जो भी जख्म लगे, उस पर हम डटकर मरहम लगाए और इसलिए हमने जितने भी वायदे हरियाणा सरकार बनने से पहले लोगो के बीच जाकर किए थे हमने एक एक वायदा पूरा करने का संकल्प किया है। जहा तक बिजली की बात है, बहुत चर्चा चलती है। इसमे कौन सा हमारा दोश है, क्या अपराध हमने किया है–– जनरे ान, आपरे ान और डिस्ट्रीब्यू ान यानि जी0, ओ0 और डी0 ं ये तीनो तो विधि के विधान की अलग अलग एजेंसीस है। एक उत्पादन करता है, एक सम्प्रे ान करता है और एक वितरण करता है। अगर हमने तीन एजेसीज विधि के विधान के अन्तर्गत को भी है तो इसके कही भी प्राईवेटानाईजे ान की इन्ट्रोडयूस नही किया है कही भी निजीकरण नही है बल्कि उसका सुधारीकरण है। 3 एंजेसिंयां बनाने से उसमे स्वाभाविक रूप से कु ालता पैदा होगी। क्या हरियाणा की जनता या विपक्ष के जितने सम्मानित सदस्य है हमारी सरकार के प्रति, हजारे मुख्यमंत्री के प्रति, महामहिम के प्रति क्या वास्तव मे ईमानदारी से हमारी नीयत मे कोई खोट समझते है। क्या हमने 1200 करोड रूपए का 410 मैगावाट का गैस पर आधारित प्लांट 1997 मे फरीदाबाद मे नही लगाया। क्या जर्मनी की एक कम्पनी से पानीपत के 4 थर्मल प्लांट की कैपेसिटी 110 से बढाकर 118 मैगावाट करके उसके 30 परसैन्ट प्लांट लोड फैक्टर को 80 परसैन्ट करके 250 मैगावाट अतिरिक्त बिजली पैदा नही की जायेगी। क्या इसको ये नही मानते? हमने वह किया है जो ये पिछले 7–8 साल मे नही कर पाये थे। अब वे यह कहते है

कि भाराब के कारण विकास नही कर पाये। हम इन भाईयो से पूछना चाहते है कि 7–8 साल पहले पानीपत का थर्मल प्लांट इन्होने प्रारम्भ करना था और उस समय उस पर 300–400 करोड रूपया लगाना था जिसको कि पानी की कमी के कारण ये प्रारम्भ नही कर पाये। आज हम उस छठे थर्मल प्लांट को प्रारम्भ कर रहे है। इसके साथ साथ 25–25 मैगावाट के ऐसे 12 प्लांट के लिए जगह स्वीकृत कर चुके है और काम भुरू हो रहा है और जो अतिरिक्त 1180 परसेंट बिजली हम हरियाणा मे पैदा कर रहे है क्या इसमे भी इन्हे हमारी नीयत पर भाक है। This Government is so tranparentant corruption free. जब कुरै ी साहब विदे ा मे गए थे वे डाकूमैट चौटाला साहब के पास पडे हुए है। In anyway, they are creting consation and furor on the floor of the House Unfortunately and telling and furore on the floor of the House. Unfortunately and telling lies and lies altogether. इनकी कौन सी बात सही है? पहले कहा कि भाराब थैलियो मे बिकती है, फिर कहा कि 18 करोड रूपये की दवाईया सरकार ने कही नही छिडकी लेनिक फिर बाद मे इस बात को विदड्रा कर रहे है और सच्चाई को मान रहे है विशय को डेवियेट करके दूसरे विशय पर छलांग लगाने की बात करते है। They are not reading what we have writen down on the Board. अध्यक्ष महोदय, हमने जो दिवार पर लिखा है उसे ये लोग पढने मे असमर्थ है। इन्होने 16 तारीख की बडी चर्चा की, एक म ीन नही जली और सब बुझ गया और कोई छतरी के सहारे उड गए। अध्यक्ष महोदय, जब

झज्जर का चुनाव आया तो छतरी के सहारे उड गये और ऐनक ल कर चले। आप उन्हे समझाये कि हाथी पर एनेक लगा कर चले तो क्या अच्छा लगता है। (विघ्न) क्या कभी हाथी एनेक पर चल सकता है अगर ईमानदारी से देखा जाए तो इनका हाल वह होगा कि जैसे ऐड आती है कि ढूंढते रह जाओगे। ऐनक से कही वोट मिलता है अध्यक्ष महोदय, कभी लालटेन ले कर फिर रहे है और कभी एनेक लेकर फिर चल रहे है। आप खुद समझदार है कि हिन्दुस्तान की जनता को ये कैसे बता पायेगे? 542 सीट्स पर चुनाव होना है लेकिन इनके 10 लोग रात को निकाह करते है और सवेरे तलाक करते है। अध्यक्ष महोदय, रात और दिन का हिसाब कही फिट नही हो रहा है। अगर ये एक भी सीट जीत जांए तो दे ा का दुर्भाग्य है। अगर एक आध सीट जीत कर दे ा की पार्लियामेंट मे पहुच भी जांए तो क्या संसद मे झुनझुने बजाएगे? कहते है कि हम हिन्दुस्तान की राजतीति मे अहम भूमिका निभाएगे और जरूरत पडी तो बिक जाएंगे इसके अतिरिक्त कुछ नही है। हिन्दुस्तान की राजनीति मे सबसे बडी पंचायत मे पहुंचाना और वहां पर बात करना आसान नही है। सात लोगो के आधार पर दे ा का प्रधानमंत्री बनाने की बात करते है। हिन्दुस्तान की राजनीति मे सबसे बडी पंचायत मे पंहुचना और वहां पर बात करना आसान नही है। सात लोगो के आधार पर दे ा का प्रधान मंत्री बनाने की बात करते है रण्क्षेत्र छोड कर युद्ध क्षेत्र छोड कर, धर्म क्षेत्र कर चुनाव क्षेत्र मे हमसे युद्ध करने चले है और दे ा का प्रधानमंत्री बनाने चले है। अध्यक्ष महोदय, कौन सा ऐसा वायदा है

जो हमने पूरा नही किया, सभी वायदे हमने पूरे किए है। हमारी सरकार आए अभी समय ही कितना हुआ है। एक साल नौ महीने के करीब समय हमे सरकार मे आये हुए हुआ है और तीन साल तीन महीने की समय हमारे पास और पडा हुआ है छअपटाहट मत करिये, इन लोगो को चाहिए कि मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखने बन्द करे। अध्यक्ष महोदय, जो कांटे ये लोग बिछा कर गए थे, उनको चुनने मे थोडा समय लग रहा है। फूल खिलाने के जो वायदे हमने किये हे हम लोग वे फूल खिलाएंगे लेनिक जो कांटे उन्होने बिछाए है पहले उनको तो चुनना है। बडे सम्मानजनक ढंग से मै विपक्ष के नेता से कहना चाहता हू माना कि हम तुम्हारे दीद के काबिल नही पर हमारा भौक देखिए और नजर देखिए। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान की राजनिति के अन्दर जिनका कोई नेता नही है वे क्या बात करेगे? रत्नाकर पाण्डेय कांग्रेस के सांसद होते थे, बोलते है कि हमारी पार्टी के अन्दर तो कोई मर्द नही, सभी नामर्द है एक ही मर्द है और वह है सोनिया गाधंी। वे लोग आज समझते है कि वे दे ा को नेतृत्व प्रदान करेगे। जो लोग लालू प्रसाद यादव के चरणो मे बैठ कर टिकट मांगने की बात करते है वे टक्कर लेने चले है। चाहे वे चन्द्र भोखर जी हो यहा और लोग हो आज वे लोग झटक झटक कर लंका को छोड ऐसे सभी विभीशण भारतीया जनता पार्टी की गोद मे आ रहे है, बुद्ध प्रिया मौर्य कांग्रेस की लंका को छोड आए। अध्यक्ष महोदय, ये लोग मुलायम सिंह की बहुत चर्चा करते है जिनके कन्धो पर भाायद ये लोग चलना चाहते है लेनिक उनका बंगाल का सब कुछ बर्बाद हो

गया। मौलाना अबूल कलाम आजाद का दामाद, उनके वहां के अध्यक्ष नवाब सैयद जानी, भाहन ााह जहागीर सभी कहां चले गए। सब के सब लोग कहा जा रहे है। वे वास्तव मे वही पहुचे रहे है जहां उनको पहुंचाना चाहिए था। वास्तव मे हिन्दुस्तान जिनका आराध्य देव नही है और जिसको हिन्दुस्तान की जनता तथा हरियाणा की जनता प्यारी नही है 16 फरवरी को सब उड जाएगे। अध्यक्ष महोदय, 16 फरवरी की इनको गलत फहमी है। मै अभी अभी करीब दौ सौ गावो मे हो कर आया हू, चाहे हलोदार के आदमी हो और चाहे कांग्रेस के आदमी हो सभी छोड छोड कर भाग रहे है और भारतीय जनता पार्टी तथा हरियाणा विकास पार्टी से मिलने जा रहे है। यह सब क्यों हो रहा है, अध्यक्ष महोदय, यह इसलिए हो रहा है क्योंकि हमने जो मंत्र दिया था, हमारी जो बाईबल है, हमारा जो ग्रन्थ है, हमारी जो गीता और कुरान है उसको हमने मैनिफैस्टो कहा है और हमारे महामहिम का जो अभिभाशण है वह हमारा मंत्र है वही हमारी ग्रन्थ है उसके प्रति हम प्रतिबद्ध है यही हमारा संविधान है और इनकी प्रति जितना हम से हो सकता है हम करने का प्रयास कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बात पर बार बार चर्चा चलती रहती है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने जो स्टैटिस्टिक्स हमने दिए थे, उन पर कभी ध्यान नही दिया लेकिन बडा खोल कर बता रहे थे कि इनते केसिज पकडे गए और इतनी गाडिया पकडी गई। अध्यक्ष महोदय, हमारे सम्मानित सदस्य जिनका मै बडे सम्मान के साथ जिकर करना चाहूगा जो सी0एल0पी0 मे अपने आप को लीडर कहते थे।

उनके बारे वीरेन्द्र सिंह जी जो भाायद चुटकी लेकर कहा थपा कि उनको इस बार हरियाणा के सदन के अन्दर नही आने देगे उनको हरियाणा से बारह भेजेगे, उन्होने भी कहा कि भाराब दुगनी हो गई । भाराब दुग्नी हो गई? क्या दुगने लोग भाराब पीने लगे है क्या भाराब की क्वाटिटि बढ गई है। 1975 से 14 लाख बोतल से भाुरू हुई और 1995–96 तक 14 करोड भाराब की बोतल की खपत थी। अगर मै इसमे से बीयर को निकाल दू तो 11 करोड 70 लाख बोतल भाराब हरियाणा मे 1995–96 मे कन्जयूम की जाती थी। उन्होने बडा जिकर करते हुए कहा कि हम 20 लाख बोतल भाराब पकड ली उन्होने कहा कि दुनिया भर की भाराब यहां पर बिक रही है मै उनसे वास्तव मे यह पूछना चाहता था कि उनके हिसाब से हमने वास्तव मे कितने परसैट भाराब पकडी होगी? हरियाणा के प्र ाासन ने और हमारे प्रोहिबि ान डिपार्टमैट ने कितनी भाराब पकडी होगी जब मैने उनसे इस बारे पूछा तो वे बता नही पाए। मेरा कहना है कि अगर हमने 10 प्रति ात भाराब भी पकडी हो और वरस्ट से वरस्ट अगर पोसिबल हो और अगर मै विपक्ष के तरफ से आकडे दे कर कंहू और अगर हमने 10 प्रति ात भाराब भी पकडी हो और 90 प्रति ात बोतले एस्केप करके चली गई हो तो कितनी भाराब भी पकडी गई। हालाकि हम 60 प्रति ात से 80 प्रति ात तक भाराब पकडते है। लेनिक विपक्ष के मैक्सिमम एलिगे ान के बावजूद अगर हमने 10 प्रति ात बोतल पकडी हो तो अध्यक्ष महोदय, मै आपके सामने निवेदन करना चाहूगा कि 13 लाख बोलते पकडी है। 130 लाख बोतलो मे से

अगर 117 लाख बोतले इस्केप भी हो गई हो, और 1170 लाख बोतले मे से 117 लाख बोतले भी हरियाणा के लोगो ने पी हो फिर भी 10 प्रति ात ही कंज्यप ान हुआ है। इस हिसाब से 90 प्रति ात फिर भी हम सफल हुए है। अगर 20 प्रति ात लगाए तो हम और भी सफल हो जाते है लेकिन यह जो समाज है इसमे बहुत सी त्रुटिया है। एक बात जैसे यहां पर कहा गया कि किसी गाडी को रोक लिया गया। विपक्ष के नेता ने बडे ही व्यंगात्मक तरीके से यह बात कही है। मै गाडी मे जा रहा था तो मुझे मालूम पडा है कि गाडी इम्पाऊैड हो गई हैं। अध्यक्ष महोदय, हम जब पहली बार विधान सभा मे आए थे तब मैने इस बारे मे कहा था कि अगर हवाई जहाज हरियाणा के ऊपर सं उडता है और उसमे कोई भाराब पीता है तो हमारी उसको धरती पर उतार कर कैच करने की कोई मं ाा नही है। लेकिन मै एक बात सम्मानित सदस्यो से पूछना चाहता हू कि अगर किसी गाडी मे छ लोग हो और वे सब अदिया अदिया या पउआ पउआ लेकर चले और एक्सीडैट करके वे छ के छ मारे जाए तो क्या वह विपक्ष के सम्मानित सदस्यो को अच्छा लगेगा ? अध्यक्ष महोदय, मै आपको दो एक्सीडैटस के बारे मे बता सकता हू जो कि सिरसा की धरती पर हुए है इस एक्सीडैट मे दो कारो के 6–6 लोग मारे गए क्या वह विपक्ष के सदस्यो को अच्छा लगेगा? अगर हमने उनको सरकार की कास्ट पर रैवेन्यू की कास्ट पर चैक करने की कोि ा ा की तो अध्यक्ष महोदय, हमने कौन सा अपराध किया है? यह हमने सो ाल वैल वैल के लिए इकोनोमिक वैल विंग के लिए, गरीबी

की मौत और समृद्धि के जम्म के लिए किया गया है। आज पव्ज हे क्लब्ज है हाऊस्ज है और आज स्लम्ज एरिया है आज हरियाणा की हमारी माता, बहन बेटी जो पानी भरने टूटी पर पहुचती है।

श्री अध्यक्षः गणे ी लाल जी, आप कितना समय और लेगे?

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे 10 मिनट का समय और चाहिए।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर सदन को सहमति हो तो बैठक का समय 10 मिनट बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय 10 मिनट के लिए बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, मै निवेदन कर रहा था कि जो भाराब बंदी की बात है, जिसके बारे मे विपक्ष के सभी लोग तिलामिलाते है कि आपने भाराबंबंदी नही की है। भाराब आज भी हरियाणा मे चलती है। फलाने का मंत्री भाराब बिकवाता है, वह लाता है, यह लाता है लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह विशय नही है

कि कौन भाराब लाता है या किसी की गाडी मे भाराब मिली। बल्कि विशय यह है कि भाराब को हरियाणा से बंद किया जाए की गाडी मे भाराब मिली। बल्कि विशय यह है कि भाराब को हरियाणा से बंद किया जाए और विपक्ष के सभी सम्मानित सदस्यो ने सहयोग देने का सकल्प किया था। लेकिन बडे दुख के साथ मै यह कहना चाहता हू कि उन्होने किसी प्रकार से अपने संकल्प को पूरा करने की चेश्टा नही की है। कोई प्रयास नही किया है। उन्होने किसी प्रकार से हमे सहयोग नही दिया हैं। बल्कि उनकी यह कोि ा ा रही है कि सरकार को कैसे ग्रिल किया जाए। उन्होने भाराब के विशय को हर बात फलोट करके विधान सभा का और इस सदन का समय खराब किया है। जंहा हम हरियाणा के दो करोड लोगो को अपनी पालिसी के बारे मे बताना चाहते है वही ये सदन का समय खराब करना चाहते है। भाराब का जंहा तक सम्बन्ध है हमारे मुख्यमंत्री जी बताते है कि हम 85 प्रति ात कामयाब है लेकिन मेरे हिसाब ये अगर हमने 10 प्रति ात भी भाराब पकडी है, जितनी बोतले हमने पकडी है, अगर 90 प्रति ात भी हमारे से ऐस्केप हो गई हो, तब भी हम उसमे 90 प्रति ात सफल है। लेकिन यह सामाजिक क्रांति है सामाजिक बुराई है कि समाज के सहयोग के बिना इसके ऊपर पूरी तह से काबू नही पाया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, पजाब से मुम्बई तक के बीच मे बोलते हुए और भी कई अनेक स्थानो पर बोलते हुए कोई ऐसा आदमी मिलता है जो इसके पक्ष मे दलील देता हो। चाहे आप इस दे ा का ऋगवेद ले लीजिए, चाहे योग नीति भाास्त्र ले लीजिए,

जितने भी मैडिकल एक्सपर्ट है उनकी राय ले लीजिए या दुनिया के किसी भी राश्ट्राध्यक्ष की राय ले लीजिए किसी ने भी भाराब के पक्ष मे आज तक कोई वोट नही दिया है। अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बुढा भाशण करते वक्त मिला। उसने कहा कि प्रोफैसर आप क्यों जिद करते हो हमारा पैसा है हम चाहे कुछ भी करे। तुमको क्या पता कि भाराब पीने से क्या होता है। इसको पीने से सातवे आसमान मे पहुंच जाते है। स्वर्ग दिखता है और बहुत ही आनन्द आता है यह है वह है। भाराब अन्दर जाकर ऐसा करती है वैसा करती है तो मैने उसे कहा कि फिर भाराब बुढिया को भी क्यों नही पिला देते। उसे भी अपने साथ पिलाया करो। क्या तुमने अकेले आनन्द लेने का ठेका ले रखा है? मै मुख्यमंत्री से तुम्हे भाराब पीने की इजाजत दिला दंगा ताकि तुम दोनो मरो तो इकट्ठे मरो और तुम्हारा अन्तिम संस्कार भी इकट्ठा किया जा सके। एक मरे और दूसरा न मरे तो अच्छा नही लगता। अध्यक्ष महोदय, मेरेा कहने का अभिप्राय यह है कि यह जो दुनिया भर की बाते भाराब के बारे मे की जाती है और जिसके लिए तरह तरह के प्र ान किए जाते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से विपक्ष के सभी सम्मानित सदस्यो को जो यहां पर नही है, हाथ जोडकर कहना चाहूगा कि भाराब बंदी के इस यज्ञ के अन्दर अपनी आहूति डाले। अध्यक्ष महोदय, ये सारी बाते ही नही है। हम पाचो तरफ से घिरे हुए है और वे सब के सब भाराब बेचते है लेकिन हम ड्राई है उसके प चात भी कितनी बडी चुनौती और कितना बडा सकल्प हमने इस भाराब को समाप्त करने का लिया है। अध्यक्ष महोदय,

आज जितने भी क्लब्ज थे जितने भी हाउसिज थे जिनके अन्दर रात को बहुत ही रिच ऐरिस्ट्रोक्रेट फेमलिज के कहलाने वाले लोग जाते है जिनको सूडो रिघ या रिच फेमिलिज कहते है वे लोग वहा जाते है। विसैन सैक ान आफ सोसायटी के पति जी रात को भाराब पीकर घर नही लौटते थे, उनकी भी देवी आज प्रसन्न है अध्यक्ष महोदय, आज अगर कोई चोरी छिपे भाराब पीता भी है या थैली मे ले जाता भी है तो वह भी अपनी प्रियतम के चरण पकडकर ही पीता है कि किसी से बोलना मत, किसी को बताना मत कि मैने भाराब पी। इसलिए यह जो आज चेंज है कि भाराब पीने वाला आज अपनी पत्नी को अपने बच्चो के सामने पीटता नही है, यह बहुत बडा है। अध्यक्ष महोदय, कालेजिज मे यूनिवर्सिटीज के वातावरण मे आज जमीन आसमान का अन्तर आया है। अध्यक्ष महोदय, चाहे पचायत के चुनाव होते हो, म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव होते हो, एम0एल0एज0 के चुनाव होते हो यह एम0पीज के चुनाव होते हो, सब मे करोडो रूपये या अरबो रूपए बर्बाद होते थे और कितने खन्डे सडक कर कोई न कोई कत्ल होता था। अध्यक्ष महोदय, मे आपको इस बारे मे आकडे देना चाहूगा कि पिछले डेढ वर्श के अन्दर जितने मर्डज हुए थे, हर्टज हुए थे या ऐक्सीडैटस हुए थे तथा सी0आर0पी0सी0 की सैक ान 107 या 155 के तहत जितने भी केसिज रजिस्टर हुए थे, उनके अब काफी डिफरैस आया है। अध्यक्ष महोदय, आप देखेगे कि 1.7.1997 से लेकर 31.12.1997 तक इस बारे मे जो केसिज रजिस्टर हुए है उनमे बहुत ही अन्तर है। सबके अन्दर कमी है। ऐक्सीडैटस मे

कमी आई है, कत्ल के केसिज मे कमी आई है जिनको चोट लगी हो, उनमे कभी आई है झगडे बाजी मे कमी आई है सैक ान 107 और 155 के केसिज मे कमी आई है अर्थात हर प्रकार से भाराबबन्दी करने के बाद हरियाणा के अन्दर एक समृद्धि का दौरा चला है लोगो को भी जरूर ऐसा लगता होगा इसलिये वे आज प्रसन्न भी है। अध्यक्ष महोदय, भाराबबन्दी के कारण हमने 700–800 करोड रूपए का डैफिसिट किया लेकिन 3200 करोड रूपये की जो हरियाणा के लोग पहले भाराब पीते थे अगर उसमे से खिसक कर एक हजार करोड रूपए तक की भी लोग भाराब पी जायेगे तक भी 2200 करोड रूपये तो लोगो की जेबो मे ही जाएगे। अगर 2200 करोड रूपये लोगो की जेबो मे आएगे तो इससे स्वाभाविक रूप से अनेक प्रकार के साधन बनते है उससे विकास की गति बनती है एवम इससे लोगो की जेबो मे पैसो का साधन बनते है, उससे विकास की गति लोगो ने भाराब छोड दी है आज उनकी डेली सेविग्ज बढी है, डिपोजिटस बढे है। बैको ने उनका पैसा बढा है। हरियाणा मे पिछली बार से इस बार स्माल सेबिग्ज की संख्या भी बढी है ऐसे डोनर्ज की संख्या भी बढी है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता जो एक बात बात बार कर रहे थे जैसे कि वे ही अकेल किसानो के ठेकेदार हो। अध्यक्ष महोदय, अजगर की फिलोसौफी बताने वाले, राजनैतिक द र्शन देने वाले हमको क्या बतलाना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, मिजोरम मे बायबल के हिसाब से भाासन करने वाली पार्टी बीरेन्द्र सिहं हमको क्या बदलाने वाले थे हमको क्या सीख देने वाले थे कि साम्प्रदायिकता

क्या होती है? अध्यक्ष महोदय, 1972 मे ससंद मे जब कम्यूनल कौन होती है, के ऊपर विचार विर्म ा चर रहा था तो हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री को उस समय खडे होकर भारतीय जनसंघ के सांसद श्री जगननाथ जो ी को कहना पडा था कि भारतीय जनसंघ कम्यूनल नही है। He was not able to define what communal was. साम्प्रदायिकता क्या होती है इसको वे डिफैड नही कर सके? अध्यक्ष महोदय, आज तो ढोल का पोल निकल गया। आज काग्रेस के सब श्रेश्ठ नेता हमारे पास इसलिए आ रहे है क्योकि हम सम्प्रदायिक नही है। अध्यक्ष महोदय, अगर वन्दे मातरम कहना साम्प्रदायिकता है तो हम साम्प्रदायिक है। अगर भारत माता को पूजा करना, उसका क्षृगार करना या उसको आराध्य मानकर पूजा करना साम्प्रदायिक है तो हम साम्प्रदायिक है। अगर इस दे ा के अन्दर इस जनता की सेवा करना और हर मनुश्य मे भगवान देखना साम्प्रदायिक है तो हम है। अगर मुसलमान को कोई वोट माने तोवे तो चौडे दिल के है और हम अगर मुसलमान को भगवान का नूर मानकर पूजा करे तो हम साम्प्रदायिक है। दादरी के अन्दर कजाकिस्तान के जब दो हवाई जहाज भिड गए और उसमे 361 लोग मारे गए यदि हम उनको दफनाने का काम मुल्ला मौलवी से कुरान की आयदे पढवाकर करे, तो भी हम साम्प्रदायिक है लेकिन उनकी जेब से पैसा चुराने वाले जो आज तक सताधारी रहे है, वे चौडे दिल के है। अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे मे कितनी ही चर्चा कर सकता हू। अगर वे भाुक्रवार की जुम्मे की नमाज की बात करे या संसद के अन्दर इधर की या

उधर की बात करे, तक तो ठीक है। अध्यक्ष महोदय, जो उन्होने ढकोसलेबाजी या पाप का महल खडा किया था, आज वह ढह रहा है। आज चाहे हलोदार के नेता हो या काग्रेस के नेता हो, जो उन्होने झूठ के ऊपर अपना महल खडा किया था, वह ढह गया है, आज जो यह लोग किसानो की बाते कर रहे है तो अध्यक्ष महोदय, किसान के हित की बात है और किसान का हित करना दूसरी बात है। किसान के हित के लिये हथनीकुण्ड बैराज का काम किसने किया इन्होने तो वह काम आज तक किया ही नही है। इतने वर्शा से ताजेवाला हैड वर्कस का काम क्यो नही हुआ। इसको बीस हजार क्यूसिक वाटर मे बदलने का काम हमने ही किया है। 219 करोड रूपए लगाकर हमने ही इसका काम भाुरू किया है। लिफट योजना हमने ही भाुरू की है। स्प्रिकंलर सिस्टम इजरायल से हम ही लाए है। अध्यक्ष महोदय, हमने ही हरियाणा के अन्दर से बाढ का पानी निकाला है जबकि वे लोग इस पानी को पहले कभी निकाल सके। अध्यक्ष महोदय, हमने दो लाख पौधो को काटकर नालो को साफ किया है और लाखो किसानो के किसान अन्नदाताओ को लाभ पहुचाया है। अध्यक्ष महोदय, बिजली देने का काम और पानी देने का काम इस सरकार के अतिरिक्त किसने किया है। यदि पहले बंसी लाल जी ने किया था तो अब भी भी बंसी लाल जी ने ही किया है इसलिए तो हमारी इनसे मित्रता है और हरियाणा की जनता के प्रति और उसको आराध्य देव मानकर हम उसकी पूजा करना चाहते है महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाशण मैने पढा है मुझे लगता है कि हमारे विपक्ष के साथियो

को हिन्दी और अग्रेजी नही आती है यदि आती होती तो वे इसका समर्थन करते। इन भाब्दो के साथ आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker: Now the House is adjorned till 9.30 A.M tomorrow.

19.36 Hrs.

(The Sabha then adjourned till 9.30 A.M on Thursday, the 22nd January, 1998)